page 1 qrk_page 1 Mar 25 final ds.qxd 25-09-2025 01:35 Page 1

epaper.dehatsandesh.com

3 जगती प्रवासी टाउनशिप में चल रहे कार्यों की समीक्षा की
5 शंघाई मास्टर्स में हिस्सा लेंगे नोवाक जोकोविच
8 सतीश शर्मा ने तेल कंपनियों के साथ एलपीजी आपूर्ति की स्थिति की

मौसम जम्मू — न्यूनतम 25, अधिकतम 31

E-mail: dehatsandesh@gmail.com

देहात संदेश

जम्मू-कश्मीर का एकमात्र ग्रामीण दैनिक

वर्ष 22, जम्मू तवी, अंक 236 | जम्मू तवी, वीरवार 25 सितम्बर 2025 | मूल्य- 2 रूपये (लेह) 4 रूपये | पृष्ठ -8

लद्दाख में राज्य के दर्जे की मांग को लेकर हिंसक प्रदर्शन, चार लोगों की मौत

- हिंसा के बाद लेह में निषेधाज्ञा लागू
- सोनम वांगचुक ने अनशन वापस लिया
- लद्दाख प्रशासन ने लद्दाख महोत्सव 2025 का अंतिम दिन रद्द किया

लेह, 24 सितंबर। लद्दाख के लेह ज़िले में भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) की धारा 163 के तहत निषेधाज्ञा लागू कर दी गई है। लद्दाख को राज्य का दर्जा देने और छठी अनुसूची के विस्तार की मांग को लेकर चल रहे आंदोलन के बुधवार को हिंसक रूप लेने के बाद, अधिकारियों ने पाँच या उससे अधिक लोगों के एकत्र होने पर प्रतिबंध लगा दिया है। लेह एपेक्स बॉडी के नेतृत्व में चल रहा आंदोलन हिंसक हो गया और सड़कों पर उतरे सैकड़ों लोगों ने भाजपा कार्यालय और कई वाहनों में आग लगा दी। लद्दाख की राजधानी में पूर्ण बंद के बीच दूर से ही आग की लपटें और काले धुएँ के बादल देखे जा सकते थे। लेह के ज़िला मजिस्ट्रेट रोमिल सिंह डोंक ने आदेश जारी करते हुए कहा, चूँकि नोटिस व्यक्तिगत रूप से नहीं दिया जा सकता, इसलिए यह आदेश एकपक्षीय रूप से पारित किया जा रहा है। इस आदेश का कोई भी उल्लंघन बीएनएस की धारा 223 के तहत दंडात्मक कार्रवाई को आमंत्रित करेगा। उन्होंने कहा कि बीएनएसएस की धारा 163 के तहत, सक्षम प्राधिकारी की पूर्व लिखित अनुमति के बिना कोई भी जुलूस, रैली या मार्च नहीं निकाला जाएगा। डोंक ने कहा, सक्षम प्राधिकारी की पूर्व अनुमति के बिना कोई भी व्यक्ति वाहन पर लगे लाउडस्पीकर या अन्य लाउडस्पीकर का उपयोग नहीं करेगा।

लद्दाख की घटना पर केन्द्र गंभीर, दिल्ली में बुलाई विशेष बैठक

लेह, 24 सितंबर । केंद्र सरकार ने बुधवार को लेह बंद के दौरान आंदोलन के हिंसक होने की गंभीरता को देखते हुए आगामी छह अक्टूबर को लद्दाख के कुछ प्रतिनिधियों को बैठक के लिए देश की राजधानी नई दिल्ली में आमंत्रित किया है।

केन्द्रीय गृह मंत्रालय में होने वाली इस अहम बैठक में लेह एपेक्स बॉडी (एलएबी) और कारगिल डेमोक्रेटिक अलायंस (केडीए) के प्रतिनिधियों को बुलाया गया है। उनकी लद्दाख के संबंध में मांगों पर विचार विमर्श होने की संभावना है।

उल्लेखनीय है कि अपनी चार मांगों को पूरा करने को लेकर, सामाजिक कार्यकर्ता और जलवायु कार्यकर्ता सोनम वांगचुक के नेतृत्व में शांतिपूर्ण प्रदर्शन कर रहे लेहवासियों ने मंगलवार को प्रदर्शन शुरू कर दिया था।

प्रदर्शनकारियों ने आज हिंसा का रास्ता अख्तियार करते हुए लद्दाख भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) कार्यालय की इमारत और केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) की गाड़ियों में आग लगा दी।

इस दौरान, पुलिस ने इस हिंसक विरोध प्रदर्शन को रोकने की कोशिश की लेकिन भीड़ काबू नहीं आयी और पुलिस एवं प्रदर्शनकारियों के बीच भी झड़प हुई। भीड़ को काबू करने के लिए पुलिस ने आंसू गैस के गोले छोड़े और लाठीचार्ज किया। प्रदर्शनकारियों ने पुलिस पर पथराव किया जिससे कई जवान घायल हो गए। इस दौरान कुछ प्रदर्शनकारी भी घायल हो गये। बाद में पुलिस ने इनमें से कुछ प्रदर्शनकारियों को गिरफ्तार किया है।

यह विरोध प्रदर्शन सामाजिक कार्यकर्ता और जलवायु कार्यकर्ता सोनम वांगचुक के समर्थन में किया गया।

मुख्य न्यायाधीश ने मामलों के शीघ्र निपटान हेतु व्यापक कार्य योजना की घोषणा की

- मामलों के त्वरित और प्रभावी निर्णय सुनिश्चित करने हेतु बहुआयामी रणनीति की रूपरेखा प्रस्तुत की

श्रीनगर, 24 सितंबर। न्याय वितरण प्रणाली को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए, जम्मू-कश्मीर और लद्दाख उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश, न्यायमूर्ति अरुण पल्ली ने मामलों के निपटान हेतु एक व्यापक कार्य योजना शुरू की है।

यह पहल लंबित मामलों के समय पर समाधान, लंबित मामलों की संख्या में कमी और न्यायिक दक्षता में वृद्धि पर केंद्रित है। लंबित मामलों और न्याय में देरी पर बढ़ती चिंता को देखते हुए, मुख्य न्यायाधीश ने मामलों, विशेष रूप से कई वर्षों से लंबित मामलों, के त्वरित और प्रभावी निर्णय सुनिश्चित करने हेतु एक बहुआयामी रणनीति की रूपरेखा प्रस्तुत की है। जम्मू-कश्मीर और लद्दाख उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश ने चरण IV और V का शुभारंभ करते हुए, जनता के विश्वास को मजबूत करने में न्यायिक दक्षता के महत्व पर बल दिया। उन्होंने कहा कि विलंबित न्याय, न्याय से वंचित करने के समान है, और यह कार्य योजना जम्मू-कश्मीर और लद्दाख के सभी नागरिकों के लिए समय पर और सुलभ न्याय के प्रति अटूट प्रतिबद्धता को दर्शाती है। चरण I से III के सफल समापन के बाद, अगले चरण अर्थात चरण IV (जुलाई 2025 – दिसंबर 2025) और चरण V (जनवरी 2026 – जून 2026) का उद्देश्य पहले के हस्तक्षेपों के प्रभाव को गहरा करना और नागरिकों को समय पर न्याय प्रदान करना है। इस संरचित पहल का उद्देश्य न्यायिक प्रशासन में सर्वोत्तम प्रथाओं की रणनीतिक योजना, निगरानी और कार्यान्वयन के माध्यम से जिला न्यायपालिका में मामलों के लगातार लंबित मामलों को दूर करना है। चरण IV के उद्देश्य निम्नलिखित हैं:- 10+ वर्ष पुराने मामलों और वरिष्ठ नागरिकों, महिलाओं और कमजोर समूहों से जुड़े मामलों की पहचान और प्राथमिकता, शाम/सप्ताहांत अदालतों और विशेष बकाया सत्रों का विस्तार, डिजिटल डैशबोर्ड और मासिक प्रदर्शन समीक्षाओं के माध्यम से केस प्रबंधन प्रणालियों को मजबूत करना, शीघ्र निपटान के लिए बार और अभियोजन विभागों के साथ बेहतर समन्वय, और, चरण V के उद्देश्य इस प्रकार हैं:- पिछले चरणों से प्राप्त लाभों का समेकन, पायलट आधार पर चुनिंदा जिलों में कागज रहित अदालतों की शुरुआत, एडीआर तंत्र का संवर्धन न्यायिक अधिकारियों और न्यायालय कर्मचारियों के लिए लक्षित प्रशिक्षण के माध्यम से समझौता योग्य मामलों के लिए मध्यस्थता और लोक अदालतें और क्षमता निर्माण।

आतंकी ठिकाने का भंडाफोड़

कुलगाम, 24 सितंबर । दक्षिण कश्मीर के कुलगाम जिले के ब्रिनल गांव इलाके में बुधवार को सुरक्षाबलों ने एक आतंकी ठिकाने का भंडाफोड़ किया है। क्षेत्र में सुरक्षा बलों का तलाशी अभियान जारी है।

एक शीर्ष पुलिस अधिकारी ने बताया कि ब्रिनल गांव में चलाए गए तलाशी अभियान के दौरान सुरक्षा बलों की एक संयुक्त टीम ने आतंकवादी ठिकाने का पता लगाया। अधिकारी ने बताया कि बाद में ठिकाने को मौके पर ही नष्ट कर दिया गया जबकि इलाके में तलाशी जारी है। हालांकि ठिकाने किसी भी हथियार या गोला-बारूद की बरामदगी नहीं हुई है।

आतंकियों का सहयोगी गिरफ्तार, पहलगाम हमले में शामिल आतंकियों को दी थी रसद

श्रीनगर, 24 सितंबर । पुलिस ने बुधवार को दक्षिण कश्मीर से आतंकियों को एक सहयोगी को गिरफ्तार किया है, जिसने 22 अप्रैल को पहलगाम आतंकी हमले के लिए जिम्मेदार आतंकवादियों को रसद सहायता प्रदान की थी।

पुलिस अधिकारियों ने कहा कि एक खुफिया जानकारी के आधार पर श्रीनगर पुलिस ने दक्षिण कश्मीर के कुलगाम जिले से आतंकियों के एक सहयोगी को गिरफ्तार किया है। उसकी पहचान मोहम्मद यूसुफ कटारी (26) के रूप में हुई है।

अधिकारियों ने कहा कि पहलगाम हमले में शामिल आतंकवादियों को रसद सहायता प्रदान करने में उसकी भूमिका थी जो बाद में ऑपरेशन महादेव के दौरान मारे गए थे। 29 जुलाई की मुठभेड़ में सेना के कुलीन पैरा कमांडो ने श्रीनगर के बाहरी इलाके में तीन आतंकवादियों को मार गिराया था।

उनमें सुलेमान उर्फ आसिफ भी शामिल था जिसे 22 अप्रैल के पहलगाम हमले का मास्टरमाइंड माना जाता है जिसमें 26 लोग, मुख्य रूप से पर्यटक मारे गए थे।

अन्य दो की पहचान जिबरान और हमजा अफगानी के रूप में हुई थी। जिबरान अक्टूबर 2024 में सोनमर्ग सुरंग हमले में शामिल था

सी.बी.एस.ई 17 फरवरी से कक्षा 10 और 12 की बोर्ड परीक्षाएँ आयोजित करेगा

नई दिल्ली 24 सितंबर। केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सी.बी.एस.ई) अगले साल 17 फरवरी से कक्षा 10 और 12 की बोर्ड परीक्षाएँ आयोजित करेगा, अधिकारियों ने बुधवार को घोषणा की। बोर्ड ने इन महत्वपूर्ण परीक्षाओं की संभावित तिथि की घोषणा की। यह पहली बार है जब कक्षा 10 की बोर्ड परीक्षाएँ एक शैक्षणिक सत्र में दो बार आयोजित की जाएँगी। सीबीएसई परीक्षा नियंत्रक संयम भारद्वाज ने कहा, पहला संस्करण 17 फरवरी से 6 मार्च, 2026 तक आयोजित किया जाएगा, जबकि दूसरा संस्करण 15 मई से 1 जून तक आयोजित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि कक्षा 12 की बोर्ड परीक्षाएँ 17 फरवरी से 9 अप्रैल, 2026 तक आयोजित की जाएँगी। भारद्वाज ने आगे कहा, सामान्य दिशानिर्देश के अनुसार, प्रत्येक विषय की परीक्षा के लगभग 10 दिन बाद उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन शुरू होगा और 12 दिनों के भीतर पूरा हो जाएगा। उदाहरण के लिए, यदि कक्षा 12वीं की भौतिकी की परीक्षा 20 फ़रवरी, 2026 को निर्धारित है, तो मूल्यांकन 3 मार्च, 2026 को शुरू होकर 15 मार्च, 2026 तक समाप्त होने की संभावना है।

जम्मू-कश्मीर को राज्य का दर्जा मिलना संवैधानिक अधिकार – उमर अब्दुल्ला

श्रीनगर, 24 सितंबर । मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने बुधवार को ज़ोर देकर कहा कि जम्मू-कश्मीर के लोगों को हाल के चुनावों में भाजपा की विफलता के लिए दंडित नहीं किया जाना चाहिए। राज्य का दर्जा एक संवैधानिक अधिकार है, जो किसी भी राजनीतिक दल के नतीजों पर निर्भर नहीं हो सकता।

श्रीनगर में पत्रकारों से बात करते हुए मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट को बताया गया था कि तीन चरणों वाली प्रक्रिया होगी, जिसमें परिसीमन पूरा हो चुका है, फिर चुनाव हुए हैं और लोगों ने इसमें भाग लिया है।

चुनाव में दुर्भाग्य से भाजपा नहीं जीती, लेकिन यह राज्य का दर्जा न देने का कारण नहीं हो सकता। यह अन्याय है। उन्होंने आगे कहा कि अगर भाजपा राज्य के दर्जे के खिलाफ लड़ती है, तो वह जम्मू-कश्मीर के लोगों के खिलाफ लड़ रही है। यह कभी नहीं कहा गया कि राज्य का दर्जा केवल भाजपा के जीतने पर ही दिया जाएगा।

अब्दुल्ला ने प्रत्यक्ष प्रतिक्रिया के माध्यम से लोगों की समस्याओं के समाधान पर अपनी सरकार के ध्यान को भी उजागर किया और पर्यटन विकास हालिया विवादों और विपक्ष की आलोचना का ज़िक्र करते हुए कहा कि सरकार लोगों के कल्याण के लिए ईमानदारी से काम कर रही है।

दीपावली से पहले रेलवे कर्मचारियों के लिए 1,866 करोड़ रुपए के बोनस को मंजूरी

नई दिल्ली, 24 सितंबर। केंद्रीय कैबिनेट ने बुधवार को देशभर के रेलवे कर्मचारियों के लिए 1,866 करोड़ रुपए के प्रोडक्टिविटी लिंक्ड बोनस पीएलबी को मंजूरी दे दी है। इसका लाभ 10.90 लाख से अधिक रेलवे कर्मचारियों को मिलेगा। कैबिनेट नोट में कहा गया कि बोनस रेलवे कर्मचारियों को रेलवे के प्रदर्शन में सुधार लाने के लिए प्रेरित करने हेतु एक प्रोत्साहन के रूप में कार्य करता है। नोट के अनुसार, प्रत्येक पात्र रेलवे कर्मचारी के लिए 78 दिनों के वेतन के बराबर पीएलबी की अधिकतम देय राशि 17,951 रुपए है। यह बोनस विभिन्न श्रेणियों के रेलवे कर्मचारियों जैसे ट्रैक मेंटेनर, लोको पायलट, ट्रेन मैनेजर गार्ड, स्टेशन मास्टर, सुपरवाइजर, टेक्नीशियन, टेक्नीशियन हेल्पर, पॉइंट्समैन, मंत्रालय के कर्मचारी और अन्य ग्रुप %सी% कर्मचारियों को दिया जाएगा। कैबिनेट ने कहा, 卐वर्ष 2024-25 में रेलवे का प्रदर्शन बहुत अच्छा रहा। रेलवे ने रिकॉर्ड 1614.90 मिलियन टन कार्गो संभाला और लगभग 7.3 अरब यात्रियों को गंतव्य तक पहुंचाया।卐 पिछले साल, सरकार ने 2,029 करोड़ रुपए के बोनस को मंजूरी दी थी, जिससे 11.7 लाख से अधिक कर्मचारियों को लाभ हुआ था। इसके अतिरिक्त, रेल मंत्री ने कहा कि लंबे समय से प्रतीक्षित वंदे भारत स्लीपर ट्रेनें जल्द ही शुरू की जाएंगी।

जम्मू-कश्मीर में राज्यसभा की चार सीटों के लिए 24 अक्टूबर को होगा मतदान

श्रीनगर, 24 सितंबर । चुनाव आयोग (ईसीआई) ने केंद्र शासित प्रदेश जम्मू और कश्मीर से राज्यसभा के द्विवार्षिक चुनावों के कार्यक्रम की घोषणा कर दी है। चार सीटों के लिए 24 अक्टूबर को सुबह 9:00 बजे से शाम 4:00 बजे के बीच मतदान होगा। मतगणना उसी दिन शाम 5:00 बजे होगी। चुनाव आयोग की अधिसूचना के अनुसार आयोग इन सीटों के लिए 6 अक्टूबर को अधिसूचना जारी करेगा। नामांकन दाखिल करने की अंतिम तिथि 13 अक्टूब र है, जबकि नामांकन पत्रों की जांच 14 अक्टूबर को होगी। अधिसूचना में कहा गया है कि मीर मोहम्मद फैयाज, शमशेर सिंह, गुलाम नबी आज़ाद और नज़ीर अहमद लवे के फरवरी, 2021 में सेवानिवृत्ति के बाद से चारों सीटें रिक्त हैं। चुनावों में देरी का कारण जम्मू और कश्मीर पुनर्गठन अधिनियम, 2019 के तहत पूर्ववर्ती राज्य के दो केंद्र शासित प्रदेशों जम्मू और कश्मीर (विधानसभा सहित) और लद्दाख (विधानसभा र हित) में विभाजन के बाद वैध निर्वाचक मंडल का अभाव बताया गया है। आयोग ने स्पष्ट किया कि चारों सीटें तीन अलग-अलग चुनावों के माध्यम से भरी जाएंगी। 10 फ़रवरी, 2021 को सेवानिवृत्त हुए सदस्यों के लिए एक-एक चुनाव और 15 फ़रवरी, 2021 को सेवानिवृत्त हुए दो सदस्यों के लिए एक संयुक्त चुनाव होगा। चुनाव आयोग का यह निर्णय 1994 के दिल्ली उच्च न्यायालय के उस फैसले के अनुरूप है, जिसमें शुरुआत से ही अलग-अलग व र्गीकृत सीटों के लिए अलग-अलग चुनाव कराने की प्रथा को बरकरार रखा गया था। नवनिर्वाचित सदस्यों का कार्यकाल सर्वोच्च न्यायालय में लंबित मामले विशेष अनुमति याचिका (सी) संख्या 17123/2015 (भारत निर्वाचन आयोग बनाम देवेश चंद्र ठाकुर एवं अन्य) के निर्णय के अधीन होगा।

वायु सेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल एपी सिंह ने लड़ाकू विमान मिग-21 में भरी उड़ान

62 साल देश की सेवा करके रिटायर होने जा रहे लड़ाकू विमान मिग-21 में बुधवार को बादल फॉर्मेशन में उड़ान भरी

नई दिल्ली, 24 सितंबर । वायु सेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल एपी सिंह ने 62 साल देश की सेवा करके रिटायर होने जा रहे लड़ाकू विमान मिग-21 में बुधवार को बादल फॉर्मेशन में उड़ान भरी। विदाई से पहले फुल ड्रेस रिहर्सल के दौरान चंडीगढ़ एयरफोर्स स्टेशन पर फ्लाईपास्ट में शामिल होकर मिग-21 ने आसमान में अपना जलवा बिखेरा। इस रिहर्सल में मिग-21, जगुआर और सूर्यकिरण एयरोबेटिक्स टीम ने शानदार फ्लाई पास्ट किया।

लड़ाकू विमान मिग-21 की विदाई के साथ भारतीय वायुसेना के लिए एक दौर का अंत हो रहा है। चंडीगढ़ एयर फोर्स स्टेशन पर 26 सितंबर को एक समारोह में वायु सेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल एपी सिंह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह को विमानों की लॉगबुक (फॉर्म-700) सौंपकर मिग फ्लीट के युग का समापन करेंगे। बुधवार को हुई फुल ड्रेस रिहर्सल 26 सितंबर को होने वाले विदाई

समारोह की तैयारी थी। इस रिहर्सल में मिग-21, जगुआर और सूर्यकिरण एयरोबेटिक्स टीम ने आसमान में शानदार फ्लाई पास्ट किया। चंडीगढ़ एयर फोर्स स्टेशन पर रिहर्सल में पूर्व सैनिक, उनके परिवार और आमंत्रित मेहमान जुटे। वायु सेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल एपी सिंह ने बादल और पैंथर फॉर्मेशन फॉर्मेशन में उड़ान भरकर मिग-21 की ताकत दिखाई। एयर चीफ की मिग-21 में इस उड़ान ने संदेश दिया कि यह विमान अब भी लड़ाई के लिए तैयार है। रिहर्सल के दौरान मिग-21 और जगुआर के बीच डॉग फाइट (हवाई लड़ाई) का भी प्रदर्शन किया गया।

मुख्य सचिव ने पूरे जम्मू-कश्मीर में जनजातीय उत्थान कार्यक्रमों के क्रियान्वयन की समीक्षा की

श्रीनगर 24 सितंबर। मुख्य सचिव अटल डुल्लू ने केंद्र प्रायोजित विभिन्न योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की, जिनका उद्देश्य केंद्र शासित प्रदेश में जनजातीय समुदायों का सामाजिक-आर्थिक उत्थान है।

बैठक में जनजातीय मामले विभाग के सचिव प्रसन्ना रामास्वामी जी, समाज कल्याण आयुक्त सचिव, स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा सचिव, ग्रामीण विकास सचिव, विधि सचिव, डीजी संसाधन और अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। उपायुक्तों ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से भाग लिया। समीक्षा के दौरान मुख्य सचिव ने जनजातीय कल्याण कार्यक्रमों के तहत व्यय को तेज़ करने की आवश्यकता पर जोर दिया और उपायुक्तों को आदेश दिया कि वे आदि कर्मयोगी अभियान के तहत ग्राम

कार्ययोजनाओं को शीघ्र तैयार करें। उन्होंने परिवार-वार योजना संतृप्ति का आकलन करने पर बल दिया ताकि लक्षित लाभ प्रदान किए जा सकें तथा सभी जनजातीय क्षेत्रों में योजनाओं के सुचारु और समयबद्ध क्रियान्वयन को सुनिश्चित करने के लिए विभागों को निर्देशित किया। जनजातीय मामले विभाग के सचिव ने बताया कि भारत सरकार के जनजातीय कार्य मंत्रालय ने जम्मू-कश्मीर के लिए वर्ष 2025-26 के तहत विभिन्न योजनाओं हेतु 47.981 करोड़ रुपये की स्वी.ति दी है। यह राशि प्रारंभिक स्वी.ति 9.8025 करोड़ रुपये की तुलना में काफी अधिक है। इनमें से 39.21 करोड़ रुपये 'धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान' के अंतर्गत परियोजनाओं के लिए, 5 करोड़ रुपये पाँच जनजातीय बहुउद्देश्यीय विपणन केंद्रों की स्थापना हेतु और 3.771 करोड़ रुपये राज्य तथा ज़िला स्तर पर वन अधिकार अधिनियम कक्षों की स्थापना हेतु निर्धारित किए गए हैं।

जावेद राणा ने केंद्रीय वन मंत्री से मुलाकात की

वन एवं पर्यावरण क्षेत्र की रणनीतिक प्राथमिकताओं पर जोर

नई दिल्ली 24 सितंबर। जम्मू-कश्मीर के वन, पारिस्थितिकी एवं पर्यावरण मंत्री जावेद अहमद राणा ने नई दिल्ली में केंद्रीय पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्री भूपेंद्र यादव से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने जम्मू-कश्मीर के वन और पर्यावरण संबंधी परि.श्य से जुड़े महत्वपूर्ण मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की। चर्चा में इस बात पर जोर दिया गया कि संस्थागत क्षमता को बढ़ाने, पारिस्थितिक पुनर्स्थापन में तेजी लाने और वन एवं पर्यावर ण से जुड़ी प्रमुख योजनाओं को प्रभावी और समयबद्ध तरीके से लागू करने के लिए केंद्र सरकार और जम्मू-कश्मीर सरकार के बीच गहन समन्वय की आवश्यकता है। अत्यधिक वर्षा और बाढ़ जैसी चरम मौसमी घटनाओं की बढ़ती आवृत्ति को देखते हुए, राणा ने वन अग्नि प्रबंधन, कैचमेंट एरिया ट्रीटमेंट, जैव विविधता संरक्षण और वेटलैंड पारिस्थितिकी तंत्र रक्षा जैसे लक्षित हस्तक्षेपों के माध्यम से जम्मू-कश्मीर की क्षमता को मजबूत करने की तत्काल आवश्यकता पर बल दिया। मंत्री ने केंद्र प्रायोजित वन अग्नि रोकथाम एवं प्रबंधन योजना के तहत

निधियां जारी करने का भी अनुरोध किया, जिसके लिए वर्ष 2024-25 के लिए 3.5 करोड़ रुपये का विस्तृत कार्ययोजना पहले ही प्रस्तुत की जा चुकी है। निरंतर वित्त पोषण के महत्व को रेखांकित करते हुए, राणा ने केंद्रीय मंत्री से आग्रह किया कि राष्ट्रीय कैंपा प्राधिकरण द्वारा जम्मू-कश्मीर सरकार द्वारा प्रस्तुत दो प्रमुख प्रस्तावों का मूल्यांकन एवं अनुमोदन शीघ्र किया जाए।

महराज मलिक ने पीएसए के तहत अपनी निवारक हिरासत को दी चुनौती

जम्मू, 24 सितंबर । जम्मू-कश्मीर और लद्दाख उच्च न्यायालय ने बुधवार को डोडा पूर्व के विधायक मेहराज मलिक द्वारा दायर बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिका स्वीकार कर ली जिसमें उन्होंने जम्मू-कश्मीर लोक सुरक्षा अधिनियम पीएसए, 1978 के तहत अपनी निवारक हिरासत को चुनौती दी थी।

न्यायमूर्ति विनोद चटर्जी कौल ने मामले की सुनवाई के बाद गृह विभाग के प्रधान सचिव, डोडा के ज़िला मजिस्ट्रेट, डोडा के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक और कठुआ ज़िला जेल के अधीक्षक को सुनवाई के बाद नोटिस जारी किए। जम्मू-कश्मीर सरकार की ओर से वरिष्ठ अतिरिक्त महाधिवक्ता मोनिका कोहली ने खुली अदालत में ये नोटिस स्वीकार किए। अदालत ने सरकार को अगली सुनवाई की तारीख 14 अक्टूबर तक या उससे पहले अपना जवाब दाखिल करने का समय दिया। विचाराधीन हिरासत आदेश, संख्या 05/2025 दिनांक 8 सितंबर, 2025, जम्मू-कश्मीर लोक सुरक्षा अधिनियम की धारा 8 के तहत जिला मजिस्ट्रेट डोडा द्वारा पारित किया गया था। मलिक की कानूनी टीम जिसका नेतृत्व वरिष्ठ अधिवक्ता राहुल पंत कर रहे थे और जिसमें अधिवक्ता एस.एस. अहमद, अप्पू सिंह सलाथिया, एम. ज़ुलकरनैन चौधरी और जोगिंदर सिंह ठाकुर शामिल थे ने तर्क दिया कि यह आदेश मनमाना और व्यक्तिगत पूर्वाग्रह से प्रेरित था।

उपमुख्यमंत्री ने प्रभा हरजीलाल कॉलेज ऑफ फार्मेसी में वर्ल्ड फार्मासिस्ट डे का उद्घाटन किया

जम्मू 24 सितंबर। उपमुख्यमंत्री सुरेन्द्र कुमार चौधरी ने प्रभा हरजीलाल कॉलेज ऑफफार्मेसी जम्मू के मदर-ए-मेहरबान कैंपस ऑफ हेल्थ साइंसेज में वर्ल्ड फार्मासिस्ट डे समारोह का उद्घाटन किया।

सभा को संबोधित करते हुए उपमुख्यमंत्री ने बीमार रोगियों के लिए स्वास्थ्य सेवाओं की आपूर्ति में फार्मासिस्टों की भूमिका की सराहना की और कॉलेज के विद्यार्थियों को यह याद दिलाया कि एक उपचार टीम के सदस्य के रूप में रोगियों की उनसे क्या अपेक्षाएँ हैं।

उपमुख्यमंत्री ने कोविड महामारी के खिलाफ जंग में डॉक्टरों के साथ मिलकर फार्मासिस्टों द्वारा की गई सेवाओं की सराहना भी की। उन्होंने

कहा कि उन्होंने स्वस्थ समुदायों के निर्माण और एक मजबूत, अधिक टिकाऊ स्वास्थ्य प्रणाली में अहम योगदान दिया है।

उन्होंने आगे विद्यार्थियों को सलाह दी कि वे पूरे उत्साह से अध्ययन करें और माता-पिता की आकांक्षाओं को पूरा करें।

उपमुख्यमंत्री ने विद्यार्थियों को आश्वासन दिया कि उमर अब्दुल्ला के नेतृत्व वाली सरकार क्षेत्र के युवाओं को रोजगार प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है और उनके लिए नए अवसर खोलने हेतु निरंतर कार्य कर रही है।

मदर-ए-मेहरबान कॉलेज ऑफ हेल्थ साइंसेज के प्रबंधन की प्रशंसा करते हुए उप मुख्यमंत्री ने कॉलेज को सरकार की ओर से पूर्ण सहयोग का आश्वासन दिया।

थायराइड

भी हो सकता है थकान का कारण

क्या आपके साथ भी ऐसे होता है कि आप सारा दिन काम करते करते इतना थक जाती है कि आप अपना मनपंसद टी.वी शो भी अच्छी तरह से नहीं देख पाती और घर में हमेशा थका-थका महसूस करती है। घर पर सीढियां चढ़ने के वक्त,कोई भी काम करने के वक्त या बैड से उठने के वक्त भी ऐसा महसूस होना कि जितनी नींद हमने ली है वो अभी भी पर्याप्त नहीं है। स्वस्थ ऊर्जा का निर्माण स्वास्थ्यवर्द्धक पाचन प्रणाली से शुरू होता है।विटामिन बी की कमी से भी थकान महसूस होती है। हल्की थकान तथा गंभीर थकान में से आप खुद को किसका शिकार महसूस करती हैं और वास्तव में आपके साथ गलत क्या हो रहा है ?

- थकावट महसूस होने के कई कारण हो सकते है। जब भी शरीर में थकावट महसूस हो तो थोड़ा इधर-उधर टहल कर आप अपनी थकावट को दूर कर सकती है।जब आप थकी होती हैं तो आपका मैटाबोलिक रेट कम हो जाता है और आप कम कैलोरीज बर्न करती हैं। इसी कारण आपको थकावट महसूस होती है। कसरत करने से भी आप सारा दिन बेहतर महसूस करेंगी और काम करने के बाद भी थकावट कम महसूस होगी।
- हमारे शरीर में थकान महसूस होने के कई कारण हो सकते है। कई बार विटामिन्स की कमी होने पर भी हम कोई भी काम करने के बाद थकावट महसूस करते है। आयरन की कमी होने पर भी थकान महसूस होती है। यदि आपको अपनी त्वचा पीली दिखाई दे, अपनी धड़कन तेज महसूस हो और चिड़चिड़ापन महसूस हो तो आयरन से भरपूर डाइट आपको इस समस्या से निजात पाने में सहायक हो सकती है।
- अपने वातावरण को ताजा बनाए रखें और बोर होने से बचें जब भी आप बोर हो रही हो तो संगीत का लुत्फ उठा सकती है और बोरियत आपके मूड को प्रभावित करती है।
- आपकी थकावट का कारण थायराइड भी हो सकता है। सुबह के समय थकान थायराइड की कमजोर कार्यप्रणाली का चिन्ह हो सकती है। इसलिए थायराइड की जांच अवश्य करवाएं।
- भरपूर नींद न लेने की वजह से भी आप सारा दिन थकान महसूस कर सकती है।शरीर के लिए भरपूर नींद लेना भी बहुत जरूरी होता है। इसलिए रात के समय कम से कम 8 घंटे नींद लेना जरूरी है और दिन के समय बीच में कम से कम 20-30 मिनट की नींद जरूर लें ।
- दिन में भारी भोजन करने की बजाय अपने भोजन में साबुत अनाज, ओट्स, अंकुरित खाद्य तथा बहुत सारी सब्जियां तथा फल शामिल करें।

ताकि दर्द में न बीतें सर्दियां

सर्दियों में जुकाम और खांसी से बचकर रहें सर्दियों में जुकाम और खांसी से बचकर रहें

सर्दियों को वैसे तो खाने पीने और घूमने फिरने का मौसम माना जाता है, लेकिन हेल्थ प्रॉब्लम्स भी इस मौसम में परेशान करती हैं। अब जब सर्दियों ने दस्तक दे ही दी है, तो क्यों न इस मौसम की दिक्कतों से बचने के लिए हम पहले से ही करते चलें बचाव के इंतजाम। यहां पर कुछ हेल्थ टिप्स दिये हुए हैं, जिन्हें आप सर्दियों में फिट रहने के लिये इस्तेमाल कर सकती हैं -

सर्दी, जुकाम, खांसी

इस मौसम की कॉमन प्रॉब्लम है सर्दी, जुकाम और खांसी। अगर आपको हर दिन सुबह उठते ही छींक आती है और जुकाम जैसा लगता है, तो परेशान होने की कोई जरूरत नहीं। यह प्रॉब्लम होती है एलर्जी की वजह से और एलर्जी से आप तभी बचकर रह सकती हैं, जब आप हेल्दी डाइट लेंगी।

वायरल के लक्षण हैं

सिर दर्द, आंखों से पानी बहना, बदन टूटा सा लगना वगैरह। इसके इलाज के लिए बैलेंस डायट लेना जरूरी है। विटामिन, प्रोटीन और मिनरल्स की सही मात्रा होनी चाहिए। खाने में फल और हरी सब्जियां ज्यादा हों।

क्या करें

अपनी डेली डायट में सेब, मौसमी फल, अंगूर और फिश को शामिल करें। ये प्रॉब्लम्स एलर्जी की वजह से होती हैं और ये फूड आपको एलर्जी से बचाए रखेंगे। इसके अलावा गर्मागर्म ब्लैक टी भी आपको इस प्रॉब्लम से दूर रखने में हेल्प करेगी। अगर आप इस प्रॉब्लम पर गौर नहीं करेंगी, तो आपकी बॉडी की प्रतिरोधात्मक क्षमता कम होती चली जाएगी। वैसे, यह प्रॉब्लम उन जगहों पर ज्यादा होती है, जहां ठंडी हवाएं चलती हैं। सर्दी से बचने के लिए चेस्ट को अच्छी तरह से ढककर रखें, गले को लपेट कर और गरम कपड़े पहनें। डॉक्टर की सलाह पर दवाएं लें। नाक बंद हो तो स्टीम लें।एक रिसर्च के मुताबिक, जो महिलाएं हफ्ते में 5 दिन तकरीबन 45 मिनट एक्सरसाइज करती हैं, उन्हें जुकाम कम होता है।

भोजन के साथ चाय या कॉफी पीने के नुक्सान

कई लोग भोजन के साथ या भोजन के बाद चाय का सेवन करने के शौकीन होते है लेकिन भोजन के साथ चाय या कॉफी का अत्यधिक सेवन करना नुक्सानदायक साबित हो सकता है।चाय या कॉफी का अत्यधिक सेवन करने से हमारे शरीर को कई रोगों का शिकार होना पड़ सकता है जैसे ब्लड प्रैशर की समस्या, मधुमेह और वजन बढ़ने की समस्या,पेट संबंधी समस्याएं भी पैदा हो सकती है।चाय या कॉफी में अत्यधिक कैफीन होने को कारण यह हमारे शरीर के लिए नुक्सानदायक साबित होती है।कई लोगों का ऐसा मानने है कि भोजन के साथ चाय पीने से भोजन आसानी से पच जाता है लेकिन ऐसा न होकर इसका बुरा प्रभाव हमारे शरीर पर पड़ता है।आइए जानें भोजन के साथ चाय या कॉफी पीने के नुक्सान।

- भोजन के साथ चाय या कॉफी पीने से पेट संबंधी समस्याएं जैसे एसीडिटी की समस्या पैदा हो सकती है और पाचन क्रिया पर भी बुरा असर पड़ता है।
- चाय का अत्यधिक सेवन करने से मुंह की समस्याएं पैदा हो सकती है ,चाय ज्यादा पीने से गले और मुंह में खुश्की की समस्या पैदा हो सकती है।
- चाय का अत्यधिक सेवन करने से इसमें मौजूद कैफीन हमारे शरीर के लिए नुक्सानदायक साबित हो सकता है ,कैफीन हमारे शरीर में एसिड बना देता है जिसका सीधा असर हमारी किडनी पर पड़ता है।
- चाय या कॉफी पीने से आंतो पर बुरा असर पड़ता है और यह आंतों को भी कमजोर बना देती है।
- भोजन के साथ चाय या कॉफी का सेवन करने से भोजन में मौजूद पौष्टिक पदार्थ हमारे शरीर तक नहीं पहुंच पाते।
- चाय या कॉफी का अत्यधिक सेवन करने से अनिद्रा जैसी बीमारी का भी शिकार होना पड़ सकता है।
- चाय या कॉफी का अत्यधिक सेवन करने से फेफड़ों पर भी बुरा प्रभाव पड़ता है।

जैतून का तेल रखता है दिल को दुरुस्त

जैतून तेल का नियमित इस्तेमाल दिल को तो दुरुस्त बनाता ही है, दिल संबंधी बीमारियों के जोखिमों को भी घटाता है। ग्लासगो तथा लिस्बन विश्वविद्यालयों और जर्मनी में मोसाइक्यूज डायग्नोस्टिक्स के अध्ययनकर्ताओं ने जैतून के तेल का असर जानने के लिए मिलकर काम किया।अमेरिकी जर्नल क्लीनिकल न्यूट्रिशन में प्रकाशित अध्ययन में जैतून सहित पौधे में पाए जाने वाले प्राकृतिक अवयव फेनोलिक्स के हृदय पर पड़ने वाले असर को परखा गया। अमेरिका में संघीय औषधि प्रशासन और यूरोपीय खाद्य सुरक्षा प्राधिकरण का मानना है कि मोनोसैचुरेटेड फैटी एसिड के साथ फेनोलिक्स, जैतून के तेल के रक्षात्मक प्रभाव के लिए जिम्मेदार होता है। अध्ययन का पहलू यह रहा कि लक्षित समूहों पर इसका असर देखा गया यानी ऐसे लोग जो हमेशा जैतून का तेल इस्तेमाल नहीं करते हैं। स्वास्थ्य पर तेल पूरकों के असर के अध्ययन के लिए अध्ययन टीम ने नई डायग्नोस्टिक तकनीक को आजमाया। धमनी संबंधी (सीएडी), किडनी संबंधी (सीकेडी) और मधुमेह जैसी बीमारियों के संकेत के लिए पहचानी गई पेपटाइड्स (खंडित प्रोटीन से निर्मित) के रेंज को जानने के लिए पेशाब के नमूने की जांच की गई। परिणाम से पता चला कि दोनों समूहों में बीमारी की सबसे सामान्य किस्म सीएडी के नतीजे में बड़ा बदलाव दिखा।

विटामिन बी1 की कमी ब्रेन को कर देती है फेल

नई खोज से पता चला है कि विटामिन बी1 की कमी से ब्रेन की घातक बीमारी वैनिक इंसेफैलॉपथी हो सकती है। ऐल्कॉहॉल और एड्स के 75-80 पर्सेंट केसों में इस बीमारी के होने की आशंका रहती है। यह ब्रेन की ऐसी बीमारी है, जिसमें समय पर इलाज नहीं होने पर मरीज इंसेफैलॉपथी का शिकार हो जाता है।

मेटाबॉलिक संतुलन बिगड़ने और नशीले पदार्थ का सेवन करने से यह बीमारी होती है। लायोला यूनिवर्सिटी मेडिकल सेंटर के न्यूरॉलजिस्ट के मुताबिक, वैनिक इंसेफैलॉपथी से पीड़ित में कन्फ्यूजन, भ्रम, कोमा, मांसपेशियों की कमजोरी और दृष्टि दोष जैसी दिक्कतें होती हैं। यही बाद में स्थायी तौर पर ब्रेन डैमेज का कारण बनती हैं और मरीज की मौत भी हो जाती है। साइंस अमेरिकन मेडिसिन जर्नल में इस नई खोज को प्रकाशित किया गया है।

सीताफल

स्वादिष्ट मीठे फल के 10 गुण

सीताफल इतने गुणों से भरपूर है कि शायद ही शरीर का कोई हिस्सा ऐसा हो जिसे यह फायदा न पहुंचाता हो। जानिए सीताफल के 10 गुणों के बारे में...

1. सीताफल में वजन बढ़ाने की क्षमता भरपूर होती है और अगर आप वजन बढ़ाने के सारे जतन करके थक चुके हैं तो तैयार हो जाएं एक नए और मीठे उपाय के लिए। आपको बस सीताफल को अपनी डाइट का हिस्सा बनाना है और आपका मनचाहा फिगर आप पा सकेंगे बहुत ही जल्दी।
2. सीताफल में प्राकृतिक एंटीऑक्सीडेंट विटामिन सी बहुत ज्यादा मात्रा में होता है। विटामिन सी में शरीर की रोगों से लड़ने वाली शक्ति यानी इम्युन सिस्टम को बढ़ाने की क्षमता होती है तो हर दिन एक बार सीताफल खाइए और भगाइए दूर बीमारियों को।
3. क्या आप अक्सर कमजोरी महसूस करते हैं? सीताफल आपकी यह परेशानी दूर कर सकता है। सीताफल बहुत ही अच्छा एनर्जी का स्रोत होता है और इसके सेवन से थकावट और मसल्स मतलब मांसपेशियों की कमजोरी आपको बिलकुल भी महसूस नहीं होगी। बस, सीताफल को अपनी डाइट में शामिल कर लीजिए।
4. विटामिन बी कॉम्प्लेक्स से भरा हुआ सीताफल दिमाग को शीतलता देने का भी काम करता है। यह आपको चिड़चिड़ेपन से बचाकर निराशा को दूर रखता है। तो फिर बस, सीताफल अपनाइए और अपनी मानसिक शांति को रखिए अपने साथ हमेशा।
5. सीताफल आपके दांतों के स्वास्थ्य के लिए भी बहुत उत्तम है। इसको नियमित खाकर आप दांतों और मसूड़ों में होने वाले दर्द से छुटकारा पा सकते हैं।
6. खून की कमी यानी एनीमिया से बचना अब बिलकुल आसान है। सीताफल का हर दिन इस्तेमाल खून की अल्पता को खत्म कर देता है और उल्टियों के प्रभाव को भी कम करता है।
7. सीताफल आंखों की देखने की क्षमता बढ़ाता है, क्योंकि इसमें विटामिन सी और रिबोफ्लॉविन काफी ज्यादा होता है। इससे नंबर के चश्मे को आप खुद से बड़ी आसानी से दूर रख सकते हैं।
8. सीताफल में मौजूद मैग्नीशियम शरीर में पानी को संतुलित करता है और इस तरह से जोड़ों में होने वाले अम्ल को हटा देता है। यह अम्ल गठिया रोग का मुख्य कारण होता है और इस तरह से सीताफल गठिया रोग से सुरक्षा करता है।
9. दिल की तंदुरुस्ती अब बिलकुल आसान है। इसमें सोडियम और पोटेशियम संतुलित मात्रा में होते हैं जिससे खून का बहाव यानी ब्लड प्रेशर में अचानक होने वाले बदलाव नियंत्रित हो जाते हैं।
10. दोनों प्रकार की शुगर को संतुलित रखना सीताफल के उपयोग के साथ बहुत ही आसान है। इसमें शरीर में होने वाली शुगर को सोख लेने का गुण होता है और इस तरह से यह शुगर का शरीर में स्तर सामान्य बनाए रखता है।

सीताफल एक लाजवाब, स्वादिष्ट और मीठा फल होने के साथ-साथ अपने में अनगिनत औषधीय गुणों को शामिल किए हुए है। पूरे शरीर को स्वस्थ और बीमारियों से दूर रखने का यह एक बहुत ही आसान उपाय है।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुंद्रक – नीलम सिंह गिल द्वारा देहात संदेश, गुरूद्वारा सुंदर सिंह रोड़, जम्मू से प्रकाशित एवं नार्थलाईनस पबलिशर्स, 18-बी, फेस-2, इंडस्ट्रियल इस्टेट, गंग्याल, जम्मू से मुद्रित। संपादक– नीलम सिंह गिल। फोन नंबर : (95) 191-2574109, 2548103 RNI Regd. No: JKBIL/2004/13144 Email: dehatsandesh@gmail.com, dehatsandesh@yahoo.com, dehatsandesh@rediffmail.com

राज्यसभा सांसद ने नगरोटा के बाढ़ प्रभावित इलाकों का किया दौरा, हालात का लिया जायजा

जम्मू, 24 सितंबर (हि.स.)। राज्यसभा सांसद इंजीनियर गुलाम अली खटाना ने नगरोटा विधानसभा क्षेत्र के बाढ़ प्रभावित गांवों—बमयाल, मार्ह, शीबा, पंजाली और बेरा बाली का दौरा कर नुकसान का जायजा लिया। हाल ही में आई भारी बारिश और अचानक आई बाढ़ से इन इलाकों में लोगों की संपत्ति, खेतों और बुनियादी ढांचे को काफी क्षति पहुँची है।

दौरे के दौरान सांसद ने संबंधित विभागों, पीडब्ल्यूडी, राजस्व, जल शक्ति, कृषि, बिजली, ग्रामीण विकास, पुलिस और सिंचाई विभाग, के अधिकारियों के साथ मिलकर मौके पर ही स्थिति का आकलन किया। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सड़कों की बहाली और अन्य कार्यों में लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। यदि किसी ठेकेदार द्वारा काम समय पर नहीं किया जा रहा है तो अनुबंध रद्द कर नए ठेके दिए जाएं ताकि राहत कार्य में तेजी लाई जा सके।

सांसद ने प्रभावित परिवारों से सीधा संवाद कर उनकी समस्याएं सुनीं और आश्वासन दिया कि उन्हें जल्द से जल्द मदद उपलब्ध कराई जाएगी। उन्होंने अधिकारियों को तत्काल राहत सामग्री पहुँचाने और आवश्यक सेवाओं की बहाली सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। साथ ही उन्होंने कहा कि आवासीय और कृषि नुकसान का विस्तृत सर्वेक्षण जारी है और राहत उपायों को तेज़ किया जाएगा। खटाना ने केंद्र सरकार की भूमिका का ज़िक्र करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी स्वयं स्थिति पर नजर रखे हुए हैं और संबंधित एजेंसियों को राहत व पुनर्वास कार्यों को प्राथमिकता देने के निर्देश दिए गए हैं। दौरे में वरिष्ठ भाजपा नेता, जनप्रतिनिधि और बड़ी संख्या में स्थानीय लोग भी शामिल रहे।

जगती प्रवासी टाउनशिप में चल रहे कार्यों की समीक्षा की

जम्मू, 24 सितंबर (हि.स.)। राहत एवं पुनर्वास आयुक्त (एम) जम्मू-कश्मीर डॉ. अरविंद करवानी ने आज जगती प्रवासी टाउनशिप में चल रहे विकासात्मक एवं कल्याणकारी कार्यों की प्रगति की समीक्षा के लिए एक व्यापक दौरा किया। इस दौरान डॉ. करवानी ने विभिन्न शिविरों में निर्माण गतिविधियों की प्रगति का निरीक्षण किया और निवासियों की पर्याप्त जलापूर्ति की लंबे समय से चली आ रही मांग पर ध्यान दिया। उन्हें बताया गया कि चार बोरवेल का काम पहले ही शुरू हो चुका है, जिससे निवासियों को बहुत राहत मिली है।

आयुक्त ने जगती स्थित उच्चतर माध्यमिक विद्यालय का भी दौरा किया जहाँ उन्होंने चल रहे विकास कार्यों की समीक्षा की और स्वच्छता पखवाड़ा गतिविधियों में सक्रिय रूप से भाग लिया जिससे स्वच्छता और सामुदायिक कल्याण के प्रति विभाग की प्रतिबद्धता की पुष्टि हुई। डॉ. करवानी ने संबंधित अधिकारियों से परियोजनाओं की स्थिति के बारे में विस्तृत प्रतिक्रिया ली और उन्हें निर्धारित समय सीमा के भीतर कार्यों को समय पर पूरा करने के लिए प्रेरित किया।

इस यात्रा का एक प्रमुख आकर्षण प्रवासी परिवारों के बीच एनएफएसए राशन कार्डों का वितरण था। अब तक प्रवासी आबादी राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम (एनएफएसए) के अंतर्गत नहीं आती थी। एनएफएसए डेटाबेस में उनके एकीकरण के साथ प्रवासी परिवार अब विभिन्न सामाजिक क्षेत्र की योजनाओं के तहत लाभ प्राप्त कर सकेंगे जिससे उन्हें व्यापक कल्याणकारी ढांचे में शामिल किया जा सकेगा। इसके अलावा विभिन्न सामाजिक कल्याण योजनाओं के बारे में जागरूकता पैदा करने और प्रवासी परिवारों को इन कार्यक्रमों का लाभ उठाने के लिए सूचित और सक्षम बनाने हेतु समाज कल्याण विभाग के सहयोग से एक जागरूकता शिविर का भी आयोजन किया गया।

श्री माता वैष्णो देवी विश्वविद्यालय में बूटकैम्प का आयोजन

जम्मू, 24 सितंबर (हि.स.)। कटरा स्थित श्री माता वैष्णो देवी विश्वविद्यालय (एसएमवीडीयू) में टेक्नोलॉजी बिज़नेस इनक्यूबेशन सेंटर (एसएमवीडीयू-टीबीआइसी) और एंटरप्रेन्योरशिप डेवलपमेंट सेल (ईडीसी) के संयुक्त तत्वावधान में जम्मू-कश्मीर एंटरप्रेन्योरशिप डेवलपमेंट इंस्टीट्यूट (जेकेईडीआई) के सहयोग से बूटकैम्प का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत में एसएमवीडीयू-टीबीआइसी के सीईओ डॉ. संजय मोहन ने इनक्यूबेशन सेंटर की पहलों का विस्तृत विवरण दिया। इसके बाद वाइस चेयरपर्सन प्रो. के. आर. झा ने युवाओं में उद्यमिता और नवाचार को प्रोत्साहन देने के लिए विश्वविद्यालय के प्रयासों पर प्रकाश डाला।

इस अवसर पर जेकेईडीआई के संयुक्त निदेशक चंद्र किशोर शर्मा सहित उनकी टीम जाहिद अली डार (प्रोजेक्ट मैनेजर), सोरब मेंगी (असिस्टेंट मैनेजर) और अभिलाष कुमार ब्रारू (डीएनओ), ने राज्य में स्टार्टअप इकोसिस्टम को सशक्त बनाने हेतु संस्थान द्वारा उठाए जा रहे कदमों की जानकारी साझा की। बूटकैम्प में एसएमवीडीयू और आसपास के संस्थानों के छात्रों व अध्यापकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। प्रतिभागियों ने अपने नवाचारपूर्ण विचार प्रस्तुत किए, जिनका मूल्यांकन विशेषज्ञ पैनल द्वारा किया गया और कुछ विचारों को स्टार्टअप आइडिया चैलेंज के अगले चरण के लिए शॉर्टलिस्ट किया गया। इस अवसर पर एसएमवीडीयू के कुलपति प्रो. प्रगति कुमार ने आयोजन समिति और संकाय समन्वयकों को बधाई दी तथा कहा कि इस प्रकार की पहलें युवाओं में नवाचार और स्टार्टअप संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए समय की मांग हैं।

जम्मू-कश्मीर को राज्य का दर्जा बहाल करें, नहीं तो होंगे उग्र आंदोलन : कांग्रेस

जम्मू, 24 सितंबर (हि.स.)। सुचेतगढ़ के डीडीसी सदस्य एवं वरिष्ठ कांग्रेस नेता तरणजीत सिंह टोनी ने केंद्र सरकार को कड़ा संदेश देते हुए चेतावनी दी है कि यदि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का जम्मू-कश्मीर को राज्य का दर्जा बहाल करने का वादा पूरा नहीं किया गया, तो लोग बड़े पैमाने पर आंदोलन करने को तैयार हैं। टोनी ने अपने बयान को लद्दाख के लेह में हुए राज्यत्व की मांग को लेकर हिंसक प्रदर्शनों से जोड़ा और कहा कि यह घटना पूरे क्षेत्र में जनता के गहरे आक्रोश का संकेत है। उन्होंने कहा, लेह के विरोध प्रदर्शन केंद्र के लिए सबक हैं। जम्मू-कश्मीर के लोग भी अपने लोकतांत्रिक अधिकारों के लिए उतने ही दृढ़ हैं। यदि केंद्र ने समय रहते राज्य का दर्जा बहाल नहीं किया तो यहां भी इसी तरह के आंदोलन होंगे। कांग्रेस नेता ने जोर देकर कहा कि यह मांग राजनीतिक नहीं बल्कि जनता की गहरी आकांक्षाओं और भावनाओं का प्रतिबिंब है। उन्होंने कहा, राज्यत्व हमारी जनता का हक है। यह गरिमा, प्रतिनिधित्व और लोकतंत्र के सम्मान का सवाल है। बीजेपी सरकार पर जानबूझकर देरी का आरोप लगाते हुए टोनी ने सवाल उठाया कि कहीं यह हिचकिचाहट चुनावी हार से जुड़ी तो नहीं। उन्होंने कहा कि क्या केंद्र सरकार इसलिए राज्य का दर्जा नहीं बहाल कर रही क्योंकि वह विधानसभा चुनाव हारकर सरकार नहीं बना सकी? यदि ऐसा है तो यह जनता के जनादेश का सीधा अपमान है।

एनएसएस दिवस पर विशेष जन-कल्याण कार्यक्रम आयोजित

जम्मू, 24 सितंबर (हि.स.)। एनएसएस दिवस के उपलक्ष्य में एमआईईआर कॉलेज ऑफ एजुकेशन, जम्मू की एनएसएस इकाई ने वृद्ध आश्रम, अंबफला में एक विशेष जन-कल्याण कार्यक्रम का आयोजन किया। इस पहल का उद्देश्य बुजुर्गों के बीच आनंद, करुणा और सेवा की भावना का प्रसार करना था जो राष्ट्रीय सेवा योजना के मूल मंत्र मैं नहीं, आप के अनुरूप है। कार्यक्रम में एनएसएस स्वयंसेवकों द्वारा रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ दी गईं जिनमें पुराने गीत, देशभक्ति गीत और नृत्य शामिल थे। वृद्धाश्रम के निवासियों ने भी उत्साहपूर्वक भाग लिया और आनंदमय कार्यक्रम का हिस्सा बने। इस अवसर पर खेलों की भी प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं तथा विजेताओं को पुरस्कृत किया गया, जिससे वातावरण में उल्लास का संचार हुआ। एमआईईआर कॉलेज की ओर से डॉ. कोमल शर्मा (एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी) और सहायक प्रोफेसर आयुषी ग्रोवर ने प्रतिभागिता की।

बिश्नाह में 40 लाख की सड़क मैकडैमाइजेशन परियोजना का उद्घाटन

जम्मू, 24 सितंबर (हि.स.)। स्थानीय बुनियादी ढांचे में सुधार की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम में बिश्नाह के विधायक डॉ. राजीव भगत ने आधिकारिक तौर पर बिश्नाह-बारी ब्राह्मणा रोड के एक महत्वपूर्ण खंड के मैकडैमाइजेशन का शुभारंभ किया। 40.00 लाख मूल्य की इस परियोजना का उद्देश्य कनेक्टिविटी बढ़ाना और निवासियों और यात्रियों के लिए एक चिकनी अधिक टिकाऊ सड़क प्रदान करना है। उद्घाटन समारोह में कई सामुदायिक नेताओं, अधिकारियों और निवासियों ने भाग लिया जो लंबे समय से उन्नयन का इंतजार कर रहे थे।

श्राइन बोर्ड ने सेवा पर्व को लेकर कटरा बाणगंगा में स्वच्छता अभियान चलाया

कटरा, 24 सितंबर (हि.स.)। श्री माता वैष्णो देवी श्राइन बोर्ड और जिला प्रशासन द्वारा बाणगंगा में स्वच्छता अभियान चलाया गया जिसको लेकर बाणगंगा नदी में साफ सफाई की गई। इस अभियान का उद्देश्य पवित्र नदी की आध्यात्मिक पवित्रता और वातावरण को स्वच्छ रखना है।

इस अवसर पर बोलते हुए सीईओ श्राइन बोर्ड सचिन कुमार ने इस बात पर जोर दिया कि श्री माता वैष्णो देवी यात्रा मार्ग पर बाणगंगा पवित्र नदी जो कि श्रद्धालुओं की आशा के साथ जुड़ी हुई है पवित्र नदी में किसी किस्म का प्रदूषण नहीं होना चाहिए। उन्होंने यात्रा मार्ग सहित पवित्र शहर में स्वच्छता और स्वच्छता बनाए रखने के महत्व पर भी जोर दिया और स्थानीय लोगों और तीर्थयात्रियों से क्षेत्र को साफ रखने में सहयोग करने का आग्रह किया।

सीईओ ने स्वच्छता और स्थिरता की संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए बोर्ड की प्रतिबद्धता को दोहराया। यह आशा करते हुए कि इस तरह की पहल स्थायी सकारात्मक परिवर्तन को प्रेरित करेगी और स्वच्छ भारत मिशन की प्राप्ति में सार्थक योगदान देगी। इसके अलावा श्राइन बोर्ड एक ड्रोन-आधारित वनीकरण पहल के माध्यम से ट्रिकुटा हिल्स पर ग्रीन कवर को बढ़ावा देने के लिए उन्नत तकनीक का लाभ उठा रहा है।

डीसी जम्मू ने बाढ़ प्रभावित गांव हंसू चक के लोगों की सुनी समस्याएं

आरएस पुरा, 24 सितंबर (हि.स.)। उपायुक्त जम्मू राकेश मन्हास ने बुधवार को आरएस पुरा के बाढ़ प्रभावित गांव चक हंसो का दौरा कर ग्रामीणों को आ रही समस्याओं को सुना तथा मौके पर ही संबंधित अधिकारियों को निर्देश जारी किया कि इन समस्याओं का जल्द समाधान किया जाए। उनके इस दौरे के दौरान अतिरिक्त जिला उपयुक्त अनुशया जमवाल, एसडीएम आरएस पुरा अनुराधा ठाकुर के साथ-साथ अलग-अलग विभागों के उच्च अधिकारी भी उपस्थित रहे।

इसके अलावा जनता दरबार में पूर्व मंत्री चौधरी श्यामलाल, पूर्व सरपंच राशपाल सिंह, पूर्व सरपंच साक्षी चौधरी के साथ-साथ पंचायत प्रतिनिधि विशेष तौर पर उपस्थित रहे। इस मौके पर ग्रामीणों ने कहा कि 26 अगस्त को आई भयानक बाढ़ बाढ़ के कारण गांव को अन्य हिस्सों से जोड़ने वाले दो पुल बह जाने के कारण लोगों का संपर्क टूट चुका है। ग्रामीणों ने मांग करते हुए कहा कि पुल का निर्माण कार्य जल्द से जल्द शुरू होना चाहिए। इसके साथ ही लोगों ने बिजली का मुद्दा भी उपायुक्त के समक्ष रखा और कहा कि खेतों में लगे ट्रांसफार्मर बाढ़ के पानी में क्षतिग्रस्त हुए हैं और उनकी जगह पर जल्द से जल्द नए बिजली ट्रांसफार्मर स्थापित होने चाहिए। इसके साथ ही ग्रामीणों ने गांव के अन्य प्रमुख मुद्दों को भी डीसी जम्मू के समक्ष प्रमुखता के साथ रखा। पूर्व सरपंच रशपाल सिंह, सीता राम ने कहा कि गांव हंसू चक में बाढ़ के पानी ने काफी तबाही मचाई है। उन्होंने मांग करते हुए कहा कि गांव को अन्य हिस्सों से जोड़ने के लिए जहां पर पहले अस्थाई पुल का निर्माण कार्य किया जाए ताकि लोगों की आवाजाही सरल हो सके। इसके साथ ही उन्होंने बिजली सहित अन्य मुद्दों को भी उपायुक्त के समक्ष प्रमुखता के साथ रखा। इसके अलावा राजेश चौधरी ने गांव में शमशान घाट बनाने की मांग रखी।

जिला उपयुक्त राकेश मन्हास ने कहा कि जिन किसानों की फसल को नुकसान पहुंचा है उन किसानों के खाते में मुआवजा राशि आना शुरू हो चुकी है और हाल ही में सरकार की तरफ से लगभग 90 लाख रुपए की राशि किसानों के खाते में डाली गई है। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि गांव को जोड़ने वाले पुल का पहले अस्थाई निर्माण कर दिया जाएगा ताकि लोगों को आ रही समस्या से राहत मिल सके। उन्होंने कहा कि प्रशासन लगातार बाढ़ प्रभावित लोगों के संपर्क में हैं और उनकी हर एक समस्या का समाधान किया जा रहा है।

मां सुकराला दुग्गर संस्कृति महोत्सव उत्साह के साथ हुआ समापन

बिलावर, 24 सितंबर (हि.स.)। संस्कृति मंत्रालय सरकार के तत्वावधान में 2-दिवसीय माँ सुक्राला डुग्गर संस्कृति महोत्सव 2025। बिलावर के सुकराला में पहली बार हुआ जिसने बिलावर-सुकराला बेल्ट के हजारों भक्तों और स्थानीय लोगों को मंत्रमुग्ध कर दिया। महोत्सव का उद्देश्य सुकराला माता के ऐतिहासिक और आध्यात्मिक महत्व को महिमामंडित करना था जिसे मल्ल देवी के नाम से जाना जाता है जो शारदा देवी का अवतार है, जो पूर्ववर्ती जम्मू-कश्मीर और निकटवर्ती हिमाचल प्रदेश के कुछ हिस्सों के डोगराओं की कुलदेवी के रूप में भी पूजनीय हैं इसके अलावा प्राचीन बिल्केश्वर शिव मंदिर बिलावर के महत्व पर प्रकाश डालना है जिसका निर्माण पांडवों ने अपने निर्वासन (अगेहतवास) के दौरान बेलपत्र की पत्तियों से किया था। डॉ. एमएल डोगरा अध्यक्ष (बीएलएसकेएस) द्वारा 30-40 प्रतिशित कलाकारों के बेड़े के साथ डिजाइन और तैयार किए गए विशेष सांस्कृतिक कार्यक्रम ने उन स्थानों से भक्तों सहित दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया जो लुप्त होने के कगार पर हैं।

UNION TERRITORY OF JAMMU & KASHMIR
OFFICE THE EXECUTIVE ENGINEER PWD (R&B)
DIVISION GANDHI NAGAR JAMMU

SHORT NOTICE INVITING TENDER

Short e-NIT No. DGN/70of 2025-26 Dated 20-09-2025

For and on behalf of theLieutenant Governor, Union Territory of Jammu and Kashmire-tenders are invited on percentage basis from approved and eligible Contractors registered with Union Territory of J&K, CPWD, Railways, MES and other State/Central Governments for each of the following works :-

S. No	Name of Work	Name of Division	Advertised Cost (` in Lacs)	Cost of document (in `)	Earnest Money (in `)	Time Allowed for complete-on	Time and date of opening of tender	Class of Contractor
1	2	3	4	5	6	7	8	9
1	Restoration of Mahamaya Temple road damages occurred due to heavy rainfall in the M/o August 2025 (Under Non Plan for the year 2025-26)	PWD (R&B) Division Gandhi Nagar	4.82	600	9640 (2% of the Advertised Cost)	01 Month	(1200 Hrs) on or after 27-09-2025	"A", "B" "C" & "D" Class

Position of AAA :- Accorded by Superintending Engineer PWD (R&B) Circle South Jammu vide No. 317 of 2025 dated 13-09-2025amounting to `4.82 Lacs.
Position of TS :- Sanctioned by Superintending Engineer PWD (R&B) Circle South Jammu vide order No. 322 of September 2025 dated 18-09-2025amounting to`4.82 Lacs.
Project Authority :- Superintending Engineer PWD (R&B) Circle South Jammu.
Major Head of Account :- Under Non Plan for the year 2025-26.

The Bidding documents Consisting of qualifying information, eligibility criteria, specifications, Drawings, bill of quantities (B.O.Q), Set of terms and conditions of contract and other details can be seen/downloaded from the departmental website http://jktenders.gov.inas per below schedule :

1	Date of Issue of Tender Notice	20-09-2025
2	Period of downloading of bidding documents	From20-09-2025 to 26-09-2025, 1800 Hrs
3	Date, Time and place of pre-bid meeting	24-09-2025 at 1300 Hrs. in the Office of Executive Engineer PWD (R&B) Division Gandhi Nagar Jammu
4	Bid submission Start Date	20-09-2025
5	Bid Submission End Date	26-09-2025 upto 1800 Hrs
6	Date & time of opening of Technical Bids (Online)	27-09-2025 on or after 1200 Hrs in the Office of Executive Engineer PWD (R&B) Division Gandhi Nagar Jammu
7	Date & time of opening of Financial Bids (Online)	To be notified after technical bid evaluation is completed

1. Bids must be accompanied with cost of Tender document in shape of e-challan through Treasury indicating Treasury Voucher No. & date, e-NIT No. and name of work duly crediting to 0059 (Revenue) favoring Office of Executive Engineer PWD (R&B) Division Gandhi Nagar Jammu and upload the same i.e treasury challan/receipt, Earnest money/Bid security in shape of CDR/FDR/BGpledged to Office of Executive Engineer PWD (R&B) Division Gandhi Nagar Jammu. The CDR/FDR/BG shall be valid for 45 Days beyond the bid validity period. The original instruments in respect of cost of documents, EMD and relevant documents of L1 be submitted to the Office of Executive Engineer PWD (R&B) Division Gandhi Nagar Jammu at the time of allotment.
2.The electronic bidding system would not allow any late submissionof bids after due date and time as per servertime.Bidders may modify their bids by uploading their request for modification before the deadline for submission of bids. For this, the bidder need not tomake any additional payment towards the cost of tender document. For bid modification and consequential re-submission, the bidder is not required to withdraw his bid submitted earlier. The last modified bid submitted by the bidder within the bid submission time shall be considered as the bid. For this purpose, modification/withdrawal by other means will not be accepted. In online system of bid submission, the modification and consequential- submission of bids is allowed any number of times. The bidders may withdraw his bid by uploading their request before the deadline for submission of bids; however, if the bid is withdrawn, the re-submission of the bid is not allowed.No bid shall be modified or withdrawn after the deadline of submission of bids.
3. The date and time of opening of Financial-Bids shall be notified on Web Site www.jktenders.gov.inand conveyed to the bidders automatically through an e-mail message on their e-mail address. The Financial-bids of responsive bidders shall be opened online in the Office of Executive Engineer PWD (R&B) Division Gandhi Nagar Jammu. The date for same shall be intimated separately.
4.The bids for the work shall remain valid for a period of 120 days from the date of opening of Technical bids.

.. Sd ..
(Er. Rahat Gupta)
Executive Engineer
PWD (R&B) Division
Gandhi Nagar

DIP/J-6042/25
Dtd: 24-9-2025

जीजीएम साइंस कॉलेज में एनएसएस ने किया पौधारोपण अभियान

जम्मू, 24 सितंबर (हि.स.)। सेवा पखवाड़ा समारोह की श्रृंखला में उच्च शिक्षा विभाग के निर्देशानुसार, जीजीएम साइंस कॉलेज, जम्मू की एनएसएस इकाइयों ने कॉलेज परिसर एवं उसके आसपास पौधारोपण अभियान का आयोजन किया। इस अवसर पर विभिन्न प्रजातियों के 30 सजावटी पौधे लगाए गए, जिसमें एनएसएस स्वयंसेवकों ने उत्साहपूर्वक भागीदारी कर पर्यावरण संरक्षण और परिसर की सुंदरता में योगदान दिया। कॉलेज के प्राचार्य प्रो. (डॉ.) रोमेश कुमार गुप्ता ने स्वयंसेवकों को संबोधित करते हुए उनकी सामुदायिक सेवा और पर्यावरण जागरूकता के प्रति समर्पण की सराहना की। उन्होंने विद्यार्थियों को ऐसे प्रयास निरंतर जारी रखने के लिए प्रेरित किया ताकि समाज को व्यापक लाभ मिल सके।

यह अभियान एनएसएस कार्यक्रम अधिकारियों डॉ. राहुल कैत और डॉ. नेहा शर्मा के कुशल मार्गदर्शन एवं समन्वय में संपन्न हुआ, जिन्होंने गतिविधि के दौरान स्वयंसेवकों को दिशा-निर्देश प्रदान किए। कार्यक्रम ने सेवा पखवाड़ा की भावना को मूर्त रूप दिया, जिसमें सामाजिक जिम्मेदारी और पर्यावरण संरक्षण का सुंदर समन्वय देखने को मिला। स्टाफ और छात्रों ने इस पहल की प्रशंसा की।

एनआईटी श्रीनगर को एक्स-रे इमेजिंग तकनीक में उन्नत अनुसंधान के लिए बीआरएनएस से 47.5 लाख रुपए का अनुदान मिला

श्रीनगर, 24 सितंबर (हि.स.)। पदार्थ विज्ञान के क्षेत्र में अनुसंधान और नवाचार को बढ़ावा देने के लिए परमाणु ऊर्जा विभाग (डीएई) के परमाणु विज्ञान अनुसंधान बोर्ड (बीआरएनएस) ने राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एनआईटी) श्रीनगर के लिए 47.50 लाख रुपए की तीन वर्षीय शोध परियोजना को मंजूरी दी है।

स्वीकृत परियोजना का नेतृत्व एनआईटी श्रीनगर के भौतिकी विभाग के सहायक प्रोफेसर डॉ. विजय कुमार करेंगे। बीआरएनएस द्वारा जारी आधिकारिक ज्ञापन (सं. 58/14/16/2025-बीआरएनएस/726) के अनुसार, इस परियोजना को भारत के राष्ट्रपति से प्रशासनिक स्वीकृति मिल गई है।

इस स्वीकृति में पहले वर्ष (2025-26) के लिए 22.68 लाख शामिल हैं शेष धनराशि आगामी वर्षों में जारी की जाएगी। इस धनराशि में पीएच मीटर, स्पिन कोटर और थर्मोल्यूमिनेसेंस यूनिट जैसे उपकरणों के साथ-साथ कर्मचारियों के वेतन, अनुसंधान उपभोग्य वस्तुएं, यात्रा व्यय और संस्थागत ओवरहेड्स शामिल होंगे।

इस विकास का स्वागत करते हुए एनआईटी श्रीनगर के निदेशक प्रो. बिनोद कुमार कनौजिया ने कहा कि यह अनुदान संस्थान की अनुसंधान क्षमता की बढ़ती मान्यता को दर्शाता है। एनआईटी श्रीनगर के रजिस्ट्रार प्रो. अतीकुर रहमान ने भी इस अनुदान को एक मील का पत्थर बताया जो परिसर में भविष्य के शोध प्रयासों को प्रेरित करेगा।

प्रमुख अन्वेषक डॉ. विजय कुमार ने बताया कि इस परियोजना का उद्देश्य नवीन फॉस्फोर यौगिकों को डिज़ाइन करके एक्स-रे इमेजिंग में मौजूदा चुनौतियों का समाधान करना है।

संपादकीय

'उपहार निषेध' आदेश को अक्षरशः लागू करें

दिवाली और अन्य त्योहारों पर सार्वजनिक धन का उपयोग करके उपहारों के आदान-प्रदान पर रोक लगाने वाला वित्त मंत्रालय का आदेश एक घिनौनी सच्चाई बयां करता है कि चिंगारी तभी उड़ती है जब आग लगती है, यानी विभिन्न विभागों और मंत्रालयों में एक ऐसी प्रथा प्रचलित है जहाँ अधिकारी सरकारी खजाने का उपयोग करके उपहारों का आदान-प्रदान करते हैं, जो अनैतिक और अनधिकृत है। वित्त मंत्रालय के व्यय विभाग ने कहा कि त्योहारों के मौसम में उपहारों पर सार्वजनिक धन खर्च करने पर रोक लगाने का कदम गैर-ज़रूरी खर्चों पर अंकुश लगाने की एक व्यापक नीति का हिस्सा है। यह वास्तव में दुर्भाग्यपूर्ण है कि सरकार को त्योहारों पर उपहारों के आदान-प्रदान के रूप में सरकारी खजाने को नुकसान पहुँचाने से अधिकारियों को रोकने के लिए ऐसा निर्देश जारी करना पड़ा है क्योंकि किसी भी परिस्थिति में कोई भी सरकारी अधिकारी निजी उद्देश्यों के लिए सार्वजनिक धन खर्च नहीं कर सकता। यह अजीब है कि कथित तौर पर, वित्त मंत्रालय का व्यय विभाग समय-समय पर राजकोषीय अनुशासन को बढ़ावा देने और गैर-ज़रूरी खर्चों पर अंकुश लगाने के उद्देश्य से निर्देश जारी करता रहा है। समय की मांग है कि ऐसे सभी खर्चों को भ्रष्ट आचरण माना जाए और ऐसी अनुचित स्वतंत्रता लेने वालों के खिलाफ दंडात्मक कार्रवाई की जाए। जब तक सरकार इस मामले में कड़ा रुख नहीं अपनाती, तब तक यह आवश्यक है कि सार्वजनिक धन की इस तरह की हेराफेरी पर रोक लगाने के लिए एक तंत्र स्थापित किया जाए और जो लोग इसका अक्षरशः पालन नहीं करते, उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए। निस्संदेह, यह एक गलत मिसाल है और इसे अब से रोका जाना चाहिए। कुल मिलाकर, ऐसे आदेश जारी करने से कोई फर्क नहीं पड़ेगा, बल्कि उन्हें जवाबदेही के साथ लागू करना ही असली चुनौती है और इसे जमीनी स्तर पर सख्ती से लागू किया जाना चाहिए। सार्वजनिक धन का उपयोग करके उपहारों का यह आदान-प्रदान एक खतरनाक मिसाल है और सरकार के कल्याणकारी राज्य होने के सिद्धांत को धूमिल कर सकता है क्योंकि निजी चीजों पर सरकारी खजाना खर्च करना बिल्कुल भी उचित नहीं है। यह संदेश स्पष्ट रूप से दिया जाना चाहिए कि सार्वजनिक धन जन कल्याण के लिए है, न कि व्यक्तिगत सुख-सुविधाओं के लिए। संबंधित पक्षों को व्यवस्था में व्याप्त ऐसी अनैतिक परंपराओं के खिलाफ सख्त कार्रवाई करनी चाहिए ताकि बिना किसी समझौते के न्याय सुनिश्चित हो सके।

अर्थव्यवस्था, उपभोक्तावाद, पर्यावरण पर दीनदयालजी का दृष्टिकोण

पंकज जगन्नाथ जयस्वाल

आर्थिक प्रणालियों और सुख-शांति के बीच गहरा संबंध है। उपभोक्तावाद-प्रधान दुनिया में यह सोचना वाजिब है कि क्या वर्तमान आर्थिक प्रणाली, जो हमारे बड़े पैमाने पर विनिर्माण के उपयोग द्वारा सन्निहित है, सभी मनुष्यों को सुख प्रदान करने में सक्षम है। इसके परिणामस्वरूप कई समस्याएँ उत्पन्न हुई हैं, जिनमें विश्व के प्राकृतिक संसाधनों का असंतुलित दोहन भी शामिल है और इसलिए पर्यावरणीय और सामाजिक स्थिरता को प्राप्त करने के लिए आर्थिक प्रणालियों में सुधार किया जाना आवश्यक है।

भारत के संदर्भ में इसके लिए 21वीं सदी में आर्थिक और सामाजिक प्रगति की अवधारणा को पुनर्जीवित करने हेतु पुराने साहित्य का पुनरावलोकन करना आवश्यक है, न कि पश्चिमी आर्थिक विचारों जैसे वाणियवाद का अनुसरण करना। भारत या मानवता के लिए एक वैकल्पिक आर्थिक सिद्धांत की आवश्यकता हो सकती है, क्योंकि पूँजीवाद, साम्यवाद और अन्य सिद्धांतों में सामाजिक निर्वाह के बारे में ऐसी धारणाएँ निहित हैं जो संभवतः पूर्ण सुख-शांति के लिए अपर्याप्त हैं। भारत और वैश्विक समाज के लिए वर्तमान पश्चिमी आर्थिक सिद्धांतों द्वारा प्रदान की जाने वाली आर्थिक निती से बेहतर निती की आवश्यकता है।

एक आर्थिक व्यवस्था को लोगों के अस्तित्व और विकास के साथ-साथ राष्ट्र की सुरक्षा और विकास के लिए आवश्यक सभी बुनियादी वस्तुओं का उत्पादन करना चाहिए। न्यूनतम आवश्यकताओं की पूर्ति के बाद, यह बहस छिड़ जाती है कि क्या अधिक धन और सुख के लिए अधिक उत्पादन आवश्यक है। पश्चिमी देशों का मानना है कि मनुष्य की माँगों और आवश्यकताओं को व्यवस्थित और निरंतर रूप से बढ़ाना, यदि वांछनीय नहीं तो, अत्यंत आवश्यक है। इस परिस्थिति में कोई ऊपरी सीमा नहीं है। आमतौर पर, इच्छाएँ वांछित परिणाम प्राप्त करने के प्रयास से पहले होती हैं। लोग उन वस्तुओं की इच्छा और उपयोग करने के लिए प्रेरित होते हैं जो पहले से उत्पादित हैं या उत्पादित की जा रही हैं। माँग को पूरा करने के लिए उत्पादन करने के बजाय, वस्तुओं के लिए बाज़ार खोजने पर ध्यान केंद्रित किया जाता है। माँग उत्पन्न करने के लिए व्यवस्थित प्रयास किए जाते हैं। यह पश्चिमी आर्थिक व्यवस्था की एक विशिष्ट विशेषता बन गई है। पहले, उत्पादन माँग के अनुसार होता था, लेकिन अब माँग उत्पादन के अनुसार होती है। यदि जो कुछ भी बनाया जाता है उसका उपभोग नहीं किया जाता है, तो 1930-32 जैसी मंदी आ जाएगी। उस समय वस्तुओं का अधिशेष था, लेकिन माँग नहीं थी। कारखानों को बंद करना पड़ा। दिवालियापन और बेरोजगारी व्याप्त थी। इसलिए, आजकल, यह ज़रूरी है कि जो उत्पादित हो, उसका उपभोग किया जाए।

उपभोक्तावाद, इस अर्थ में कि वस्तुएँ उपभोक्ताओं की मूलभूत आवश्यकताओं के अनुरूप बनाई जाती हैं, पूरी तरह से सराहनीय है। एक मुक्त अर्थव्यवस्था में, पूँजी उपलब्ध होती है, और उत्पादन उपकरणों को व्यस्त रखना आवश्यक होता है। परिणामस्वरूप, बड़ी मात्रा में विविध प्रकार के उत्पादों का उत्पादन करने के लिए प्रोत्साहन मिलता है। विभिन्न प्रकार के विज्ञापन और विपणन योजनाओं के माध्यम से उपभोक्ताओं को अधिक से अधिक वस्तुएँ खरीदने के लिए लुभाया जाता है। लोग अपनी आवश्यकता से अधिक खरीद लेते हैं। आवश्यकताओं को सुख-सुविधाओं में बदल दिया जाता है, जो फिर विलासिता में बदल जाती हैं। आवश्यकताओं, सुख-सुविधाओं और विलासिता के बीच सीमाएँ निर्धारित करना कठिन हो जाता है।

यह आर्थिक ढाँचा अब केवल उपभोग के बारे में नहीं है; यह स्पष्ट रूप से विनाश की ओर जा रहा है। पुराने को त्यागें और नया खरीदें! लोगों की आवश्यकताओं और माँगों को पूरा करने के बजाय, आधुनिक अर्थशास्त्र नई माँग उत्पन्न करने का प्रयास करता है। यह मानते हुए कि यदि हमें प्राकृतिक संसाधनों की सीमित मात्रा के बारे में चिंतित होने की आवश्यकता नहीं है, तब भी प्रकृति में संतुलन का मुद्दा बना रहता है।

प्रकृति के विभिन्न तत्वों में एक चक्रीय अंतःक्रिया होती है। यदि पारस्परिक सहायता प्रदान करने वाली तीन छड़ियों में से एक को हटा दिया जाए, तो अन्य दो स्वतः ही गिर जाएँगी। वर्तमान आर्थिक और विनिर्माण प्रणालियाँ प्राकृतिक संतुलन को तेज़ी से बिगाड़ रही हैं। एक ओर, बढ़ती ज़रूरतों को पूरा करने के लिए नई वस्तुओं का विकास हो रहा है तो दूसरी ओर रोज़ाना नई चुनौतियाँ सामने आ रही हैं, जो मानवता के अस्तित्व के लिए ख़तरा बन रही हैं। उपलब्ध प्राकृतिक संसाधनों का उस प्रतिशत तक उपयोग करना ज़रूरी है जिसकी प्रकृति शीघ्रता से भरपाई कर सके। जब फल लगते हैं, तो इससे पेड़ को फ़ायदा होता है। हालाँकि, फ़सल बढ़ाने के लिए, रासायनिक खादों का इस्तेमाल किया जाता है, जिससे ज़मीन अनुपजाऊ हो जाती है। इस प्रभाव के कारण अमेरिका में लाखों एकड़ ज़मीन बंजर हो गई है। यह विनाशकारी नृत्य कब तक जारी रह सकता है?

मूल्य संवर्धन किसी भी मौजूदा आर्थिक व्यवस्था का एक महत्वपूर्ण शब्द है। कॉर्नफ्लेक्स के प्लास्टिक से भरे बैग के लिए एक सुंदर डिज़ाइन वाला रंगीन डिब्बा कॉर्नफ्लेक्स के मूल्य को बढ़ा देता है। चीनी में लिपटे बिस्कुट एक मूल्यवर्धित उत्पाद है। मूल्य संवर्धन की चाह में, हम तैयार घरों, गाड़ियों, बिस्तर के कवर और ज़्यादातर रोज़मर्रा की ज़रूरतों की क़ीमतें बढ़ा देते हैं। अगर किसी व्यक्ति के पास मूल्य संवर्धन के लिए उपयोगी कौशल का अभाव है, तो उसकी आय में कोई वृद्धि नहीं होती।

दीनदयालजी ने अपने व्याख्यान में मूल्य की घटना का वर्णन किया है। यदि ऐसा मानवीय लक्ष्य आर्थिक व्यवस्था को प्रेरित करता है, तो आर्थिक मुद्दों पर हमारी सोच पूरी तरह बदल जाएगी। पश्चिमी अर्थव्यवस्थाओं में, चाहे पूंजीवादी हों या समाजवादी, व्यापारिक मूल्य सबसे महत्वपूर्ण और केंद्रीय अवधारणा है। सभी आर्थिक सिद्धांत मूल्य के इर्द-गिर्द घूमते हैं। अर्थशास्त्री के दृष्टिकोण से मूल्य की जाँच अत्यंत महत्वपूर्ण हो सकती है, लेकिन जो सामाजिक दर्शन पूरी तरह से मूल्य पर केंद्रित हैं, वे कहीं अधिक अपूर्ण, अमानवीय और कुछ हद तक अनैतिक हैं।

आज की लोकप्रिय कहावत अपनी रोटी खुद कमाना चाहिए पर विचार करें। आमतौर पर कम्युनिस्ट इस नारे का इस्तेमाल करते हैं, लेकिन पूंजीपति भी इससे मौलिक रूप से असहमत नहीं हैं। यदि उनके बीच कोई अंतर है तो वह केवल इस संदर्भ में है कि कौन कमाता है और कितना। पूंजीपति पूंजी और उद्यमिता को उत्पादन के प्रमुख घटक मानते हैं इसलिए वे मानते हैं कि वे मुनाफे के एक बड़े हिस्से के हकदार हैं। दूसरी ओर, कम्युनिस्ट मानते हैं कि श्रम ही उत्पादन का एकमात्र कारक है। परिणामस्वरूप, वे श्रमिकों को उत्पादन का एक बड़ा हिस्सा देना चाहते हैं। इनमें से कोई भी विचार सही नहीं है और संकुचित मनोवृत्ती का प्रदर्शन करता है।

आर्थिक और सामाजिक संकेतकों पर काम की ज़रूरत

व्यापक रूप से इस्तेमाल किए जाने वाले पश्चिमी आर्थिक मॉडल के सामाजिक रोगसूचक संकेतकों और पर्यावरणीय विशेषताओं पर इसके प्रभाव का गहन मूल्यांकन आवश्यक है। इस तथ्य के बावजूद कि अधिकांश देशों की राष्ट्रीय संपत्ति बढ़ रही है, अर्थशास्त्रियों और बुद्धिजीवियों को यह पता लगाना होगा कि समय के साथ खुशी, शांति, शारीरिक, मानसिक और सामाजिक स्वास्थ्य जैसे सामाजिक रोगसूचक संकेतक और पर्यावरणीय कारक क्यों कम हो रहे हैं, स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं लगभग सभी परिवारों को प्रभावित कर रही हैं और खुशी और शांति दुःस्वप्न और मनगढ़ंत कल्पना में बदल रही हैं। संभावित कारण क्या हैं, और सामाजिक संकेतकों को बेहतर बनाने के लिए उनका प्रभावी ढंग से समाधान कैसे किया जा सकता है?

जीवन का अंतिम लक्ष्य खुशी और शांति है। हम जो भी करते हैं, हम आनंद और शांति पाने की कोशिश करते हैं। हालाँकि, जीडीपी, जीएनपी, भुगतान क्षमता और भुगतान संतुलन के मामले में समृद्ध होने का दावा करने वाले विकसित देशों में भी स्थिति बदतर हो गई है। दुनिया धीरे-धीरे अर्थव्यवस्था की पुरानी हिंदू धारणा को पहचान रही है, जो भौतिक और सामाजिक दोनों सूचकांकों पर केंद्रित है।

राष्ट्रीय संपत्ति बढ़ाने के लिए उपयोग की जाने वाली रणनीतियों की गहन जांच की जानी चाहिए ताकि यह समझा जा सके कि नकारात्मक सामाजिक रोगसूचक संकेतक उन्हें कैसे बढ़ाते हैं। शराब, तंबाकू और नशीली दवाओं के सेवन में तेज़ी से वृद्धि, साथ ही रासायनिक रूप से प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थ, प्रत्येक राष्ट्र की राष्ट्रीय संपदा की वृद्धि में योगदान देने वाले कुछ कारक हैं। हालाँकि, आर्थिक मॉडल पर पुनर्विचार करने के लिए सामाजिक विकृति सूचकांकों और पर्यावरण पर पड़ने वाले हानिकारक प्रभावों पर ध्यान देना आवश्यक है।

हर साल, नशीली दवाओं का दुरुपयोग दुनिया भर में सार्वजनिक स्वास्थ्य और सुरक्षा को भारी नुकसान पहुँचाता है, जिससे कई समाजों का शांतिपूर्ण विकास और सुचारू संचालन खतरे में पड़ जाता है। नशीली दवाओं के उपयोग की आर्थिक लागतों को समझना आवश्यक है ताकि उन्हें कम करने वाली रणनीतियाँ बनाई जा सकें। इस तथ्य के बावजूद कि यह राष्ट्रीय आय उत्पन्न करके अर्थव्यवस्था में सुधार करता है, नशीली दवाओं की लत का पाँच प्राथमिक क्षेत्रों पर गहरा प्रभाव पड़ता है- स्वास्थ्य, सार्वजनिक सुरक्षा, अपराध, उत्पादकता और शासन। इस प्रकार, हमें हिंदू ब्रह्मांड विज्ञान और न्यूटोनियन ब्रह्मांड विज्ञान के बीच अंतर करना चाहिए। सब एक है के हिंदू दर्शन के अनुसार, समाज एक शरीर है, और व्यक्ति उसके अंग हैं, इसलिए सभी को एक-दूसरे, समाज और पर्यावरण की खुशी और भलाई प्राप्त करने के लिए मज़बूत संबंधों के साथ मिलकर काम करना चाहिए। दूसरी ओर, पश्चिमी मानसिकता यह तर्क देती है कि मैं ब्रह्मांड का केंद्र हूँ, और मुझे केवल अपने सुख की तलाश करनी चाहिए, भले ही इसका अर्थ दूसरों का शोषण करना ही क्यों न हो। दूसरों की तुलना बाज़ार की वस्तु से की जा सकती है। इस विचारधारा या विचार प्रक्रिया ने सामाजिक संकेतकों और पर्यावरण को प्रभावित किया है, और सभी के लिए इसकी कीमत केवल मौद्रिक नहीं है; समाज की चेतना क्षीण हो गई है।

एक जापानी अर्थशास्त्री, श्रौर ने नव राष्ट्रीय कल्याण या नव आर्थिक कल्याण नामक एक नया आर्थिक मॉडल तैयार किया, जो स्पष्ट रूप से वास्तविक शुद्ध राष्ट्रीय मूल्य की गणना के लिए राष्ट्रीय संपत्ति से सामाजिक और पर्यावरणीय हानिकारक संकेतकों की लागत को हटाने की सलाह देता है। हिंदू आर्थिक प्रणाली भी इसी दर्शन में विश्वास करती है, भौतिकवादी और आध्यात्मिक दोनों तरह के उत्थान में, जो आज की आवश्यकता है।

(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

नवीन संदर्भों में 'एकात्म मानववाद' का स्वर

डॉ. शिवानी कटारा

आज की दुनिया विज्ञान और वैश्वीकरण की उजली आभा में नहाई हुई है, पर भीतर कहीं असंतुलन और असंतोष की रेखाएँ भी गहरी हो चली हैं। ऐसे समय में पंडित दीनदयाल उपाध्याय का 'एकात्म मानववाद' आशा की किरण बनकर मार्ग दिखाता है। यह दर्शन अतीत की स्मृति नहीं, बल्कि भविष्य की दिशा है। दीनदयाल जी के शब्दों में- 'भारतीय संस्कृति का मूल स्वरूप यह है कि वह जीवन को एक समग्र और एकीकृत इकाई के रूप में देखती है।' इसी विचार की आधारभूमि पर उनका 'एकात्म मानववाद' खड़ा है, जिसका मर्म है कि मनुष्य केवल देह नहीं, बल्कि मन, बुद्धि और आत्मा की समग्र इकाई है।

आधुनिक संदर्भ में यह दृष्टि और भी प्रासंगिक हो जाती है, क्योंकि आज का समाज व्यक्ति की पहचान को केवल उपभोक्ता तक सीमित कर रहा है। पूँजीवाद और साम्यवाद दोनों अपने चरम रूपों में असफल साबित हुए- पहले ने असमानता और शोषण को जन्म दिया, तो दूसरे ने व्यक्ति की स्वतंत्रता को कुचल दिया। परिणामस्वरूप उत्पादन और उपभोग की अंधी दौड़ ने मनुष्य की आत्मिक आवश्यकताओं को हाशिए पर धकेल दिया है। इसका सजीव उदाहरण भारत में तेजी से फैलती मॉल-संस्कृति और ई-कॉमर्स है, जिसने भौतिक उपभोग को तो बढ़ाया है, परंतु परिवारों में साथ बैठने का समय और आत्मिक संवाद घटा दिया है। उन्होंने इसी सच्चाई को रेखांकित करते हुए कहा था- 'मानव स्वभाव में दोनों प्रवृत्तियाँ निहित हैं-एक ओर क्रोध और लोभ, तो दूसरी ओर प्रेम और त्याग।' यही द्वंद्व हमें स्मरण कराता है कि विकास तभी सार्थक होगा जब भौतिक और आत्मिक आवश्यकताओं के बीच संतुलन कायम किया जाए।

दीनदयाल उपाध्याय जी मानते थे कि भारत की अर्थव्यवस्था का स्वरूप न तो पश्चिमी पूँजीवाद की विषमता हो और न ही साम्यवाद की कठोरता, बल्कि अपनी संस्कृति और समाज की आवश्यकताओं से उपजा एक मौलिक मार्ग हो। उनका 'स्वदेशी-सामाजिक-आर्थिक मॉडल' इसी दृष्टि का प्रतिबिंब था—जहाँ स्वदेशी आत्मनिर्भरता की शक्ति गढ़ता है और सामाजिक संवेदना विकास की धारा को अंतिम व्यक्ति तक पहुँचाती है। उन्होंने स्पष्ट कहा कि 'हमारी अर्थव्यवस्था का उद्देश्य मनुष्य और समाज की आवश्यकताओं की पूर्ति होना चाहिए, न कि केवल मुनाफ़ा कमाना।' आज जब वैश्वीकरण ने उपभोक्तावाद और असमानता को गहरा किया है, तब यह मॉडल और भी आवश्यक प्रतीत होता है।

यही कारण है कि आधुनिक राजनीति में समावेशी और संतुलित विकास की अवधारणा धीरे-धीरे नीति का केंद्रीय तत्व बनती जा रही है। किंतु केवल नीतिगत उपाय पर्याप्त नहीं हैं; इसके पीछे ऐसी वैचारिक राजनीतिक दृष्टि की भी आवश्यकता है जो व्यक्ति और समाज को विरोधी नहीं, बल्कि पूरक मानकर आगे बढ़ाए। दीनदयाल उपाध्याय जी का 'एकात्म मानववाद' इसी दृष्टि का प्रतिपादन करता है, जहाँ व्यक्ति की उन्नति समाज की प्रगति से अभिन्न रूप से जुड़ी है। इसी भाव को अटल बिहारी वाजपेयी ने भी प्रतिध्वनित किया था- 'व्यक्ति को सशक्त बनाना राष्ट्र को सशक्त बनाना है।' सशक्तिकरण तभी पूर्ण होता है जब राजनीति की निष्ठा, अर्थव्यवस्था के अवसर और समाज की समानता साथ चलें- यही 'एकात्म मानववाद' का मर्म है। इसका सुंदर उदाहरण उत्तर प्रदेश और बिहार की वे महिलाएँ हैं, जिन्होंने सूक्ष्म ऋण और कौशल प्रशिक्षण के सहारे आत्मनिर्भरता प्राप्त कर राजनीति, अर्थव्यवस्था और समाज के समन्वय को मूर्त रूप दिया। वैश्विक परिदृश्य में जब आतंकवाद, सांस्कृतिक विखंडन और मूल्यहीनता जैसी चुनौतियाँ बढ़ रही हैं, तब इस दर्शन की प्रासंगिकता और भी गहरी हो जाती है। दीनदयाल जी ने कहा था—卐स्वतंत्रता तभी सार्थक है जब वह हमारी संस्कृति की अभिव्यक्ति का माध्यम बने।卐 स्वतंत्रता केवल राजनीतिक या आर्थिक स्वतंत्रता नहीं, बल्कि सांस्कृतिक आत्मसम्मान की रक्षा भी है। किसी भी राष्ट्र की स्वतंत्रता तभी सार्थक होगी जब वह अपनी मौलिक पहचान और संस्कृति की रक्षा करते हुए विश्व समुदाय के साथ जुड़े। यह दृष्टि हमें सिखाती है कि पश्चिमी मॉडल का अंधानुकरण नहीं, बल्कि अपनी परंपराओं के अनुरूप आधुनिकता ही सच्चा मार्ग है। भारत योग, आयुर्वेद और समरसता जैसे मूल्यों को वैश्विक मंच पर प्रस्तुत कर रहा है- यही वह उदाहरण है जब स्वतंत्रता केवल राजनीतिक अस्तित्व से आगे बढ़कर संस्कृति की सार्वभौमिक अभिव्यक्ति बन जाती है।

आज जब मानवता पर्यावरण संकट से जूझ रही है, तब दीनदयाल जी का चिंतन दीपशिखा बनकर दिशा दिखाता है। वे कहते हैं- 'बीज की इकाई ही जड़, तना, शाखाएँ, पत्ते, फूल और फल के रूप में अभिव्यक्त होती हैज फिर भी हम बीज के माध्यम से उनकी एकता को पहचानते हैं।' यह हमें स्मरण कराता है कि प्रकृति और मानव जीवन की जड़ एक ही है। दिल्ली की धुँधली हवा चेताती है कि विकास तभी सच्चा है जब अर्थव्यवस्था के साथ पर्यावरण और समाज का सामंजस्य बने। इसी भाव को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने व्यक्त किया- 'भारत की प्रगति मानवता के एक-छठे हिस्से की नियति है।' यही कारण है कि दीनदयाल जी ने संतुलन व संयम को विकास की कसौटी माना। गंगा की स्वच्छता से लेकर वृक्षारोपण तक की पहलें बताती हैं कि प्रकृति की रक्षा वास्तव में मानवता की आत्मा की रक्षा है।

शक्ति और साहस का पर्व है नवरात्रि

रमेश सर्राफ धमोरा

नवरात्रि का मां दुर्गा के नौ रूपों की पूजा और आराधना के लिए समर्पित है जिन्हें शक्ति, साहस, और नारी सशक्तीकरण का प्रतीक माना जाता है। नवरात्रि का अर्थ है नौ रातें और इस दौरान भक्त देवी दुर्गा की विशेष पूजा करते हैं, उपवास रख कर भक्ति में लीन रहते हैं। नवरात्रि का त्योहार एक बार वसंत ऋतु के दौरान चैत्र नवरात्रि और शरद ऋतु के दौरान शरद नवरात्रि के रूप में मनाया जाता है। शरद नवरात्रि अश्विन के महीने के दौरान मनाई जाती है जो आमतौर पर सितंबर या अक्टूबर में आती है। वहीं, चैत्र नवरात्रि हिन्दू कैलेंडर के चैत्र महीने के दौरान मनाई जाती है। चैत्र नवरात्रि आमतौर पर मार्च या अप्रैल महीने में मनाई जाती है। इन नौ रातों और दस दिनों के दौरान शक्ति-देवी के नौ रूपों की पूजा की जाती है। दसवां दिन दशहरा के नाम से प्रसिद्ध है।

वसन्त की शुरुआत और शरद ऋतु की शुरुआत, जलवायु और सूरज के प्रभावों का महत्वपूर्ण संगम माना जाता है। इन दो समय मां दुर्गा की पूजा के लिए पवित्र अवसर माने जाते हैं। त्योहार की तिथियां चन्द्र कैलेंडर के अनुसार निर्धारित होती हैं। यह पूजा वैदिक युग से पहले प्रागैतिहासिक काल से है। नवरात्रि के पहले तीन दिन देवी दुर्गा की पूजा करने के लिए समर्पित किए गए हैं। यह पूजा उनकी ऊर्जा और शक्ति की की जाती है। प्रत्येक दिन दुर्गा के एक अलग रूप को समर्पित है।

नवरात्रि से हमें अधर्म पर धर्म और बुराई पर अछाई के जीत की सीख मिलती हैं। यह हमें बताती है की इंसान अपने अंदर की मूलभूत अछाइयों से नकारात्मकता पर विजय प्राप्ति और स्वयं के अलौकिक स्वरूप से साक्षात्कार कैसे कर सकता है। भारतीय जन-जीवन में धर्म की महत्ता अपरम्पार है। नवरात्रि पर्व के नौ दिनों के दौरान आदिशक्ति जगदम्बा के नौ विभिन्न रूपों की आराधना की जाती है। ये नौ दिन वर्ष के सर्वाधिक पवित्र दिवस माने गए हैं। इन नौ दिनों का भारतीय धर्म एवं दर्शन में ऐतिहासिक महत्व है

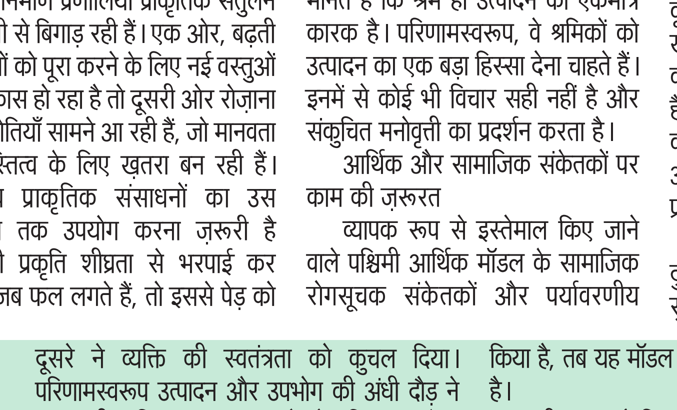

और इन्हीं दिनों में बहुत सी दिव्य घटनाओं के घटने की जानकारी हिन्दू पौराणिक ग्रन्थों में मिलती है। माता के इन नौ रूपों को नवदुर्गा के नाम से भी जाना जाता है जो इस प्रकार हैं - शैलपुत्री, ब्रह्माचारिणी, चन्द्रघन्टा, कूष्माण्डा, स्कन्द माता, कात्यायिनी, कालरात्रि, महागौरी और सिध्दिदात्री।

शक्ति की उपासना का पर्व शारदीय नवरात्र प्रतिपदा से नवमी तक निश्चित नौ तिथि, नौ नक्षत्र, नौ शक्तियों की नवधा भक्ति के साथ सनातन काल से मनाया जा रहा है। आदिशक्ति के हर रूप की नवरात्र के नौ दिनों में क्रमशरू अलग-अलग पूजा की जाती है। मां दुर्गा की नौवीं शक्ति का नाम सिद्धिदात्री है। ये सभी प्रकार की सिद्धियां देने वाली हैं। इनका वाहन सिंह है और कमल पुष्प पर ही आसीन होती हैं। नवरात्रि के नौवें दिन इनकी उपासना की जाती है।

इस पर्व से जुड़ी एक कथा अनुसार देवी दुर्गा ने एक भैंस रूपी असुर अर्थात महिषासुर का वध किया था। पौराणिक कथाओं के अनुसार महिषासुर के एकाग्र ध्यान से बाध्य होकर देवताओं ने उसे अजय होने का वरदान दे दिया। उसको वरदान देने के बाद देवताओं को चिंता हुई कि वह अब अपनी शक्ति का गलत प्रयोग करेगा। महिषासुर ने अपने साम्राय का विस्तार स्वर्ग के द्वार तक कर दिया और उसके इस कृत्य को देख देवता विस्मय की स्थिति में आ गए। महिषासुर ने सूर्य, इन्द्र, अग्नि, वायु, चन्द्रमा, यम, वरुण और अन्य देवताओं के सभी अधिकार छीन लिए और स्वयं स्वर्गलोक का मालिक बन बैठा। देवताओं को महिषासुर के प्रकोप से पृथ्वी पर विचरण करना पड़ रहा था तब महिषासुर के इस दुस्साहस से क्रोधित होकर देवताओं ने देवी दुर्गा की रचना की।

ऐसा माना जाता है कि देवी दुर्गा के निर्माण में सारे देवताओं का एक समान बल लगाया गया था। महिषासुर का नाश करने के लिए सभी देवताओं ने अपने अपने अस्त्र देवी दुर्गा को दिए थे और कहा जाता है कि इन देवताओं के सम्मिलित प्रयास से देवी दुर्गा और बलवान हो गईं थी। इन नौ दिन देवी-महिषासुर संग्राम हुआ और अन्ततरू महिषासुर-वध कर महिषासुर मर्दिनी कहलायीं। नवदुर्गा और दस महाविद्याओं में काली ही प्रथम प्रमुख हैं। भगवान शिव की शक्तियों में उग्र और सौम्य, दो रूपों में अनेक रूप धारण करने वाली दशमहाविद्या अनंत सिद्धियां प्रदान करने में समर्थ हैं। दसवें स्थान पर कमला वैष्णवी शक्ति हैं, जो प्राकृतिक संपत्तियों की अधिष्ठात्री देवी लक्ष्मी हैं। देवता, मानव, दानव सभी इनकी कृपा के बिना पंगु हैं, इसलिए आगम-निगम दोनों में इनकी उपासना समान रूप से वर्णित है। सभी देवता, राक्षस, मनुष्य, गंधर्व इनकी कृपा-प्रसाद के लिए लालायित रहते हैं।

नवरात्रि के दौरान उपवास करने से शरीर से विषाक्त पदार्थ निकल जाते हैं, जिससे शरीर स्वस्थ और निरोगी रहता है। नवरात्रि के दौरान ध्यान, योग और भक्ति करने से मन को शांति मिलती है, जिससे तनाव और चिंता कम होती है। नवरात्रि व्रत का मूल उद्देश्य है इंद्रियों का संयम और आध्यात्मिक शक्ति का संचय। वस्तुत- नवरात्र अंत-शुद्धि का महापर्व है। आज वातावरण में चारों तरफ विचारों का प्रदूषण है। ऐसी स्थिति में नवरात्र का महत्व और भी अधिक बढ़ जाता है।

(लेखक, हिन्दुस्थान समाचार से संबद्ध है।)

शंघाई मास्टर्स में हिस्सा लेंगे नोवाक जोकोविच

एजेंसी

पेरिस। पूर्व विश्व नंबर-1 नोवाक जोकोविच अगले महीने शंघाई मास्टर्स में हिस्सा लेंगे। टूर्नामेंट आयोजकों ने इसकी आधिकारिक घोषणा की। आयोजकों ने सोशल मीडिया पर लिखा -वो लौट आए हैं... हमारे चार बार के चैंपियन इस साल शंघाई में वापसी करेंगे। 24 बार के ग्रैंड स्लैम विजेता जोकोविच ने सितंबर की शुरुआत में यूएस ओपन के सेमीफाइनल में कार्लोस अल्काराज़ से हार के बाद अब तक कोई आधिकारिक मैच नहीं खेला है। 38 वर्षीय जोकोविच ने इस हार के बाद अपने शेष सीज़न को लेकर कोई स्पष्ट कार्यक्रम नहीं बताया था। इस साल उन्होंने पिछले वर्षों की तुलना में काफी कम टूर्नामेंट खेले हैं। फिलहाल उन्होंने केवल 2 से 8 नवंबर तक होने वाले एथेंस 250 इवेंट में खेलने की पुष्टि की है, जो इस साल के कैलेंडर में बेलग्रेड टूर्नामेंट की जगह आयोजित होगा। उनकी पेरिस मास्टर्स (27 अक्टूबर-2 नवंबर) और ट्यूरिन में होने वाले एटीपी फाइनल्स (9-16 नवंबर) में भागीदारी की पुष्टि अभी नहीं हुई है। जोकोविच ने शंघाई मास्टर्स 2012, 2013, 2015 और 2018 में जीता था।

दंगल कमेटी आरएस पुरा की तरफ से दशहरा के मौके पर करवाया जाएगा विशाल महादंगल, विदेशी पहलवान भी लेंगे हिस्सा

आरएस पुरा। दंगल कमेटी आरएस पुरा की तरफ से आज एक पत्रकार वार्ता का आयोजन कर जानकारी दी गई की हर साल की तरह इस साल भी दशहरे के मौके पर आरएस पुरा के बाना सिंह मैदान में विशाल दंगल आयोजित होने जा रहा है जिसमें भारत के साथ-साथ विदेशी पहलवान भी इस महादंगल में हिस्सा लेंगे। दंगल कमेटी के प्रधान ऋषभ चौधरी, चेयरमैन चांद छाबड़ा, ओम प्रकाश चाचू, इंद्रजीत सिंह काका, गुरमीत सिंह राजू, इंद्र सूदन, अशोक शर्मा, सुशील दत्त, करण भगत सहित दंगल कमेटी के अन्य सदस्यों ने बताया कि पिछले लंबे समय से चली आ रही परंपरा को जारी रखते हुए इस साल भी दशहरे के मौके पर विशाल दंगल का आयोजन होने जा रहा है। उन्होंने बताया कि इस दंगल के दौरान विधायक नरेंद्र सिंह रैणा मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे। उन्होंने कहा कि उनका प्रयास रहेगा कि ज्यादा से ज्यादा स्थानीय पहलवानों को दंगल में मौका दिया जाए ताकि युवा पीढ़ी को नशा जैसी बुरी आदतों से दूर रखा जा सके। उन्होंने बताया कि पुरानी तथा नई कमेटी को एक करके नई दंगल कमेटी का गठन किया गया है। उन्होंने कहा कि उनका बजट सात लाख रुपए के करीब है क्योंकि दंगल में विदेशी पहलवानों को हिस्सा लेने का न्योता दिया गया है। उन्होंने समस्त लोगों से अपील करते हुए कहा कि वह महादंगल में बढ़-चढ़कर हिस्सा लें और खासकर अपने बच्चों को भी साथ लाएं ताकि युवा पीढ़ी को प्राचीन खेलों के प्रति जानकारी मिल सके।

भारतीय जूनियर महिला हॉकी टीम की कप्तान बनी झांसी की ज्योति

झांसी। वीरांगना महारानी लक्ष्मीबाई की वीर भूमि झांसी अपने शौर्य और पराक्रम के लिए चर्चित रही है। खेल के क्षेत्र में भी इस भूमि के खिलाड़ियों ने विश्व में अपना लोहा मनवाया है। यह क्रम आज भी जारी है। नगर की बेटी ज्योति सिंह को 23 सदस्यीय भारतीय जूनियर महिला हॉकी टीम का कप्तान चुना गया है। टीम 26 सितंबर से दो अक्टूबर तक ऑस्ट्रेलिया दौरे पर रहेगी, जहां कैनबरा के नेशनल हॉकी सेंटर में पांच मैच 26, 27, 29, 30 सितंबर और 2 अक्टूबर को खेलेगी। यह दौरा आगामी एफआईएच जूनियर महिला हॉकी विश्व कप 2025 की तैयारी के लिहाज़ से बेहद अहम है। यह टूर्नामेंट दिसंबर में चिली की राजधानी सैंटियागो में आयोजित होगा। खेल विश्लेषक बृजेन्द्र सिंह यादव ने मंगलवार को बताया कि चयनित टीम बीते रोज बैंगलोर से प्रस्थान कर ऑस्ट्रेलिया पहुंच गई है। वहां बुंदेलखंड के हृदयस्थल झांसी की बेटी ज्योति सिंह हॉकी टूर्नामेंट में अपना दम दिखाएगी। कप्तान ज्योति सिंह ने इस साल की शुरुआत में एफआईएच हॉकी प्रो लीग के दौरान सीनियर टीम में जगह बनाई थी। उनकी इस टीम में डिफेंडर, मिडफील्डर और फॉरवर्ड खिलाड़ियों का संतुलित मिश्रण है।

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीसरे वनडे मैच में धीमी ओवर गति के लिए भारत पर लगा जुर्माना

नई दिल्ली। अरुण जेटली स्टेडियम में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ खेले गए तीसरे और निर्णायक वनडे मैच में धीमी ओवर गति के कारण भारत पर मैच फीस का 10 प्रतिशत जुर्माना लगाया गया है। ऑस्ट्रेलिया ने भारत को इस रोमांचक मैच में 43 रनों से हराया, जिसमें बेथ मूनी और स्मृति मंधाना ने शतक बनाए। भारतीय टीम निर्धारित लक्ष्य से दो ओवर कम फेंक पाई। आईसीसी के अनुसार एमिरेट्स आईसीसी इंटरनेशनल पैनल ऑफ मैच रेफरी की जीएस लक्ष्मी ने यह

प्रतिबंध लगाया। आईसीसी आचार संहिता के अनुच्छेद 2.22 के अनुसार आवंटित समय में गेंदबाजी करने में विफल रहने पर प्रत्येक ओवर के लिए टीम की मैच फीस का पांच प्रतिशत जुर्माना लगाया जाता है। आगामी आईसीसी महिला क्रिकेट विश्व कप से पहले यह दोनों टीमों का आखिरी मैच था, जिसकी मेजबानी भारत और श्रीलंका कर रहे हैं। भारतीय टीम टूर्नामेंट में अपना अभियान 30 सितंबर को श्रीलंका के खिला।

एशिया कप 2025: पाकिस्तान ने 'करो या मरो' मैच में श्रीलंका को 5 विकेट से हराया, फाइनल की उम्मीदें बरकरार

एजेंसी

दुबई। एशिया कप 2025 के सुपर-4 मुकाबले में पाकिस्तान ने श्रीलंका को 5 विकेट से हराकर फाइनल में पहुंचने की अपनी उम्मीदों को जिंदा रखा है। लो-स्कोरिंग मुकाबले में श्रीलंका ने पहले खेलते हुए 133 रन बनाए थे, जिसके जवाब में पाकिस्तान ने 12 गेंद शेष रहते लक्ष्य हासिल कर लिया।

श्रीलंका की ओर से मिले 134 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी पाकिस्तान की टीम को शानदार शुरुआत साहिबजादा फरहान और फखर जमान ने दी और दोनों ने 45 रन जोड़े। हालांकि, महीश तीक्षणा ने लगातार दो गेंदों पर दोनों सलामी बल्लेबाजों को आउट कर श्रीलंका की वापसी कराई। इसके बाद सैम अयूब और सलमान आगा भी जल्दी आउट हो गए। एक समय पाकिस्तान ने 12 रन के भीतर 4 विकेट गंवा दिए थे। इस मुश्किल स्थिति में मोहम्मद हारिस ने 13 रनों की अहम पारी खेली। इसके

बाद हुसैन तलत और मोहम्मद नवाज ने मोर्चा संभालते हुए 58 रनों की नाबाद साझेदारी कर पाकिस्तान को जीत दिलाई। दोनों बल्लेबाज 32-32 रन बनाकर नाबाद रहे। श्रीलंका की तरफ से वनिंदु हसरंगा और महीश तीक्षणा को दो-दो सफलता मिली, जबकि दुष्मंथ चमीरा ने एक विकेट चटकाए। इससे पहले, टॉस हारकर बल्लेबाजी करते हुए श्रीलंका की शुरुआत बहुत खराब रही और पारी की दूसरी ही गेंद पर कुसल मेंडिस बिना खाता खोले आउट हो गए। फिर पथुम निशंका भी 8 रन बनाकर चलते बने। कमोबेस पूरी टीम का यही हाल रहा। श्रीलंका की ओर से कामिंदु मेंडिस ने 50 रनों की संघर्षपूर्ण पारी खेली। इनके अलावा, कप्तान चरिथ असलंका ने 20 रन, चमिका करुणारत्ने ने 17, कुसल परेला और वनिंदु हसरंगा ने 15-15 रन का योगदान दिया। पाकिस्तान की ओर से शाहीन शाह आफरिदी ने सबसे अधिक 3 विकेट चटकाए।

जबकि हरीश राऊफ और हुसैन तलत को दो-दो सफलता मिली। वहीं, अबरार अहमद के खाते में एक विकेट गया। इस जीत से पाकिस्तान की फाइनल में जगह बनाने की संभावना बरकरार है। दूसरी ओर, श्रीलंका को सुपर-4 चरण में लगातार दूसरी हार का सामना करना पड़ा, जिससे उसके फाइनल में पहुंचने की राह लगभग बंद हो गई है।

डेविस कप लीजेंड और जोकोविच के 'टेनिस गुरु' निकोल पिलिच, का 86 वर्ष की आयु में निधन

एजेंसी

नई दिल्ली। क्रोएशिया के टेनिस लीजेंड और नोवाक जोकोविच के शुरुआती कोच निकोल पिलिच का 86 वर्ष की आयु में निधन हो गया है। इस बात की जानकारी क्रोएशियन टेनिस संघ ने दी। पिलिच ने 1988 से 1993 के बीच जर्मनी को तीन डेविस कप खिताब दिलाए थे। इसके अलावा उन्होंने 2005 में क्रोएशिया को उसका पहला डेविस कप जीतने में मार्गदर्शन किया और 2010 में सर्बिया की टीम को भी बतौर सलाहकार खिताब दिलाने में अहम भूमिका निभाई। नोवाक जोकोविच, जो 12 साल की उम्र में पिलिच की जर्मनी स्थित अकादमी से जुड़े थे, उन्हें

अपना टेनिस डैड कहते हैं। 2018 में एक इंस्टाग्राम पोस्ट में जोकोविच ने लिखा था–निकी मेरे जीवन और टेनिस के सबसे महत्वपूर्ण मेंटर्स में से एक रहे हैं। उनकी अकादमी में बिताया गया समय मेरे खेल और करियर पर गहरा असर डालता है।क्रोएशियन टेनिस संघ ने बयान जारी कर कहा, वह हमारे देश के अब तक के सबसे महान खिलाड़ियों और कोचों में से एक थे। जोकोविच ने भी उन्हें याद करते हुए लिखा कि, वह एक सफल खिलाड़ी और उससे भी ज्यादा सफल कोच थे।

पंचकूला में खेल महाकुंभ का शुभारंभ, 3 हजार से ज्यादा खिलाड़ी ले रहे हिस्सा

एजेंसी

पंचकूला। सेक्टर 3 ताऊ देवीलाल स्टेडियम में बुधवार को खेल महाकुंभ के दूसरे चरण की शुरुआत हुई। खेलों का यह महाकुंभ तीन दिनों तक चलेगा। खेल महाकुंभ का आयोजन 24-26 सितंबर के बीच होगा। तीन दिवसीय खेल महाकुंभ में राज्य के 3,000 से ज्यादा खिलाड़ी हिस्सा ले रहे हैं। खेल महाकुंभ के द्वितीय चरण में कुश्ती, टेबल टेनिस, जूडो, कराटे, वॉलीबॉल (महिला एवं पुरुष वर्ग) और पुरुष वर्ग की हॉकी प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएंगी। हरियाणा में खेल महाकुंभ 2025 का आयोजन दो चरणों में हो रहा है। इसकी शुरुआत 2 अगस्त को ताऊ देवी लाल स्टेडियम से हुई थी। इसमें 26 विभिन्न खेलों में राज्य के 15,410 से ज्यादा खिलाड़ियों ने 2,100 से ज्यादा पदकों के लिए प्रतिस्पर्धा की। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का लक्ष्य 2036 के ओलंपिक खेलों में भारत को एक खेल महाशक्ति के रूप में स्थापित करना है। इस दिशा में हरियाणा सक्रियता से कार्य कर रहा है। भारत ने पेरिस ओलंपिक 2024 में 6 पदक जीते, जिसमें 5 पदक

हरियाणा के ही खिलाड़ियों ने अपने नाम किए थे।हरियाणा पदक जीतने वाले खिलाड़ियों को सबसे अधिक नकद पुरस्कार देने वाला राज्य है। यहां राज्य, राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय खेल प्रतियोगिताओं में भाग लेने वाले और पदक जीतने वाले छात्रों को छात्रवृत्ति प्रदान की जा रही है। खेल महाकुंभ का उद्देश्य खेल भावना का विकास करना है। इसके जरिए टैलेंटेड खिलाड़ियों को मंच प्रदान किया जा रहा है, ताकि युवाओं को प्रेरणा मिले। हरियाणा को खेलों की नर्सरी माना जाता है। यहां के खिलाड़ी राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पदक अपने नाम कर चुके हैं। खेल गतिविधियों में भाग लेने से युवा शारीरिक और मानसिक रूप से फिट बनेंगे।

श्रेयस अय्यर ने टेस्ट और प्रथम श्रेणी क्रिकेट से मांगा ब्रेक, फिटनेस पर देंगे ध्यान

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय मिडिल-ऑर्डर बल्लेबाज श्रेयस अय्यर ने टेस्ट और प्रथम श्रेणी क्रिकेट से कुछ समय का ब्रेक लेने का फैसला किया है। अय्यर ने भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) से अनुरोध किया है कि उन्हें फिलहाल लाल गेंद क्रिकेट से दूर रहने की अनुमति दी जाए, ताकि वे अपनी फिटनेस पर दोबारा ध्यान केंद्रित कर सकें। क्रिकबज की रिपोर्ट के अनुसार, यह फैसला ऑस्ट्रेलिया ए के खिलाफ लखनऊ में खेले गए चार दिवसीय मैच के बाद लिया गया, जिसमें अय्यर कप्तान थे। लेकिन मैच के बाद उन्होंने बीसीसीआई और चयन समिति के अध्यक्ष अजीत अगरकर से बातचीत कर विराम की इच्छा जताई। दरअसल, इस महीने की शुरुआत में खेले गए दलीप ट्रॉफी के दौरान अय्यर को पीठ में असहजता महसूस हुई थी। यही समस्या उन्हें भारत ए और ऑस्ट्रेलिया ए के मुकाबले में भी हुई। इसके बाद उन्होंने बीसीसीआई फिजियो और भारत ए के कोच हृषिकेश कानिटकर

से चर्चा की और बोर्ड को लिखित में अपनी स्थिति बताई। अय्यर की पीठ की सर्जरी 2023 में हुई थी। हालांकि, उन्होंने साफ किया है कि वे टेस्ट क्रिकेट से संन्यास नहीं ले रहे हैं, बल्कि फिटनेस पर काम करके दोबारा मजबूती से वापसी करेंगे। ऐसे में संभावना है कि वे इस सीजन में मुंबई की रणजी टीम से भी बाहर रहेंगे। अय्यर अब तक 17 टेस्ट और 70 प्रथम श्रेणी मैच खेल चुके हैं।लाल गेंद क्रिकेट से ब्रेक लेने के बावजूद अय्यर सफेद गेंद प्रारूप में सक्रिय रहेंगे। वे ऑस्ट्रेलिया दौरे पर होने वाली वनडे सीरीज में टीम इंडिया के लिए पक्के दावेदार माने जा रहे हैं।

डबल ओलंपियन श्रीहरि नटराज एशियन एक्वाटिक चैम्पियनशिप 2025 में चमक बिखेरने को तैयार

एजेंसी

अहमदाबाद। भारत के डबल ओलंपियन तैराक श्रीहरि नटराज एशियन एक्वाटिक चैम्पियनशिप 2025 में देश का प्रतिनिधित्व करेंगे। यह प्रतियोगिता 28 सितम्बर से 11 अक्टूबर तक गुजरात के नवनिर्मित वीर सावरकर स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में आयोजित की जाएगी। नटराज पिछले एक महीने से अहमदाबाद में राष्ट्रीय कैंप में तैयारी कर रहे हैं। 24 वर्षीय नटराज को लंबे समय से भारत का अग्रणी बैकस्ट्रोकर माना जाता रहा है, लेकिन इस सीजन में उन्होंने अपना ध्यान फ्रीस्टाइल पर केंद्रित किया है। नटराज ने एक बयान में कहा, 'बैकस्ट्रोक मेरा मुख्य इवेंट रहा है, लेकिन इस साल मैंने 100 और 200 मीटर फ्रीस्टाइल पर अधिक मेहनत की है। बिना खास ट्रेनिंग के भी मेरे फ्रीस्टाइल टाइम हर साल बेहतर होते गए। इसी आत्मविश्वास ने हमें इसे प्राथमिकता देने का फैसला करने पर मजबूर किया।' उन्होंने कहा, 'यहां का कैंप शानदार रहा है। हमें पूल, ब्लॉक्स और वॉटर

कंडीशन से सामंजस्य बैठाने का पूरा समय मिला है। पूरी टीम अच्छे प्रदर्शन को लेकर उत्साहित है।'उन्होंने इस बात पर भी खुशी जताई कि भारत इस प्रतिष्ठित आयोजन की मेजबानी कर रहा है। उनका यह फैसला सही साबित हुआ, जब उन्होंने 2025 एफआईएसयू समर वर्ल्ड यूनिवर्सिटी गेम्स में सर्वश्रेष्ठ समय दर्ज किए। उन्होंने 100 मीटर फ्रीस्टाइल में 49.46 सेकंड का समय निकालकर 17 साल पुराने विरधावल खाडे के रिकॉर्ड (49.47 सेकंड) को तोड़ा, जबकि 200 मीटर फ्रीस्टाइल में 1:48.11 सेकंड का समय दर्ज किया। उन्होंने कहा, ÷मैंने 2016 में अपनी पहली एशियन एक्वाटिक चैम्पियनशिप मिस कर दी थी। अब इस स्तर पर मौका मिलना मेरे लिए खास है। सुविधाएं बेहतरीन हैं और यहां ट्रेनिंग का अनुभव शानदार रहा है। मुझे यकीन है कि यह प्रतियोगिता यादगार होगी। उन्होंने कहा, मेरे लिए पूल कहीं भी हो, फर्क नहीं पड़ता।

जर्मनी में मैंने बिना किसी अनुभव के अपने बेहतरीन टाइम निकाले थे। अंत में हमें सिर्फ एक लेन की जरूरत होती है। आगे की योजनाओं पर नटराज ने बताया, यहां के बाद मैं नवंबर में जयपुर में होने वाले खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स में भाग लूंगा। इसके बाद ध्यान अगले साल के कॉमनवेल्थ गेम्स और एशियन गेम्स पर होगा। अहमदाबाद का प्रदर्शन क्वालिफिकेशन की दिशा में मददगार रहेगा।

बार्सिलोना मिडफील्डर गावी घुटने की सर्जरी के बाद 4-5 महीने तक रहेंगे बाहर

एजेंसी

बार्सिलोना। स्पेन के अंतरराष्ट्रीय मिडफील्डर गावी घुटने की सर्जरी के बाद करीब फरवरी या मार्च तक मैदान से दूर रह सकते हैं। एफसी बार्सिलोना की वेबसाइट ने शाम जानकारी दी कि गावी के दाहिने घुटने की आर्थ्रोस्कोपी की गई है, जिसमें उनके मेडियल मेनिस्कस की सर्जरी कर उसे संरक्षित किया गया। क्लब ने बताया कि उनकी रिकवरी में लगभग 4 से 5 महीने लग सकते हैं। गावी को यह चोट पिछले अंतरराष्ट्रीय ब्रेक से पहले ट्रेनिंग के दौरान लगी थी। शुरुआत में उन्हें कंज़र्वेटिव इलाज दिया गया, लेकिन जब उम्मीद के मुताबिक सुधार नहीं

हुआ तो ऑपरेशन का फैसला लिया गया। गौरतलब है कि इसी घुटने में गावी को नवंबर 2023 में स्पेन के लिए खेलते हुए लिगामेंट की गंभीर चोट लगी थी, जिसकी वजह से वे लगभग एक साल तक मैदान से बाहर रहे। इस बीच, बार्सिलोना के एक और खिलाड़ी फर्मिन लोपेज तीन हफ्तों तक ग्रोइन इंजरी के कारण टीम से बाहर रहेंगे, जबकि लमिन यामल भी पिछले हफ्ते पेल्विक समस्या के चलते खेल से दूर रहे।

हीरो हॉकी इंडिया लीग 2026 के लिए मिनी ऑक्शन 24 सितम्बर को

एजेंसी

नई दिल्ली। हीरो हॉकी इंडिया लीग (एचआईएल) 2026 के पुरुष और महिला वर्ग के मिनी ऑक्शन 24 सितम्बर को नई दिल्ली में आयोजित होंगे। इसमें 100 से अधिक पुरुष और 100 से अधिक महिला खिलाड़ी नीलामी की प्रक्रिया से गुजरेंगे। पुरुष टीमों के लिए सैलरी कैप 4 करोड़ रुपये और महिला टीमों के लिए 2 करोड़ रुपये निर्धारित किया गया है। प्रत्येक टीम में कुल 20 खिलाड़ी होंगे, जिनमें 2 गोलकीपर और 18 आउटफील्ड खिलाड़ी शामिल होंगे। टीमों को अधिकतम 7 विदेशी खिलाड़ियों को शामिल करने की अनुमति होगी, जबकि कम से कम 3 भारतीय जूनियर खिलाड़ियों को चुनना

अनिवार्य होगा। नीलामी में खिलाड़ियों की बेस प्राइस तीन श्रेणियों में रखी गई है- 2 लाख रुपये, 5 लाख रुपये और 10 लाख रुपये। भारतीय और विदेशी दोनों खिलाड़ियों के लिए न्यूनतम आधार मूल्य 2 लाख रुपये रहेगा। हॉकी इंडिया के अध्यक्ष डॉ दिलीप तिर्की ने कहा, 'हॉकी जैसे विरासत खेल की लोकप्रियता और विकास के लिए लिग का सफल आयोजन हमारी प्राथमिकता है।

हीरो एचआईएल खिलाड़ियों को एक्सपोजर और अवसर देने के साथ कॉर्पोरेट भागीदारी का भी मंच है। यह मिनी ऑक्शन रोमांच से भरा होगा और दूसरी सीजन की दिशा में पहला अहम पड़ाव साबित होगा। फ्रेंचाइजियों के लिए यह नीलामी टीमों को मजबूत करने और शीर्ष खिलाड़ियों को अपने साथ जोड़ने का महत्वपूर्ण अवसर मानी जा रही है। आगामी सीजन को लेकर तैयारियों में पहले से ही उत्साह का माहौल है।

पीकेएल-12: टाईब्रेकर में जयपुर पिंक पैंथर्स ने यू मुंबा को हराया, वापसी के बाद मिली अहम जीत

एजेंसी

जयपुर। सवाई मानसिंह इंडोर स्टेडियम में खेले गए प्रो कबड्डी लीग (पीकेएल) के 12वें सीजन के 48वें मैच में जयपुर पिंक पैंथर्स ने यू मुंबा को टाईब्रेकर में 6-4 के अंतर से हराया। निर्धारित समय तक मैच 38-38 से बराबरी पर था। मैच के दौरान यू मुंबा एक समय 10 अंक पीछे थी, लेकिन उसने शानदार वापसी करते हुए स्कोर बराबर किया और 10 अंक की लीड भी बना ली। हालांकि जयपुर ने आखिरी पलों में दबाव संभाला और मैच को टाईब्रेकर में ले जाकर जीत दर्ज की।जयपुर के लिए नितिन धनखड़ ने सुपर-10 प्रदर्शन करते हुए 14 अंक जुटाए, जबकि मुंबा के लिए संदीप ने 14 अंक के साथ श्रेष्ठ प्रदर्शन किया। मैच की शुरुआत जयपुर के वर्चस्व में रही। छह मिनट में ही टीम ने आलआउट

लेकर 9-1 की लीड बनाई। इसके बाद मुंबा ने अंक लेने की कोशिश की और 10 मिनट बाद स्कोर 5-12 कर दिया। हाफटाइम तक मुकाबला कड़ा रहा और मुंबा एक अंक की बढ़त के साथ पहुंचे, लेकिन जयपुर ने लगातार सुपर टैकल और रेड के दम पर मैच बराबरी पर ला दिया। टाईब्रेकर में जयपुर ने बेहतरीन रणनीति अपनाते हुए यू मुंबा को अपनी लीड में ढेर किया और इस सीजन में मुंबा की टाईब्रेकर में दूसरी हार सुनिश्चित की।

पीकेएल-12: तेलुगू टाइटंस ने गुजरात जाएंट्स को 1 अंक से हराया

एजेंसी

जयपुर। प्रो कबड्डी लीग (पीकेएल) के 12वें सीजन के 47वें मैच में तेलुगू टाइटंस ने सवाई मानसिंह इंडोर स्टेडियम में गुजरात जाएंट्स को 30-29 से मात दी। यह टाइटंस की 10 मैचों में पांचवीं और लगातार दूसरी जीत है, जबकि गुजरात को आठ मैचों में लगातार पांचवीं हार झेलनी पड़ी। इस जीत के बाद टाइटंस अंक तालिका में चौथे स्थान पर पहुंच गए हैं। टाइटंस की जीत में भरत (9), विजय मलिक (7), शुभम शिंदे (4) और अंकित (3) ने अहम योगदान दिया। गुजरात के लिए दूसरे हाफ में मैदान पर आए मोहम्मदरेजा शादलू (6) ने रेड में दम दिखाया, लेकिन कप्तान एचएस राकेश (2) अपेक्षित प्रदर्शन नहीं कर पाए। खेल की शुरुआत में टाइटंस ने 10 मिनट में 7-3 की बढ़त बनाई और दो मौकों पर गुजरात के कप्तान को डू ओर डाई रेड पर अंक लेने से रोक दिया। हालांकि 19वें मिनट में गुजरात ने स्कोर बराबर कर 10-10 किया। हाफटाइम तक गुजरात ने टाइटंस को टक्कर देते हुए स्कोर 10-12 कर दिया। दूसरे हाफ की शुरुआत में शादलू ने चार रेड में चार अंक लिए और गुजरात ने टाइटंस को सुपर स्थिति में डालकर 15-13 की बढ़त ली। इसके बाद गुजरात ने आलआउट लेते हुए 18-14 की लीड बनाई। लेकिन टाइटंस के खिलाड़ी भरत और विजय ने तेजी से वापसी करते हुए स्कोर में बढ़त बनाई।

वर्ल्ड पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप 2025: सुरक्षा व तैयारियों का खेल मंत्री ने लिया जायजा

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली में होने जा रही वर्ल्ड पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप 2025 को लेकर सुरक्षा एवं आपदा प्रबंधन की तैयारियों का जायजा लेने के लिए केंद्रीय खेल मंत्री मनसुख मांडविया ने वर्ल्ड पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप 2025 की तैयारियों और सुविधाओं का जायजा लेन के लिए जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम (जेएलएन स्टेडियम) का दौरा किया। इस दौरान जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में मॉक ड्रिल भी आयोजित की गई। इसमें दिल्ली पुलिस, एनडीआरएफ, दिल्ली डिजास्टर मैनेजमेंट अथॉरिटी (डीडीएमए) और कैट्स (ष्ट्रञ्जस्) ने अग्नि सुरक्षा, बम निरोधक जांच, दुर्घटना प्रबंधन व भीड़ नियंत्रण जैसे अभ्यास किए। यह प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय आयोजन 27 सितम्बर से 05 अक्टूबर 2025 तक चलेगा, जबकि उद्घाटन समारोह 25 सितम्बर को होगा।जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम के प्रशासक डॉ सरथ चंद्र यादव ने बताया कि खिलाड़ियों की सुविधा को देखते

हुए सभी रैम्प व शौचालय पैरा-फ्रेंडली बनाए गए हैं। उन्होंने कहा, बॉम्ब स्क्वॉड जांच, फायर सेफ्टी और सीबीआरएन ऑपरेशंस जैसे अभ्यास पूरे कर लिए गए हैं। हमें विश्वास है कि इन तैयारियों के बाद हम इस चैंपियनशिप को सुरक्षित और सफलतापूर्वक आयोजित करेंगे।अतिरिक्त डीसीपी (दक्षिण-पश्चिम) सुमित झा ने जानकारी दी कि आयोजन स्थल और प्रशिक्षण स्थलों त्यागराज स्टेडियम व कॉमनवेल्थ गेम्स विलेज में 1000 से अधिक पुलिसकर्मियों की तैनाती की जा रही है। उन्होंने बताया, ÷सुरक्षा व्यवस्था हवाई अड्डे से लेकर होटल, अस्पताल और खिलाड़ियों के परिवहन मार्ग तक की गई है। सभी स्थानों पर शिफ्टों में पुलिस बल तैनात रहेगा। इसी क्रम में, पैरालंपिक समिति ऑफ इंडिया ने दिल्ली पुलिस और स्वयंसेवकों के लिए एक विशेष जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया। इसमें 300 से अधिक स्वयंसेवकों को पैरा-फ्रेंडली आचरण, खिलाड़ियों के प्रति व्यवहार और समावेशी माहौल बनाने की ट्रेनिंग दी गई।प्रोजेक्ट हेड (स्वयं) भूपिंदर सिंह ने कहा, आज 300 से अधिक वॉलंटियर्स को बैरियर-फ्री और एथलीट-फ्रेंडली वातावरण बनाने के लिए संवेदनशील किया गया। यह पहल खिलाड़ियों और दर्शकों के अनुभव को और बेहतर बनाने में अहम भूमिका निभाएगी।

भारत पहली बार इस विश्व स्तरीय पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप की मेजबानी कर रहा है और आयोजकों का लक्ष्य है कि यह आयोजन समावेशिता और सुगमता के नए मानक स्थापित करें।

जीएसटी 2.0 के पहले दिन वाहनों की बिक्री में भारी उछाल, मारुति ने बनाया रिकॉर्ड

एजेंसी

नई दिल्ली। देश के ऑटोमोबाइल बाजार में नवरात्रि के पहले दिन और वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) 2.0 की शुरुआत ने जबरदस्त उछाल ला दिया। जीएसटी की दर घटने के बाद कारों की कीमतें कम होते ही देशभर में शोरूम पर खरीदारों की भीड़ उमड़ पड़ी। नवरात्रि के पहले दिन लाखों लोग अपनी पसंदीदा ब्रांड गाड़ियां खरीदने पहुंचे और कंपनियों ने रिकॉर्ड बिक्री दर्ज की। मारुति सुजुकी इंडिया, हुंडई मोटर इंडिया और टाटा मोटर्स जैसी कार निर्माता कंपनियों ने 22 सितंबर को ऐतिहासिक बिक्री दर्ज की। ये नवरात्रि का पहला दिन और जीएसटी 2.0 व्यवस्था के शुभारंभ एक साथ होने की वजह से हुआ। जीएसटी में सुधार के तहत वाहनों और उनके कलपुर्जे पर टैक्स घटकर 18 फीसदी हो गया है। वाहन वि?निर्माता कंपनियों ने कारों की कीमत में कटौती करने की घोषणा पहले ही कर दी थी। मारुति सुजुकी इंडिया ने एक बयान में बताया कि उसकी रिटेल सेल सोमवार शाम तक 25 हजार इकाई पार कर गई थी। कंपनी के मुताबिक दिन के अंत तक यह आंकड़ा 30 हजार से ज्यादा पहुंच गया। कंपनी ने कहा कि जीएसटी रेट कट का असर साफ दिखा और डीलरशिप पर लगभग 80 हजार ग्राहकों की इन्क्वायरी दर्ज की गई, जबक छोटी कारों की बुकिंग में भी 50 फीसदी से ज्यादा बढ़ोतरी देखने को मिली।

यूरो प्रतीक सेल्स ने पहले दिन ही निवेशकों को किया निराश, मजबूत लिस्टिंग के बाद बिकवाली के दबाव में टूटा शेयर

नई दिल्ली। डेकोरेटिव वाल पैनल बनाने वाली कंपनी यूरो प्रतीक सेल्स के शेयरों ने आज स्टॉक मार्केट में मजबूत एंट्री करने के बाद बिकवाली का शिकार हो कर अपने आईपीओ निवेशकों को निराश कर दिया। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 247 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। आज बीएसई पर इसकी लिस्टिंग 10 प्रतिशत से अधिक प्रीमियम के साथ 273.45 रुपये के स्तर पर और एनएसई पर 272.10 रुपये के स्तर पर हुई। लिस्टिंग के बाद मुनाफा वसूली शुरू हो जाने के कारण इस शेयर की चाल में गिरावट आ गई। पूरे दिन के कारोबार के बाद यूरो प्रतीक सेल्स के शेयर करीब 0.55 प्रतिशत की मामूली बढ़त के साथ बीएसई पर 248.25 रुपये के स्तर पर और एनएसई पर 248.38 रुपये के स्तर पर बंद हुए। यूरो प्रतीक सेल्स का 451.39 करोड़ रुपये का आईपीओ 16 से 18 सितंबर के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से एवरेज रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 1.41 गुना सब्सक्राइब हो सका था। इनमें क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए रिजर्व पोर्शन 1.10 गुना सब्सक्राइब हुआ था। नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) के लिए रिजर्व पोर्शन में 2.02 गुना सब्सक्रिप्शन आया था। इसी तरह रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व पोर्शन 1.31 गुना और एंप्लॉयीज के लिए रिजर्व पोर्शन 4.09 गुना सब्सक्राइब हो सका था।

उतार-चढ़ाव के बीच लगातार तीसरे दिन लाल निशान में बंद हुआ शेयर बाजार, सेंसेक्स-निफ्टी में मामूली गिरावट

नई दिल्ली। दिन भर उतार-चढ़ाव का सामना करने के बाद घरेलू शेयर बाजार आज लगातार तीसरे कारोबारी दिन गिरावट के साथ बंद हुआ। आज के कारोबार में दिन के पहले सत्र में लगातार बिकवाली का दबाव बना रहा। वहीं, दूसरे सत्र में खरीदारों ने लिवाली का दम दिखाया। हालांकि आखिरी 1 घंटे के कारोबार में दोबारा बिकवाली का दबाव बन जाने की वजह से सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांक लाल निशान में गिर कर बंद हुए। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स ने 0.07 प्रतिशत और निफ्टी ने 0.13 प्रतिशत की कमजोरी के साथ आज के कारोबार का अंत किया। आज दिन भर के कारोबार के दौरान बैंकिंग, मेटल, पब्लिक सेक्टर एंटरप्राइज और ऑटोमोबाइल सेक्टर के शेयरों में लगातार खरीदारी होती रही। दूसरी ओर, रियल्टी, आईटी और एफएमसीजी सेक्टर के शेयरों में लगातार बिकवाली का दबाव बना रहा। इसी तरह कैपिटल गुड्स, कंज्यूमर ड्यूरेबल, हेल्थ केयर, ऑयल एंड गैस और टेक इंडेक्स भी गिरावट के साथ बंद हुए। ब्रॉडर मार्केट में भी आज लगातार बिकवाली होती रही, जिसके कारण बीएसई का मिडकैप इंडेक्स 0.29 प्रतिशत की कमजोरी के साथ बंद हुआ।

कर्मचारी भविष्य निधि संगठन ने जुलाई में 21.04 लाख नए सदस्य जोड़े

नई दिल्ली। कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) ने जुलाई महीने में शुद्ध रूप से 21.04 लाख सदस्यों को जोड़ा है। इसमें सालाना आधार पर 5.55 फीसदी की वृद्धि हुई है। ईपीएफओ ने जुलाई 2025 में शुद्ध रूप से 9.79 लाख नए सदस्य जोड़े हैं। इनमें 18-25 आयु वर्ग के 5.98 लाख युवा शामिल हैं, जो कुल नए ग्राहकों का 61.06 फीसदी हैं। इस वर्ग में शुद्ध पेरोल वृद्धि 9.13 लाख रही। श्रम और रोजगार मंत्रालय आंकड़े से पता चलता है कि ईपीएफओ सदस्य अंतिम निपटान के बजाय ईपीएफ खाते में जमा राशि स्थानांतरित कर अपनी सामाजिक सुरक्षा बनाए रखने को प्राथमिकता दे रहे हैं। आंकड़ों के मुताबिक पहले नौकरी छोड़ चुके लगभग 16.43 लाख पुराने सदस्य जुलाई में दोबारा ईपीएफओ के साथ जुड़े हैं। इसमें सालाना आधार पर 12.12 फीसदी की दर्ज की गई। जुलाई में 2.80 लाख नई महिला सदस्य जुड़ीं, जिससे कुल महिला शुद्ध पेरोल वृद्धि करीब 4.42 लाख रही।

जैन रिसोर्स रिसाइक्लिंग की प्राइमरी मार्केट में दस्तक, 1,250 करोड़ का आईपीओ लॉन्च

एजेंसी

नई दिल्ली। स्क्रैप की रीसाइक्लिंग करने वाली कंपनी जैन रिसोर्स रीसाइक्लिंग ने आज अपना 1,250 करोड़ रुपये का आईपीओ सब्सक्रिप्शन के लिए लॉन्च कर दिया। आईपीओ के तहत 2 रुपये फेस वैल्यू वाले 500 करोड़ रुपये के 2,15,51,724 नए शेयर जारी हो रहे हैं, जबकि 750 करोड़ रुपये के 3,23,27,586 शेयर ऑफर फॉर सेल विंडो के जरिये बेचे जा रहे हैं। इस आईपीओ में 26 सितंबर तक बोली लगाई जा सकती है। आईपीओ में बोली लगाने के लिए 220 रुपये से लेकर 232 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है। जबकि लॉट साइज 64 शेयर का है।इस आईपीओ में क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए 75 प्रतिशत हिस्सा रिजर्व किया गया है। इसके अलावा रिटेल इनवेस्टर्स के लिए 10 प्रतिशत हिस्सा और नॉन इंस्टीट्यूशनल इनवेस्टर्स (एनआईआई) के लिए 15

प्रतिशत हिस्सा रिजर्व है। इस इश्यू के लिए डीएएम कैपिटल एडवाइजर्स लिमिटेड को बुक रनिंग लीड मैनेजर बनाया गया है। वहीं केफिन टेक्नोलॉजीज लिमिटेड को रजिस्ट्रार बनया गया है। इश्यू की क्लोजिंग के बाद 29 सितंबर को शेयरों का अलॉटमेंट किया जाएगा। कंपनी के शेयर 1 अक्टूबर को बीएसई और एनएसई पर लिस्ट होंगे। कंपनी की वित्तीय स्थिति की बात करें तो प्रॉस्पेक्टस में किए गए दावे के मुताबिक इसकी वित्तीय सेहत लगातार मजबूत हुई है। वित्त वर्ष 2022-23 में कंपनी को 91.81 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था, जो अगले वित्त वर्ष 2023-24 में बढ़ कर 163.83 करोड़ रुपये और 2024-25 में उछल कर 223.29 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। इस दौरान कंपनी की राजस्व प्राप्ति में भी लगातार बढ़ोतरी हुई। वित्त वर्ष 2022-23 में इसे 3,107.53 करोड़ रुपये का कुल राजस्व प्राप्त हुआ, जो वित्त वर्ष 2023-24 में बढ़ कर 4,484.84 करोड़ रुपये और वित्त वर्ष 2024-25 में उछल कर 7,162.15 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। इस अवधि में कंपनी के कर्ज में भी लगातार बढ़ोतरी हुई। वित्त वर्ष 2022-23 के अंत में कंपनी पर 732.79 करोड़ रुपये के कर्ज का बोझ था, जो वित्त वर्ष 2023-24 में बढ़ कर 909.38 करोड़ रुपये और वित्त वर्ष 2024-25 में उछल कर 919.92 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया।

आनंद राठी शेयर एंड स्टॉक ब्रोकर्स का आईपीओ पहले दिन 40 फीसदी हुआ सब्सक्राइब

एजेंसी

नई दिल्ली। आनंद राठी शेयर एंड स्टॉक ब्रोकर लिमिटेड का आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) निवेशकों के लिए खुल गया है। यह आईपीओ बोली के पहले दिन 40 फीसदी सब्सक्राइब हुआ। यह इश्यू गुरुवार, 25 सितंबर तक खुला रहेगा। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) के प्राप्त आंकड़ों के मुताबिक आईपीओ में 1,33,63,342 शेयरों की पेशकश के मुकाबले 54,09,144 शेयरों के लिए बोलियां प्राप्त हुईं। इसमें खुदरा व्यक्तिगत निवेशकों (आरआईआई) के हिस्से को 53 फीसदी अभिदान प्राप्त हुआ है, जबकि गैर-संस्थागत निवेशकों के कोटा को 53 फीसदी अभिदान मिला और पात्र संस्थागत खरीदारों (क्यूआईबी) की श्रेणी को एक फीसदी अभिदान प्राप्त हुआ।कंपनी ने 745 करोड़ रुपये के अपने आईपीओ के लिए मूल्य का दायरा 393-414 रुपये प्रति शेयर तय किया गया है। स्टॉक ब्रोकर कंपनी का आईपीओ पूरी तरह से नए शेयरों का निर्गम है। इसमें कोई बिक्री पेशकश (ओएफएस) शामिल नहीं है। कंपनी इस आईपीओ से प्राप्त 550 करोड़ रुपये, कंपनी की दीर्घकालिक कार्यशील पूंजी आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए आवंटित करेगी, जबकि एक हिस्सा सामान्य कंपनी कामकाज पर खर्च किया जाएगा।

सब्सक्रिप्शन के लिए खुला बीएमडब्ल्यू वेंचर्स का पब्लिक इश्यू, एक अक्टूबर को होगी लिस्टिंग

एजेंसी

नई दिल्ली। स्टील प्रोडक्ट्स बनाने वाली कंपनी बीएमडब्ल्यू वेंचर्स का 231.66 करोड़ रुपये का आईपीओ आज सब्सक्रिप्शन के लिए लॉन्च कर दिया गया। आईपीओ के तहत 10 रुपये फेस वैल्यू वाले 2,34,00,000 नए शेयर जारी हो रहे हैं। इस आईपीओ में 26 सितंबर तक बोली लगाई जा सकती है। आईपीओ में बोली लगाने के लिए 94 रुपये से लेकर 99 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है। जबकि लॉट साइज 151 शेयर का है। इस आईपीओ में क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए सिर्फ 1 प्रतिशत हिस्सा रिजर्व किया गया है। इसके अलावा रिटेल इनवेस्टर्स के लिए 75 प्रतिशत हिस्सा और नॉन इंस्टीट्यूशनल इनवेस्टर्स (एनआईआई) के लिए 24 प्रतिशत हिस्सा रिजर्व है। इस इश्यू के लिए सारथी कैपिटल एडवाइजर्स प्राइवेट लिमिटेड को बुक रनिंग लीड मैनेजर बनाया गया है। वहीं कैमियो कॉरपोर्ट सर्विसेज लिमिटेड को रजिस्ट्रार बनाया गया है। इश्यू की क्लोजिंग के बाद 29

सितंबर को शेयरों का अलॉटमेंट किया जाएगा। कंपनी के शेयर 1 अक्टूबर को बीएसई और एनएसई पर लिस्ट होंगे। कंपनी की वित्तीय स्थिति की बात करें तो प्रॉस्पेक्टस में किए गए दावे के मुताबिक इसकी वित्तीय सेहत उतार चढ़ाव होता रहा है। वित्त वर्ष 2022-23 में कंपनी को 32.66 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था, जो अगले वित्त वर्ष 2023-24 में घट कर 29.94 करोड़ रुपये और 2024-25 में उछल कर 32.82 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। इस दौरान कंपनी की राजस्व प्राप्ति में भी उतार चढ़ाव होता रहा।

सर्राफा बाजार में लगातार तीसरे दिन मजबूती के नए शिखर पर सोना और चांदी

एजेंसी

नई दिल्ली। घरेलू सर्राफा बाजार में लगातार मजबूती का नया रिकॉर्ड बनाने का सिलसिला आज भी जारी है। सोना और चांदी दोनों चमकीली धातुओं की कीमत आज लगातार तीसरे दिन मजबूती के नये रिकॉर्ड पर पहुंची है। आज के कारोबार में सोने की कीमत में 2,400 रुपये से लेकर 2,620 रुपये प्रति 10 ग्राम तक की जबरदस्त तेजी दर्ज की गई है। वहीं, चांदी की कीमत में आज 2,000 रुपये प्रति किलोग्राम का उछाल आया है। कीमत में तेजी आने के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना आज 1,15,700 रुपये से लेकर 1,15,850 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना आज 1,06,000 रुपये से लेकर 1,06,210 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी के भाव में भी आज तेजी आने के कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में 1,40,100 रुपये प्रति किलोग्राम

के स्तर पर बिक रही है। दिल्ली में आज 24 कैरेट सोना 1,15,850 प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,06,210 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं, देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,15,700 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,06,000 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,15,750 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 1,06,100 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है।

ईपैक प्रीफैब का 504 करोड़ रुपये का आईपीओ लॉन्च, 26 सितंबर तक कर सकते हैं आवेदन

एजेंसी

नई दिल्ली। ईपैक प्रीफैब टेक्नोलॉजीज का 504 करोड़ रुपये का आईपीओ आज सब्सक्रिप्शन के लिए लॉन्च कर दिया गया। आईपीओ के तहत 300 करोड़ रुपये के नए शेयर जारी हो रहे हैं। इसके साथ ही कंपनी के प्रमोटर्स द्वारा 1 करोड़ शेयरों को ऑफर फॉर सेल विंडो के जरिये भी बेचा जा रहा है। इस आईपीओ में 26 सितंबर तक बोली लगाई जा सकती है। आईपीओ में बोली लगाने के लिए 194 रुपये से लेकर 204 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है। ईपैक प्रीफैब टेक्नोलॉजीज के इस आईपीओ में रिटेल इनवेस्टर्स कम से कम 73 शेयरों के लिए बोली लगा सकते हैं, जिसके लिए उन्हें 14,892 रुपये का निवेश करना होगा। आईपीओ खुलने से एक दिन पहले ईपैक प्रीफैब टेक्नोलॉजीज ने 10 एंकर इनवेस्टर्स से 151.2 करोड़ रुपये जुटाए। इन एंकर इनवेस्टर्स में व्हाइटओक कैपिटल सबसे बड़ा इनवेस्टर रहा, जिसने

अपनी छह योजनाओं के जरिये कंपनी के 60 करोड़ रुपये के शेयर खरीदे। इसके अलावा, मॉर्गन स्टेनली, 360 वन, नुवामा, सिटीग्रुप ग्लोबल और समीक्षा इंडिया जैसे प्रमुख नाम भी एंकर बुक में शामिल हुए हैं। इस आईपीओ में क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए 50 प्रतिशत हिस्सा रिजर्व किया गया है। इसके अलावा रिटेल इनवेस्टर्स के लिए 35 प्रतिशत हिस्सा और नॉन इंस्टीट्यूशनल इनवेस्टर्स (एनआईआई) के लिए 15 प्रतिशत हिस्सा रिजर्व है। इस इश्यू के लिए मोनार्क नेटवर्क कैपिटल लिमिटेड को बुक रनिंग लीड मैनेजर बनाया गया है। वहीं, केफिन टेक्नोलॉजीज लिमिटेड को रजिस्ट्रार बनाया गया है। इश्यू की क्लोजिंग के बाद 29 सितंबर को शेयरों का अलॉटमेंट किया जाएगा। कंपनी के शेयर 1 अक्टूबर को बीएसई और एनएसई पर लिस्ट होंगे। कंपनी की वित्तीय स्थिति की बात करें तो प्रॉस्पेक्टस में किए गए दावे के मुताबिक इसकी वित्तीय सेहत लगातार मजबूत हुई है। वित्त वर्ष 2022-23 में कंपनी को 23.97 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था, जो अगले वित्त वर्ष 2023-24 में बढ़ कर 42.96 करोड़ रुपये और 2024-25 में उछल कर 59.32 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। इस दौरान कंपनी की राजस्व प्राप्ति में भी लगातार बढ़ोतरी हुई। वित्त वर्ष 2022-23 में इसे 660.49 करोड़ का कुल राजस्व प्राप्त हुआ, जो वित्त वर्ष 2023-24 में बढ़ कर 906.38 करोड़ और वित्त वर्ष 2024-25 में उछल कर 1,140.49 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया।

डॉलर की तुलना में रुपये में रिकॉर्ड गिरावट, 44 पैसे की कमजोरी के साथ बंद हुई भारतीय मुद्रा

एजेंसी

नई दिल्ली। ग्लोबल ट्रेड में अमेरिका के संरक्षणवादी रवैये, कच्चे तेल की कीमत में आई तेजी और स्टॉक मार्केट में विदेशी निवेशकों द्वारा लगातार बिकवाली के कारण डॉलर के मुकाबले रुपया आज रिकॉर्ड निचले स्तर पर पहुंच गया। दिन के कारोबार में भारतीय मुद्रा 49 पैसे की कमजोरी के साथ 88.80 रुपये प्रति डॉलर के स्तर तक गिर गई थी। हालांकि बाद में इसकी स्थिति में मामूली सुधार जरूर हुआ। इसके बावजूद रुपये ने 44 पैसे की गिरावट के साथ 88.75 रुपये प्रति डॉलर (अनंतिम) के स्तर पर आज के कारोबार का अंत किया। इसके पहले पिछले कारोबारी दिन सोमवार को भारतीय मुद्रा 88.31 रुपये प्रति डॉलर के स्तर पर बंद हुई थी। रुपये ने आज के कारोबार की शुरुआत भी गिरावट के साथ ही की थी। इंटरबैंक फॉरेन एक्सचेंज मार्केट में भारतीय मुद्रा ने आज सुबह डॉलर के मुकाबले 10 पैसे की कमजोरी के साथ 88.41 रुपये के स्तर से कारोबार की शुरुआत की थी। आज का कारोबार शुरू होने के बाद कुछ पल के लिए रुपया ओपनिंग लेवल से 1 पैसे की मामूली रिकवरी करके 88.40 के स्तर तक भी पहुंचा, लेकिन इसके बाद बाजार में बने नकारात्मक माहौल के कारण रुपया लगातार गिरते हुए अभी तक के सबसे निचले स्तर 88.80 रुपये प्रति डॉलर तक पहुंच गया। इस रिकॉर्ड कमजोरी के बाद रुपये की स्थिति में मामूली सुधार भी हुआ, जिसके कारण भारतीय मुद्रा निचले स्तर से 5 पैसे की रिकवरी करके 88.75 रुपये प्रति डॉलर के स्तर पर बंद हुई। इस सुधार के बावजूद रुपये ने आज रिकॉर्ड लो क्लोजिंग का नया कीर्तिमान बना दिया।

संपत एल्यूमिनियम ने निवेशकों को किया निराश, फ्लैट लिस्टिंग के बाद लगा लोअर सर्किट

एजेंसी

नई दिल्ली। एल्यूमिनियम वायर रॉड बनाने वाली कंपनी संपत एल्यूमिनियम के शेयरों ने आज स्टॉक मार्केट में फ्लैट एंट्री करके अपने आईपीओ निवेशकों को निराश कर दिया। निवेशकों की निराशा तब और बढ़ गई, जब लिस्टिंग के बाद बिकवाली के दबाव में कंपनी के शेयरों पर लोअर सर्किट लग गया। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 120 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। आज बीएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर इसकी लिस्टिंग बिना किसी बदलाव के 120 रुपये के स्तर पर ही हुई। लिस्टिंग के बाद बिकवाली का दबाव बन गया, जिसके कारण थोड़ी ही देर में कंपनी के शेयर गिरकर 114 रुपये के लोअर सर्किट लेवल पर पहुंच गए। इस तरह पहले दिन के कारोबार में ही

कंपनी के आईपीओ निवेशकों को 5 प्रतिशत का नुकसान हो गया। संपत एल्यूमिनियम का 30.53 करोड़ रुपये का आईपीओ 17 से 19 सितंबर के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से शानदार रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 169.09 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इनमें क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए रिजर्व पोर्शन 87.02 गुना सब्सक्राइब हुआ था। वहीं, नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) के लिए रिजर्व पोर्शन में 295.88 गुना सब्सक्रिप्शन आया था। इसी तरह रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व पोर्शन 161.68 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इस आईपीओ के तहत 10 रुपये फेस वैल्यू वाले 25.44 लाख नए शेयर जारी किए गए हैं। आईपीओ के जरिये जुटाए गए पैसे का इस्तेमाल कंपनी अपनी नई मैन्युफैक्चरिंग फैसिलिटी सेट अप करने, वर्किंग कैपिटल की जरूरतों को पूरा करने और आम कॉरपोरेट उद्देश्यों में करेगी। कंपनी की वित्तीय स्थिति की बात करें तो प्रॉस्पेक्टस में किए गए दावे के मुताबिक इसकी वित्तीय सेहत लगातार मजबूत हुई है। वित्त वर्ष 2022-23 में कंपनी को 1.42 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था।

सब्सिडी के बेहतर प्रबंधन के लिए खाद्य मंत्रालय और एफसीआई के बीच करार

एजेंसी

नई दिल्ली। खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण विभाग (डीएफपीडी) और भारतीय खाद्य निगम (एफसीआई) ने नई दिल्ली में वित?त वर्ष 2025-26 के लिए एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए। इस समझौते के तहत सब्सिडी के महत्तम प्रबंधन को खाद्यान्न खरीद और वितरण कार्यों में सुधार के लिए मापनीय लक्ष्य निर्धारित किए गए। उपभोक्ता मामले, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मंत्रालय ने जारी एक बयान में बताया कि खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण विभाग और भारतीय खाद्य निगम ने चालू वित्त वर्ष 2025-26 के लिए एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए। इस समझौते के तहत खाद्यान्न प्रबंधन में अधिक दक्षता और जवाबदेही सुनिश्चित करने के उद्देश्य से कार्यनिष्पादन मानदंड और आधुनिकीकरण लक्ष्य निर्धारित किए गए हैं। मंत्रालय के मुताबिक इस समझौता ज्ञापन के जरिए सरकार ने सब्सिडी संचालन में प्रणाली-आधारित दृष्टिकोण और प्रौद्योगिकी-संचालित समाधान अपनाने की अपनी रणनीति को सुदृढ़ किया है। यह समझौता भंडारण हानियों को कम करने, भंडारण क्षमता के उपयोग में सुधार, रसद और आपूर्ति श्रृंखला के प्रदर्शन को बेहतर बनाने और गुणवत्ता नियंत्रण को सुदृढ़ करने पर जोर देता है। इसमें प्रक्रियाओं के व्यापक डिजिटलीकरण और संचालन को सुव्यवस्थित करने के लिए आधुनिक आईटी समाधानों के उपयोग की भी परिकल्पना की गई है, जिसे एफसीआई कर्मचारियों के लिए समर्पित क्षमता-निर्माण कार्यक्रमों द्वारा समर्थित किया जाएगा।खाद्य निगम अधिनियम, 1964 के तहत 1965 में स्थापित एफसीआई, देश के खाद्य सुरक्षा ढांचे में एक केंद्रीय भूमिका निभाता है।

खाद्यान्नों की खरीद, भंडारण, संचलन और वितरण का कार्यभार संभालते हुए भारतीय खाद्य निगम केंद्र सरकार की ओर से एक सार्वजनिक सेवा एजेंसी के रूप में कार्य करता है। इसकी गतिविधियों का पूरा वित्तपोषण सरकार द्वारा जारी खाद्य सब्सिडी से होता है, जिससे यह जरूरी हो जाता है कि सार्वजनिक धन का प्रबंधन अधिकतम पारदर्शिता और लागत-प्रभावशीलता के साथ किया जाए।

नई जीएसटी टैक्स स्लैब में आने वाली वस्तुओं की पूरी सूची, ये चीजें हो गई सस्ती

एजेंसी

नई दिल्ली। नेक्स्ट-जेन जीएसटी रिफॉर्म्स के तहत 22 सितंबर से लागू हुई वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) की दरों से निम्न और मध्यम वर्ग के समूहों को काफी लाभ पहुंचा है। नई दरें साबुन से लेकर छोटी कारों, सूखे मेवों से लेकर एयर कंडीशनर तक सभी वस्तुओं पर लागू हो गई हैं। जीएसटी परिषद ने नए जीएसटी ढांचे के तहत पांच और 18 फीसदी के दो स्लैब बनाकर सरलीकृत कर दिया है। इसके अलावा 'विलासिता' या 'अशुद्ध' वस्तुओं के लिए एक नया 40 फीसदी का स्लैब पेश किया है। कुछ वस्तुओं पर अब शून्य फीसदी जीएसटी लगेगा। इसमें 40 फीसदी वाले को छोड़कर बाकी सभी दरें 22 सितंबर से प्रभावी हो गया है। आइए जानते हैं कि उपभोक?ताओं को किन-किन वस्तुओं पर कितना जीएसटी देना होगा। जीएसटी परिषद ने स्टेशनरी की वस्तुओं को 0 फीसदी जीएसटी के दायरे में शामिल किया है, जिनमें अभ्यास पुस्तिकाएं, नोटबुक, रबड़, पेंसिल, शार्पनर, क्रेयॉन, पेस्टल, मानचित्र, चार्ट और ग्लोब शामिल हैं। खाद्य पदार्थों में अल्ट्रा-हाई टेम्परेचर (यूएचटी) दूध पर भी 0 फीसदी जीएसटी लगेगा। इसके अलावा 33 जीवन रक्षक दवाओं पर शून्य फीसदी जीएसटी लगेगा। इन दवाओं में से कुछ हैं एस्किमिनिब, मेपोलिजुमैब, डाराटुमुमैब, टेक्लिस्टामैब, एमिवेंटामैब, एलेक्टिनिब आदि।

स्टॉक मार्केट में वीएमएस टीएमटी की मजबूत एंट्री, लिस्टिंग के बाद बना बिकवाली का दबाव

एजेंसी

नई दिल्ली। टीएमटी बार्स बनाने वाली कंपनी वीएमएस टीएमटी के शेयरों ने आज स्टॉक मार्केट में मजबूती शुरुआत करके अपने आईपीओ निवेशकों को खुश कर दिया। हालांकि लिस्टिंग के बाद बिकवाली शुरू हो जाने की वजह से निवेशकों की खुशी थोड़ी ही देर में फीकी पड़ गई। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 99 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। आज बीएसई पर इसकी लिस्टिंग करीब 6 प्रतिशत प्रीमियम के साथ 105 रुपये के स्तर पर और एनएसई पर 104.90 रुपये के स्तर पर हुई। लिस्टिंग के बाद बिकवाली शुरू हो जाने के कारण कंपनी के शेयरों के भाव में कमजोरी का रुख बन गया। सुबह 11 बजे तक कारोबार होने के बाद वीएमएस टीएमटी के शेयर 102.50 रुपये के स्तर पर कारोबार कर रहे थे।

वीएमएस टीएमटी का 148.50 करोड़ रुपये का आईपीओ 17 से 19 सितंबर के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से जबरदस्त रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये

ओवरऑल 102.24 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इनमें क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए रिजर्व पोर्शन 120.80 गुना सब्सक्राइब हुआ था। वहीं, नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) के लिए रिजर्व पोर्शन में 227.08 गुना सब्सक्रिप्शन आया था। इसी तरह रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व पोर्शन 47.85 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इस आईपीओ के तहत 10 रुपये फेस वैल्यू वाले 1.50 करोड़ नए शेयर जारी किए गए हैं। आईपीओ के जरिये जुटाए गए पैसे का इस्तेमाल कंपनी अपने पुराने कर्ज के बोझ को कम करने, वर्किंग कैपिटल की जरूरतों को पूरा करने और आम कॉरपोरेट उद्देश्यों में करेगी। कंपनी की वित्तीय स्थिति की बात करें तो प्रॉस्पेक्टस में किए गए दावे के मुताबिक इसकी वित्तीय सेहत लगातार मजबूत हुई है। वित्त वर्ष 2022-23 में कंपनी को 4.20 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था, जो अगले वित्त वर्ष 2023-24 में बढ़ कर 13.47 करोड़ रुपये और 2024-25 में उछल कर 15.42 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। इस दौरान कंपनी की राजस्व प्राप्ति में लगातार गिरावट आई। वित्त वर्ष 2022-23 में इसे 882.06 करोड़ का कुल राजस्व प्राप्त हुआ, जो वित्त वर्ष 2023-24 में गिरकर 873.17 करोड़ और वित्त वर्ष 2024-25 में लुढ़क कर 771.41 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। मौजूदा वित्त वर्ष 2025-26 की बात करें तो पहली तिमाही यानी अप्रैल से जून 2025 में कंपनी को 8.58 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ है। इसी तरह इस अविधि में कंपनी को 213.39 करोड़ रुपये के राजस्व की प्राप्ति हुई है।

जयशंकर ने न्यूयॉर्क में समान विचारधारा वाले दक्षिण देशों की उच्चस्तरीय बैठक की मेजबानी की

एजेंसी

न्यूयॉर्क (अमेरिका)। संयुक्त राष्ट्र महासभा (यूएनजीए) के उच्चस्तरीय 80वें सत्र में हिस्सा लेने पहुंचे भारतीय विदेशमंत्री जयशंकर ने आज यहां समान विचारधारा वाले वैश्विक दक्षिण देशों की उच्चस्तरीय बैठक की मेजबानी की। उन्होंने बैठक का ब्यौरा और फोटो एक्स हैंडल पर साझा करते हुए लिख कि उन्हें सभी का स्वागत कर प्रसन्नता हुई। जयशंकर ने कहा कि बढ़ती चिंताओं और जोखिमों की बहुलता को देखते हुए यह स्वाभाविक है कि वैश्विक दक्षिण समाधान के लिए बहुपक्षवाद की ओर रुख करे। उन्होंने एक्स पोस्ट पर कहा कि वैश्विक मामलों में वैश्विक दक्षिण के दृष्टिकोण के लिए निम्नलिखित प्रस्ताव रखे गए। 1-एकजुटता बढ़ाने और सहयोग को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से वैश्विक दक्षिण के देशों के बीच परामर्श को मजबूत करने के लिए मौजूदा मंचों का उपयोग करें। 2-अपनी विशिष्ट शक्तियों, अनुभवों और उपलब्धियों को सामने लाएं जो हमारे द्वारा विकसित की गई हों और जिनसे वैश्विक दक्षिण के अन्य देशों को लाभ हो सकता है। टीके, डिजिटल क्षमताएं, शिक्षा क्षमताएं, कृषि-पद्धतियां और लघु एवं मध्यम उद्यम संस्कृति इसके अच्छे उदाहरण हैं। 3-जलवायु कार्रवाई और जलवायु न्याय जैसे क्षेत्रों में, ऐसी पहल करें जो वैश्विक उत्तर को उचित ठहराने के बजाय वैश्विक दक्षिण के हित में हों।

आयरलैंड में सजे असम के सांस्कृतिक रंग, कविताओं से महकी शाम

डबलिन (आयरलैंड)। डबलिन स्थित भारतीय दूतावास के तत्वावधान में असम को समर्पित पहला सांस्कृतिक कार्यक्रम अपनी मधुर यादें छोड़ गया। भारत की सांस्कृतिक और आध्यात्मिक विविधता में एकता और 'एक भारत श्रेष्ठ भारत' की भावना से प्रेरित होकर भारतीय दूतावास ने आयरलैंड में पहली बार असम राज्य को समर्पित विशेष सांस्कृतिक संध्या का आयोजन किया। यह आयोजन दूतावास की राज्य-सांस्कृतिक-कार्यक्रम-शृंखला पहल का एक हिस्सा रहा। इस कार्यक्रम में असम की समृद्ध ऐतिहासिक, सांस्कृतिक, पाक कला और पर्यटन की विरासत पर मल्टीमीडिया प्रस्तुति के साथ पारंपरिक नृत्य, असमिया कविता पाठ और असम की आकर्षक वस्त्र एवं शिल्प परंपरा का प्रदर्शन किया गया। यह कार्यक्रम श्री दिगंत मालाकार की अध्यक्षता वाले असम एसोसिएशन ऑफ आयरलैंड के उत्साही समर्थन और भागीदारी के कारण संभव हो सका। इस अवसर पर आयरलैंड में भारत के राजदूत अखिलेश मिश्र ने राजदूतावास की असम पर पहली बार आयोजित विशेष प्रस्तुति की मेजबानी पर प्रसन्नता व्यक्त की। यह कार्यक्रम आयरलैंड में अपेक्षाकृत छोटे लेकिन अत्यंत जीवंत और सक्रिय असमिया समुदाय (जिनकी वर्तमान में अनुमानित संख्या लगभग 200 है) की ऊर्जा से ही सम्भव हुआ।

क्वेटा में जाफर एक्सप्रेस विस्फोट की जिम्मेदारी बलोच रिपब्लिकन गार्ड्स ने ली, पाकिस्तान की सेना के कई जवानों को मारने का किया दावा

क्वेटा (बलोचिस्तान) पाकिस्तान। बलोचिस्तान की राजधानी क्वेटा के पास मंगलवार को जाफर एक्सप्रेस को निशाना बनाकर किए गए विस्फोट की जिम्मेदारी बलोच रिपब्लिकन गार्ड्स (बीआरजीएस) ने ली है। बीआरजीएस ने दावा किया है कि इस हमले पाकिस्तान सेना के कई जवान मारे गए और तमाम सैनिक घायल हो गए। संघीय सरकार ने बीआरजी के इस दावे पर फिलहाल कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है।द बलोचिस्तान पोस्ट की हमले के फौरन बाद पश्तो भाषा में की गई पोस्ट के अनुसार, बलोच रिपब्लिकन गार्ड्स के प्रवक्ता दोस्तिन बलोच ने मीडिया को जारी एक बयान में यह दावा करते हुए विस्फोट की जिम्मेदारी ली है। उन्होंने कहा कि बीआरजीएस के लड़ाकों ने मंगलवार शाम क्वेटा के पास मस्तुंग के रेगिस्तान में एक आईईडी लगाया और रिमोट कंट्रोल से जाफर एक्सप्रेस को निशाना बनाकर विस्फोट किया। इस विस्फोट से ट्रेन में सवार पाकिस्तान की सेना के कई जवान मारे गए और घायल हो गए। विस्फोट से ट्रेन के पांच डिब्बे पटरी से उतरकर पलट गए। बलोच रिपब्लिकन गार्ड्स के प्रवक्ता दोस्तिन ने कहा कि पाकिस्तान की सेना अपने परिवहन और आवाजाही के लिए यात्री रेलगाड़ियों का उपयोग करती है। प्रवक्ता ने कहा कि बीआरजीएस हमले की जिम्मेदारी स्वीकार करता है और यह स्पष्ट करता है कि बलोचिस्तान के आजाद होने तक ऐसे हमले जारी रहेंगे।

नेपाल के वित्तमंत्री से मुलाकात कर भारतीय राजदूत ने दिया समग्र विकास के सहयोग का आश्वासन

काठमांडू। वित्त मंत्री रामेश्वर खनाल और नेपाल में भारतीय राजदूत नवीन श्रीवास्तव ने मुलाकात हुई, जिसमें नेपाल के पुनर्निर्माण और अन्य क्षेत्रों में आर्थिक सहयोग को लेकर चर्चा हुई। भारतीय राजदूत ने वित्त मंत्री खनाल को बधाई देते हुए आने वाले दिनों में भारत के निरंतर सहयोग का आश्वासन दिया। वित्त मंत्री ने नेपाल के पुनर्निर्माण कार्य में भारत के सहयोग की अपेक्षा की और नेपाल के अन्य क्षेत्र में चल रहे सहयोग की निरंतरता का अनुरोध किया।

जवाब में भारतीय राजदूत ने दोनों देशों के प्रधानमंत्री के बीच हुए टेलीफोन संवाद के दौरान भारतीय प्रधानमंत्री के तरफ से नेपाल के पुनर्निर्माण में भारत का हरसंभव सहयोग देने के आश्वासन को स्मरण कराया। राजदूत श्रीवास्तव ने कहा कि भारत हर परिस्थिति में नेपाल को अपना सहयोग निरंतर जारी रहेगा।

'ग्लोबल साउथ' की आवाज मजबूत करने की पहल, जयशंकर ने पेश की रणनीति

एजेंसी

संयुक्त राष्ट्र । भारतीय विदेश मंत्री एस जयशंकर ने 'ग्लोबल साउथ' के देशों से अपनी क्षमताओं का लाभ उठाने और उभरती चुनौतियों का समाधान निकालने के लिए एक बहुआयामी दृष्टिकोण अपनाने का प्रस्ताव रखा है।

संयुक्त राष्ट्र महासभा के सत्र के इतर आयोजित 'समान विचारधारा वाले ग्लोबल साउथ देशों' की उच्चस्तरीय बैठक में जयशंकर ने कहा कि इन देशों को राजनीति और कूटनीति से लेकर विकास और प्रौद्योगिकी तक के मुद्दों पर मिलकर समाधान खोजने चाहिए। बैठक में अलग-अलग राजनीतिक और आर्थिक व्यवस्थाओं तथा विकास स्तर वाले 18 देशों ने हिस्सा लिया। इनमें सिंगापुर, इंडोनेशिया, नाइजीरिया, क्यूबा, चाड, जमैका,

वियतनाम, मॉरीशस और मोरक्को जैसे देश शामिल थे। यह मंच भारत की उस पहल का हिस्सा था, जिसके तहत वह 'ग्लोबल साउथ' की आवाज के रूप में अपनी ताकत का उपयोग कर रहा है। मालदीव के विदेश मंत्री ने कहा, 'ग्लोबल साउथ की शक्ति उसकी एकता और सामूहिक कार्रवाई में निहित है।' उन्होंने कहा, 'मालदीव समान विचारधारा वाले देशों के साथ मिलकर समावेशी विकास और टिकाऊ विकास पथ को बढ़ावा देने के लिए काम करता रहेगा।' एस. जयशंकर ने कहा कि ग्लोबल साउथ के देश अपनी-अपनी क्षमताओं, अनुभवों और उपलब्धियों का लाभ एक-दूसरे के लिए उठा सकते हैं। उन्होंने टीकों (वैक्सीन), डिजिटल क्षमताओं, शिक्षा व्यवस्था, कृषि पद्धतियों और लघु व मध्यम उद्योग संस्कृति जैसे क्षेत्रों का हवाला दिया, जिन पर वे सहयोग कर सकते हैं। भविष्य की ओर संकेत करते हुए उन्होंने कहा कि उन्हें उभरती प्रौद्योगिकियों, विशेष रूप से आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) की संभावनाओं पर विचार करना चाहिए। कूटनीतिक और राजनीतिक मोर्चे पर, उन्होंने संयुक्त राष्ट्र और बहुपक्षवाद में सुधार के लिए मिलकर काम करने का प्रस्ताव रखा। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने कहा कि उन्हें एकजुटता बनाने के लिए मौजूदा मंचों का भी उपयोग करना चाहिए।

नेपाल में मतदाता सूची अधिनियम में संशोधन के लिए राष्ट्रपति ने जारी किया अध्यादेश

एजेंसी

काठमांडू। राष्ट्रपति रामचंद्र पौडेल ने 5 मार्च, 2026 को होने वाले आगामी प्रतिनिधि सभा चुनावों की तैयारी के लिए मतदाता सूची अधिनियम में संशोधन के लिए एक अध्यादेश जारी किया है।

राष्ट्रपति के कार्यालय के अनुसार अध्यादेश संविधान के अनुच्छेद 114 (1) के अनुरूप मंत्रिपरिषद की सिफारिश पर जारी किया गया है। इसका उद्देश्य चुनाव सुचारू रूप से आयोजित करने के लिए आवश्यक कानूनी व्यवस्थाएं करना है। साथ ही मतदाता नामावली सूची बनाने का समय बढ़ाने के लिए भी इस अध्यादेश में व्यवस्था की गई है। आज सुबह ही अंतरिम सरकार की प्रधानमंत्री सुशीला कार्की ने राष्ट्रपति पौडेल से मुलाकात कर अध्यादेश जारी करने की सिफारिश की थी। बीती रात को हुई कैबिनेट की बैठक में निर्वाचन संबंधी अध्यादेश जारी करने के लिए राष्ट्रपति के समक्ष सिफारिश भेजने का फैसला लिया गया था।

नेपाल में जेन जी आंदोलन के दौरान लूटे गए सरकारी हथियारों की नहीं हुई बरामदगी

एजेंसी

काठमांडू। नेपाल में जेन-जी के विरोध-प्रदर्शनों के दौरान लूटे गए हथियारों, गोला-बारूद और संचार उपकरणों का पूरा हिसाब अभी तक इकट्ठा नहीं किया जा सका है। देश भर के पुलिस थानों से चोरी हुए लगभग 3,000 हथियारों में से अब तक केवल 200 ही वापस किए जा सके हैं। आंदोलन के दौरान देश भर की जेलों से भागे लगभग 8,000 कैदी या बंदी अभी भी फरार हैं।

नेपाल में युवाओं के आंदोलन के दौरान न केवल पुलिस थानों से एसएलआर, इंसास राइफल और पिस्तौल जैसे अत्याधुनिक हथियार लूटे गए, बल्कि हत्या, अपहरण और डकैती जैसे गंभीर अपराधों के लिए सजा काट रहे हजारों कैदी भी जेलों से भाग गए। चोरी हुए हथियारों, गोला-बारूद और संचार उपकरणों का पूरा हिसाब अभी तक इकट्ठा नहीं किया जा सका है। पुलिस मुख्यालय के अनुसार देश भर के पुलिस थानों से चोरी हुए लगभग 3,000 हथियारों में से अब तक केवल 200 ही वापस किए जा सके हैं। अकेले काठमांडू में पुलिस

कार्यालयों से एसएलआर, इंसास, थ्री-एन-थ्री और बेरेटा पिस्तौल सहित हज़ारों राउंड गोला-बारूद लूट लिया गया। देश भर से लूटे गए 10 हजार से ज़्यादा कारतूसों में से सिर्फ़ लगभग 3,000 कारतूस ही बरामद किए जा सके हैं। इससे पता चलता है कि लगभग 7,000 कारतूस अभी भी अपराधियों और समाज में अराजकता फैलाने वाले समूहों के हाथों में हैं। पुलिस को अभी भी नहीं पता कि 2,800 अत्याधुनिक हथियार कहां हैं।

चीन में दुनिया का सबसे ऊंचा पुल 28 सितंबर को यातायात के लिए खुलेगा

एजेंसी

बीजिंग। चीन के गुइझोउ प्रांत में दुनिया का सबसे ऊंचा पुल हुआजियांग ग्रैंड कैनियन ब्रिज का निर्माण किया गया है, जिसे 28 सितंबर को आधिकारिक तौर पर यातायात के लिए खोला जाएगा। सरकारी संवाद समिति शिन्हुआ ने बुधवार को बताया कि गुइझोउ की प्रांतीय सरकार ने यहां आयोजित एक संवाददाता सम्मेलन में बताया कि बेपान नदी के ऊपर 628 मीटर की ऊचाई पर बने इस पुल का निर्माण कार्य 2022 की शुरुआत में आरंभ किया गया था। यह फ्रांस के मिलाउ वायाडक्ट पुल से भी अधिक ऊंचा है जिसकी कुल उचांई 343 मीटर है। इसके शुरू होने के बाद से परियोजना टीम को कई प्राकृतिक चुनौतियों का सामना करना पड़ा, लेकिन इसके बावजूद तीन वर्षों के रिकार्ड समय में इसका निर्माण पूरा किया गया। यह चीन के इंजीनियरों की महत्वर्पूण उपलब्धि है। एजेंसी के मुताबिक पुल 2,890 मीटर लंबा है और इसका मुख्य विस्तार 1,420 मीटर

है। निर्माण टीम ने इसके के लिए बेइदो नेविगेशन सैटेलाइट प्रणाली के साथ ड्रोन तकनीक, बीआईएम मॉडलिंग आदि नवीन निर्माण तकनीकों का उपयोग किया। यह पुल ने 25 अगस्त तक एक महत्वपूर्ण भार परीक्षण पूरा कर लिया था। भार परीक्षण को पुल पर यातायात शुरू होने से पहले परीक्षण का अंतिम चरण माना जाता है।

इतावली अभिनेत्री क्लाउडिया कार्डिनल का 87 वर्ष की आयु में पेरिस में निधन

एजेंसी

पेरिस। साठ के दशक में विश्व सिनेमा में पहचान बनाने वाली मशहूर इतावली अभिनेत्री क्लाउडिया कार्डिनल (पूरा नाम क्लाउड जोसेफिन रोज कार्डिनल) का निधन हो गया। उन्होंने 87 वर्ष की आयु में पेरिस के बाहरी इलाके नेमॉर्स में मंगलवार को अंतिम सांस ली। उनके हिस्से में फेडेरिको फेलिनी की स्वप्निल कृति 8ड्ड और ब्लेक एडवर्ड्स की हास्य प्रधान फिल्म द पिंक पैंथर जैसी विश्व विख्यात फिल्में हैं। उनके प्रवक्ता लॉरेंट सेवरी ने अभिनेत्री के निधन की पुष्टि की। उन्होंने मृत्यु का कारण नहीं बताया। द वाशिंगटन पोस्ट की रिपोर्ट के अनुसार ट्यूनीशिया में 15 अप्रैल, 1938 को जन्मी कार्डिनल ने अनगिनत निर्माताओं, निर्देशकों और दर्शकों के लिए भू-मध्यसागरीय नायिका के रूप में बेमिसाल फिल्में

दीं। 18 साल की उम्र में एक सौंदर्य प्रतियोगिता में ताज पहनाए जाने और वेनिस फिल्म समारोह में पुरस्कृत होने के बाद क्लाउडिया कार्डिनल ने पीछे मुड़कर नहीं देखा। अभिनेत्री क्लाउडिया कार्डिनल ने सात दशक के करियर में लगभग 130 फिल्में की। इनमें रोक्को एंड हिज़ ब्रदर्स, द लेपर्ड, वन्स अपॉन अ टाइम इन द वेस्ट और फिट्जकाराल्डो प्रमुख हैं। उन्होंने प्रभावशाली इतालवी फिल्म निर्माता फ्रेंको क्रिस्टाल्डी से शादी की। कार्डिनल और अभिनेता ब्रिजिट बार्डोट की जोड़ी को दर्शकों ने खूब पसंद किया। बार्डोट ने 1965 में कहा था कि कार्डिनेल की भूमिकाएं फिल्म को जीवंत बना देती हैं। क्रिस्टाल्डी ने 1958 में उन्हें साइन किया था। उन्होंने खुलासा किया था कि तब क्लाउडिया कार्डिनल अविवाहित मां थीं। क्रिस्टाल्डी ने कार्डिनल की मां से उस लड़के को अपने बेटे की तरह पालने को कहा था। अभिनेत्री ने अपने बेटे से यह बातें तब तक छिपाईं जब तक वह आठ साल का नहीं हो गया। द लेपर्ड ने कान फिल्म समारोह में सर्वोच्च पुरस्कार जीता और कार्डिनल को ख्याति दिलाई। इस अभिनेत्री ने हॉलीवुड को द प्रोफेशनल्स, सर्कस वर्ल्ड, डोंट मेक वेव्स और ब्लाइंडफ़ोल्ड जैसी फिल्में दीं।

न्यूयार्क में यातायात में फंसे मैक्रों ने ट्रंप को किया फोन

एजेंसी

न्यूयार्क। फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों न्यूयॉर्क की सड़कों पर यातायात में उस समय फंस गए जब पुलिस ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के काफिले को रास्ता देने के लिए सड़कें बंद कर दीं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक एक वीडियो में सड़क पर यातायात में फंसने के बाद फ्रांसीसी राष्ट्रपति अपनी गाड़ी से बाहर निकले और उन्होंने अमेरिकी राष्ट्रपति को फ़ोन कर मज़ाक में उनसे सड़क खाली करने के लिए कहा। रिपोर्ट के अनुसार मैक्रों संयुक्त राष्ट्र महासभा में भाषण देकर अपने गंतव्य की ओर जा रहे थे। इस बीच वीडियो के एक दृश्य में मैक्रों को एक पुलिस अधिकारी से नाराज़ होकर बहस करते हुए देखा गया और वह बैरिकेड्स पार करने की अनुमति मांगते दिख रहे थे। हालांकि माफ़ी मांगते हुए अधिकारी ने मैक्रों को बताया कि अमेरिकी राष्ट्रपति के काफिले के लिए जगह बनाने को लेकर सड़कें बंद की गई हैं क्योंकि उस काफिले में एक दर्जन से ज़्यादा वाहन थे। रिपोर्ट के अनुसार मैक्रों ने बैरिकेडस पर लटकते हुए अधिकारी से कहा, अगर आपको काफिला दिखाई नहीं दे रहा है, तो मुझे आगे निकल जाने दीजिए। हालाकिं इंतज़ार करने के लिए मजबूर होकर उन्होंने ट्रंप को फ़ोन कर उनसे कहा, अरे, आप कैसे हैं? अंदाज़ा लगाइए, मैं सड़क पर इंतज़ार कर रहा हूँ क्योंकि आपके लिए सब कुछ रुका हुआ है! हालांकि तब तक ट्रंप का काफिला गुज़र चुका था और सड़क केवल पैदल चलने वालों के लिए खुली थी।

दक्षिण कोरिया के पूर्व राष्ट्रपति येओल की पत्नी को कैदी वैन से अदालत ले जाया गया

एजेंसी

सियोल (दक्षिण कोरिया)। पूर्व राष्ट्रपति यून सुक येओल की पत्नी किम कियोन ही को बुधवार को एक कैदी वाहन से सियोल सेंट्रल डिस्ट्रिक्ट कोर्ट ले जाया गया। नेवी सूट और मास्क पहनी किम अपने आपराधिक मुकदमे की पहली पेशी में अदालत में पेश हुईं। कोरिया के इतिहास में पहली बार किसी पूर्व प्रथम महिला को आपराधिक आरोपों पर सुनवाई का सामना करना पड़ा। अदालत कक्ष में उनके प्रवेश की तस्वीरें प्रेस को जारी की गईं।द कोरिया टाइम्स अखबार की रिपोर्ट के अनुसार, सियोल सेंट्रल डिस्ट्रिक्ट कोर्ट के आपराधिक प्रभाग-27 ने दोपहर 2=17 बजे कार्यवाही शुरू की। किम पर स्टॉक हेराफेरी से लेकर अवैध राजनीतिक फंडिंग और

यूनिफिकेशन चर्च से जुड़ी रिश्वतखोरी तक कई आरोप हैं। पिछले महीने से न्यायिक हिरासत में रह रहीं किम ने पत्रकारों की भीड़ के बीच अदालत कक्ष में प्रवेश किया। पहली बार, अदालत ने जनहित का हवाला देते हुए सुनवाई शुरू होने से पहले प्रतिवादी के निर्धारित क्षेत्र में बैठी उनकी स्थिर फोटो और वीडियो जारी करने की अनुमति दी। हालांकि, बहस शुरू होने के बाद मुकदमे की रिकॉर्डिंग नहीं की जाएगी। 51 वर्षीय किम पर 2009 और 2012 के बीच डॉयचे मोटर्स के शेयरों में हेराफेरी में शामिल होने का आरोप है। उन्होंने कथित तौर पर कंपनी के अधिकारियों और वित्तपोषकों के साथ मिलकर लगभग 81 करोड़ वॉन (580,000 डॉलर) का अवैध मुनाफा कमाने की साजिश रची। अभियोजकों का यह भी आरोप है कि 2022 के राष्ट्रपति चुनाव के दौरान उन्होंने और उनके पति ने एक राजनीतिक दलाल से मुफ्त में प्रदान की गई लगभग 27 करोड़ वॉन मूल्य की जनमत सर्वेक्षण सेवाओं का लाभ उठाया। यह वित्त कानूनों का उल्लंघन है।

बांग्लादेश में सैन्य विमान दुर्घटना जांच आयोग का कार्यकाल बढ़ा

एजेंसी

ढाका (बांग्लादेश)। अंतरिम सरकार ने उत्तरा माइलस्टोन स्कूल एवं कॉलेज सैन्य विमान दुर्घटना की जांच के लिए गठित आयोग का कार्यकाल बढ़ा दिया है। मंगलवार रात जारी कैबिनेट विभाग के एक परिपत्र में कहा गया है कि आयोग का कार्यकाल 23 दिन ((24 सितंबर से 16 अक्टूबर) बढ़ा दिया गया है। वायुसेना के एफटी-7 बीजीआई लड़ाकू विमान हादसे में 34 लोग मारे गए थे। ढाका ट्रिब्यून की रिपोर्ट के अनुसार, पूर्व सचिव एकेएम जफर उल्लाह खान की अध्यक्षता वाले आयोग को पहले चार हफ्तों के भीतर अपनी रिपोर्ट देने को कहा गया था। बाद में इसका कार्यकाल एक बार और अब फिर बढ़ाया गया है। नौ सदस्यीय आयोग में पूर्व एयर वाइस मार्शल (सेवानिवृत्त) एम सईद हुसैन, रक्षा, नागरिक उड्डयन और पर्यटन एवं आपदा प्रबंधन मंत्रालयों के अतिरिक्त सचिव, ढाका के संभागीय आयुक्त, शहरी योजनाकार प्रोफेसर आदिल मोहम्मद खान, बीयूईटी के मैकेनिकल इंजीनियरिंग के प्रो. मोहम्मद आशिकुर रहमान और वकील बैरिस्टर अशरफ अली शामिल हैं। ढाका संभागीय आयुक्त कार्यालय सचिवीय सहायता प्रदान कर रहा है।इस आयोग को 21 जुलाई को हुए विमान हादसे के कारणों, जिम्मेदारी और नुकसान के आकलम करने का काम सौंपा गया है। इस विमान त्रासदी में माइलस्टोन स्कूल के 27 छात्रों सहित 34 लोग मारे गए थे और कई अन्य घायल हुए थे। मृतकों में बांग्लादेश वायुसेना के

प्रशिक्षण विमान के पायलट फ्लाइट लेफ्टिनेंट मोहम्मद तौकीर इस्लाम भी शामिल हैं।जांच में हवाई अड्डों के पास इमारतों की अनुमति, उड़ान क्षेत्र की सुरक्षा और उस क्षेत्र में माइलस्टोन स्कूल के निर्माण से जुड़े कानूनी और प्रशासनिक मुद्दों की भी समीक्षा की जाएगी। यह आयोग भविष्य में ऐसी दुर्घटनाओं को रोकने, प्रशिक्षण उड़ानों में सुधार लाने और आपदाओं के दौरान आपातकालीन उपाय सुनिश्चित करने के उपाय सुझाएगा।

सत्ता से हटने के 14 दिन बाद सार्वजनिक रूप से दिखे केपी ओली

काठमांडू। सत्ता से हटने के 14 दिन के बाद अपदस्थ प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली अपने समर्थकों और कार्यकर्ताओं के बीच दिखाई दिए। भक्तपुर में किराये के घर में रह रहे ओली ने कुछ समर्थक और कार्यकर्ताओं के बीच आकर सिंहदरबार में आगजनी की घटना को घुसपैठियों का षडयंत्र बताया ।

उन्होंने कहा कि अपने देश से प्रेम करने वाले अपने इतिहास से प्रेम करने वाले कभी सिंहदरबार में आगजनी नहीं कर सकते । काठमांडू के मेयर बालेन शाह पर लक्षित करते हुए ओली ने कहा कि कुछ दिन पहले ही किसी ने सिंहदरबार में आग लगा देने की धमकी दी थी। इसलिए यह आक्रमण किया गया। जेन जी के प्रदर्शन पर कटाक्ष करते हुए ओली ने कहा कि नेपाल एक बदनाम देश हो गया है। कई देशों ने वीजा देना बंद कर दिया गया है। काम देना बंद कर दिया गया है। उन्होंने कहा कि इस परिस्थिति से हमे देश को बचाना होगा।

रूसी विमान घुसपैठ करें तो मार गिराओ, ट्रंप का नाटो से आह्वान

एजेंसी

न्यूयॉर्क (अमेरिका)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड जे. ट्रंप ने कहा कि यूक्रेन 'रूस के आक्रमण से पहले की अपनी सीमाओ' को बहाल कर सकता है। उनका मानना है कि अगर रूसी विमान नाटो सदस्य देशों की हवाई क्षेत्र में प्रवेश करते हैं तो उन्हें मार गिराना चाहिए। संयुक्त राष्ट्र महासभा के इतर ट्रंप की रूसी विमानों को मार गिराने संबंधी टिप्पणी और बाद में ट्रुथ सोशल पर यूक्रेन की सीमाओं के बारे में उनकी पोस्ट को मॉस्को के प्रति उनके रवैये में महत्वपूर्ण बदलाव का संकेत माना जा रहा है।

सीएनएन चैनल की रिपोर्ट की अनुसार, यूक्रेन की सीमाओं पर उनकी टिप्पणी पदभार ग्रहण करने के बाद पहली बार आई है। उन्होंने कहा है कि यूक्रेन 2014 से रूस के कब्जाए गए सभी क्षेत्रों को जीत सकता है। उन्होंने पहले सुझाव दिया था कि शांति समझौते के लिए यूक्रेन को अपने कुछ क्षेत्र छोड़ने होंगे। रूसी विमानों को मार गिराए जाने के उनके बयान से साफ है कि वे यूक्रेन को केवल हथियार देने के बजाय रक्षा गठबंधन को रूस के साथ सीधे संघर्ष में शामिल करने के लिए तैयार हैं।संयुक्त राष्ट्र महासभा के दौरान यूक्रेनी राष्ट्रपति व्लादिमीर जेलेंस्की के साथ बैठक के दौरान नाटो के हमलों के बारे में पूछे जाने पर ट्रंप ने कहा, हां, मैं ऐसा चाहता हूं। बाद में ट्रुथ सोशल पर ट्रंप ने लिखा कि यूक्रेन और रूस की आर्थिक और सैन्य स्थितियों की बेहतर समझ विकसित करने के बाद उन्हें विश्वास हो गया था कि यूक्रेन, यूरोपीय संघ के समर्थन से पूरे यूक्रेन को उसके मूल स्वरूप में वापस लाने के लिए लड़ने और जीतने की स्थिति में है। उन्होंने कहा कि यह संघर्ष रूस को एक कागज़ी शेर जैसा बना रहा है। इससे मॉस्को को काफी धन की हानि हो रही है और उसे पेट्रोल मिलना मुश्किल हो रहा है।ट्रंप ने एक लंबी पोस्ट में लिखा, समय, धैर्य और यूरोप खास तौर पर नाटो के वित्तीय सहयोग से जहां से यह युद्ध शुरू हुआ था, मूल सीमाएं एक विकल्प हैं। यूक्रेन अपने देश को उसके मूल स्वरूप में वापस ले पाएगा और कौन जाने शायद उससे भी आगे बढ़ जाए! पुतिन और रूस बड़े आर्थिक संकट में हैं और यही समय है कि यूक्रेन कार्रवाई करे। जेलेंस्की ने संवाददाता सम्मेलन में ट्रंप के विचार को एक बड़ा बदलाव और अमेरिकी नेता को गेमचेंजर कहा। ज़ेलेंस्की ने पत्रकारों को बताया कि उन्होंने ट्रंप को सारी स्थिति से अवगत करा दिया है। उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि राष्ट्रपति ट्रंप को कुछ बारीकियां पता हैं। ... और मैं इससे खुश हूं। मैं उनका और उनके लोगों का भी आभारी हूं। लेकिन अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने अपनी पोस्ट के कुछ ही घंटों बाद ट्रंप से अलग रुख अपनाया और कहा कि युद्ध सैन्य रूप से समाप्त नहीं हो सकता। रुबियो ने संघर्ष पर संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की बैठक में कहा, यह बातचीत की मेज पर समाप्त होगा। यहीं इस युद्ध का अंत होगा। उन्होंने संयुक्त राष्ट्र निकाय को बताया, अमेरिका इस खतरनाक संघर्ष के शांतिपूर्ण समाधान के लिए पहले की तरह ही प्रतिबद्ध है। उधर, अपने ट्रुथ सोशल पोस्ट में ट्रंप ने सुझाव दिया कि यूक्रेन यूरोपीय समर्थन से युद्ध जीत सकता है, हालांकि अमेरिका के आगे इसमें शामिल होने का कोई जिक्र नहीं है। पोलैंड, एस्टोनिया और अन्य देशों के ऊपर रूसी विमानों की हालिया घुसपैठ ने यूक्रेन युद्ध की शुरुआत के बाद से नाटो और मॉस्को के बीच पहले सीधे संघर्ष को जन्म दिया है। इस स्थिति ने रूस की आक्रामकता को रोकने में गठबंधन की तैयारी और विश्वसनीयता की परीक्षा ली है। ट्रंप के बयान के बाद नाटो महासचिव मार्क रूट ने कहा कि मार गिराने का काम विमान से उत्पन्न खतरे के बारे में उपलब्ध खुफिया जानकारी पर निर्भर होना चाहिए।

स्थानीय समाचार

वरिष्ठ भाजपा नेता शास्त्री विपन खजूरिया तीसरी बार हिन्दी सलाहकार समिति के सदस्य नामित

जम्मू, 24 सितंबर (हि.स.)। जम्मू-कश्मीर के प्रख्यात समाजसेवी एवं वरिष्ठ भाजपा नेता शास्त्री विपन खजूरिया को केन्द्र सरकार द्वारा एक बार पुनः हिन्दी सलाहकार समिति का सदस्य नामित किया गया है। यह लगातार तीसरी बार है जब उन्हें इस महत्वपूर्ण समिति में गैर-सरकारी सदस्य के रूप में चुना गया है।

हिन्दी सलाहकार समिति में लोकसभा एवं राज्यसभा के सांसदों के साथ-साथ पूरे देश से केवल चार गैर-सरकारी सदस्यों को शामिल किया जाता है। इस प्रतिष्ठित समिति में जम्मू-कश्मीर से शास्त्री विपन खजूरिया का नाम शामिल होना पूरे प्रदेश के लिए सम्मान और गर्व की बात है। हिन्दी सलाहकार समिति के अध्यक्ष एवं केंद्रीय राज्य मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह द्वारा शास्त्री विपिन खजूरिया को नामित किया गया।

शास्त्री विपन खजूरिया लंबे समय से डोगरी, संस्कृत एवं हिन्दी भाषाओं के प्रचार-प्रसार और संवर्धन में उल्लेखनीय योगदान देते आ रहे हैं। उन्होंने सदैव भारतीय भाषाओं की समृद्ध परंपरा, सांस्कृतिक विरासत और राष्ट्र की एकात्म भावना को सुदृढ़ करने के लिए कार्य किया है। उनके निरंतर प्रयासों से क्षेत्रीय और राष्ट्रीय भाषाओं को नई पहचान एवं सम्मान प्राप्त हुआ है।

इस अवसर पर श्री कैलख ज्योतिष एवं वैदिक संस्थान ट्रस्ट के अध्यक्ष, ज्योतिषाचार्य एवं स्टेट अवॉर्डी महंत रोहित शास्त्री ने उन्हें हार्दिक शुभकामनाएँ प्रेषित करते हुए कहा कि फ्हिन्दी हमारी राष्ट्रभाषा है, डोगरी हमारी मातृभाषा और संस्कृत हमारी संस्कृति की आत्मा है। इन तीनों भाषाओं के प्रचार-प्रसार में शास्त्री विपन खजूरिया का योगदान सराहनीय है। हिन्दी सलाहकार समिति में उनका तीसरी बार नामित होना न केवल जम्मू-कश्मीर बल्कि सम्पूर्ण भारत के लिए गर्व की बात है। निश्चित ही वे हिन्दी सहित डोगरी एवं संस्कृत के उत्थान में भी अपनी महत्वपूर्ण भूमिका विपन खजूरिया की नियुक्ति न केवल उनकी व्यक्तिगत उपलब्धि है बल्कि जम्मू-कश्मीर की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत एवं भारतीय भाषाओं की सशक्त पहचान का भी प्रतीक है। समिति में उनकी उपस्थिति से हिन्दी के साथ-साथ डोगरी और संस्कृत भाषा को भी राष्ट्रीय स्तर पर और अधिक प्रोत्साहन मिलेगा।

टाइगर डिवीजन और एनजीओ सेट्रीज़ ने जम्मू के बाढ़ प्रभावित मकवाल में आजीविका को किया पुनर्जीवित

जम्मू, 24 सितंबर (हि.स.)। टाइगर डिवीजन ने एनजीओ सेट्रीज़ के सहयोग से जम्मू के मकवाल में बाढ़ प्रभावित समुदायों के लिए राहत और पुनर्वास प्रयासों में एक और महत्वपूर्ण कदम उठाया है। साहसिक बचाव अभियान चलाने, अंतर-शहर परिवहन के लिए 110 फुट ऊँचे बेली ब्रिज का निर्माण, सड़क संपर्क बहाल करने, पेयजल और भोजन की व्यवस्था करने और जम्मू भर के लोगों के लिए चिकित्सा एवं पशु चिकित्सा शिविर आयोजित करने के बाद टाइगर डिवीजन ने अब बाढ़ के दौरान अपनी आजीविका खो चुके

परिवारों को पशुधन उपलब्ध कराने के लिए सेट्रीज़ के साथ हाथ मिलाया है।

यह संयुक्त पहल बाढ़ से बाधित हुई डेयरी और कृषि आजीविका को पुनर्जीवित करके दीर्घकालिक पुनर्वास पर केंद्रित है। मवेशियों की व्यवस्था से तबाह हुए परिवारों को तत्काल जीविका और आय का एक स्रोत मिलेगा जिससे परिवार आत्मनिर्भरता और स्थिरता हासिल कर सकेंगे।

यह प्रयास ज़रूरतमंदों को मानवीय सहायता प्रदान करने में टाइगर डिवीजन की दृढ़ प्रतिबद्धता को दर्शाता है। स्थानीय समुदायों ने इस पहल का स्वागत करुणा, सहयोग और जीवन के पुनर्निर्माण, राष्ट्र निर्माण तथा प्रभावित परिवारों को बाढ़ के विनाशकारी प्रभावों से उबरने में मदद करने के लिए मानवीय सहायता के प्रति प्रतिबद्धता के एक शक्तिशाली उदाहरण के रूप में किया है।

अगली पीढ़ी का जीएसटी एक राष्ट्र, एक कर के दृष्टिकोण को मजबूत करता है : प्रिया सेठी

जम्मू, 24 सितंबर (हि.स.)। जम्मू-कश्मीर भाजपा की उपाध्यक्ष और पूर्व मंत्री प्रिया सेठी ने आज वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) को मोदी सरकार के सबसे परिवर्तनकारी आर्थिक सुधारों में से एक बताया और इसे भारत की अर्थव्यवस्था के लिए फ्गेम-चेंजरफ्र करार दिया।

उन्होंने कहा जीएसटी ने एक राष्ट्र, एक बाजार, एक कर के दृष्टिकोण को मजबूत किया है। व्यवसायों के लिए अनुपालन को आसान बनाया है पारदर्शिता बढ़ाई है और विकासात्मक कार्यों के लिए राजस्व बढ़ाया है। वह जीएसटी के प्रभाव और भविष्य के दायरे पर विचार-विमर्श के लिए अखनूर में आयोजित एक विशेष कार्यक्रम में बोल रही थीं।

प्रिया सेठी ने अपने संबोधन में कहा कि जीएसटी लागू करने के लिए मोदी सरकार श्रेय की पात्र है जिसने पूरे देश में करों के जटिल जाल को एकल, पारदर्शी और समान कर प्रणाली से बदल दिया। उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला कि जीएसटी ने कई करों के व्यापक प्रभाव को समाप्त करके छोटे और मध्यम व्यवसायों को सशक्त बनाया है जबकि डिजिटल फाइलिंग सिस्टम के माध्यम से अधिक जवाबदेही भी सुनिश्चित की है।

सेठी ने कहा कि ई-चालान की शुरूआत, डिजिटल रिटर्न और जीएसटी में निरंतर सुधार प्रधानमंत्री के डिजिटल इंडिया और व्यापार करने में आसानी के दृष्टिकोण के अनुरूप हैं। इस अवसर पर बोलते हुए विधायक मोहल लाल भगत ने कहा कि जीएसटी ने न केवल शहरी केंद्रों में बल्कि अर्ध-शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में भी व्यापार और वाणिज्य को सुव्यवस्थित किया है।

घातक राह सलयोट दुर्घटना में शामिल फरार क्रेन चालक को जम्मू पुलिस ने गिरफ्तार किया

जम्मू, 24 सितंबर (हि.स.)। जम्मू (ग्रामीण) पुलिस ने राह सलयोट में एक घातक दुर्घटना में शामिल एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है जिसने क्षेत्र को त्रासदी के दृश्य में बदल दिया था। एक क्रेन (जे के02डीएन-9628) एक आई 10 कार (जेके11ई-3874) से टकरा गई थी जिसमें दो लोगों की तुरंत मौत हो गई।

रबी की दलहनी फसलों में मसूर का प्रमुख स्थान

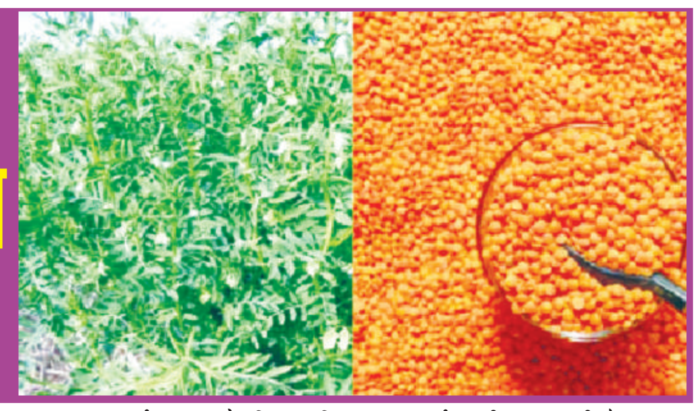

रबी की दलहनी फसलों में मसूर का प्रमुख स्थान है। यह एक लोकप्रिय दलहनी फसल है जिसकी खेती प्रायः हर राज्य में की जाती है। इसकी खेती प्रायः असिंचित क्षेत्रों में धान/ मक्की की फसल के बाद की जाती है ।

रबी मौसम में सरसों के साथ अंततः फसल के रूप में लगाया जाता है। मिट्टी की उर्वरा शक्ति को बनाये रखने में भी मसूर की खेती बहुत सहायक होती है। उन्नतशील उत्पादन तकनीको का प्रयोग करके मसूर की उपज में बढ़ोतरी की जा सकती है।

मसूर के लिए समशीतोष्ण जलवायु की आवश्यकता होती है,ऊष्ण-कटिबंधीय व उपोष्ण-कटिबंधीय क्षेत्रों में मसूर शरद ऋतू की फसल के रूप में उगाई है जाती,विभिन्न स्थानों पर विभिन्न प्रकार की जलवायु में मसूर की फसल समुद्री सतह से लगभग 3500 मीटर की ऊंचाई तक उगाई जाती है.पौधों की वृद्धि के लिए अपेक्षाकृत अधिक ठंडी जलवायु की आवश्यकता होती है अतः भारत में मसूर की फसल रबी की ऋतू में उगाई जाती है . उन सभी स्थानों पर 80-100 सेमी तक वार्षिक वर्षा होती है मसूर की फसल बिना वर्षा के भी उगाई जा सकती है, परन्तु कम वर्षा वाले स्थानों पर सिंचाइयों की सुविधा उपलब्ध होना अति आवश्यक है, अधिक वर्षा फसल के लिए हानिकारक होती है. पौधों की वृद्धि के लिए अधिक ठंडी जलवायु की आवश्यकता होती है परन्तु पाले का फसल पर हानिकारक प्रभाव पड़ता है , पौधों की वानस्पतिक वृद्धि के लिए अपेक्षाकृत उच्च तापक्रम आवश्यक होता है, इस प्रकार फसल वृद्धि की विभिन्न अवस्थाओं के लिए 18.33 - 29.44 डिग्री सेल्सियस तापक्रम अनुकूल होता है .

मसूर की खेती के लिए दोमट मिट्टी काफी उपयोगी होती है। नमीयुक्त मटियार खेत में धान या मक्की की अगैती फसल के बाद या फिर खाली पड़े खेत में मसूर की खेतीबाडी आसानी पूर्वक की जा सकती है।

मसूर की खेती के लिए खेत को 2-3 बार देशी हल अथवा कल्टीवेटर से जुताईकर मिट्टी को भूरभूरी बना देते है। बीज की बोआई जीरो टिलेज मशीन से करने के बाद कल्टीवेटर या रोटावेटर से जोताई कर खेत भुरभुरा करना चाहिए।

दलहन की बोआई के लिए वैसे तो असिंचित क्षेत्र में 15 से 31 अक्टूबर के बीच का समय उपयुक्त माना गया है। किन्तु सिंचित इलाकों में इसकी बोआई का समय 15 नवम्बर तक हो सकता है। मसूर की उन्नत प्रजातियां को 15 अक्टूबर से 25 नवम्बर के बीज बुवाई कर देनी चाहिए।

मसूर की खेती के लिए अनुसंसित (सर्टिफाइड) उन्नत प्रजातियाँ

जम्मू कश्मीर राज्य के लिए मसूर की अनुसंसित प्रजातियों के नाम इस तरह से हैं

कश्मीर व राज्य के ठन्डे क्षेत्रों के लिए कुछ अन्य प्रजातियें है

शालीमार एम - 1, शालीमार एम - 2, पी.एल. 4, डी.पी.एल. 15.

पंत के 639 - यह प्रजाति 135-140 दिन में तैयार हो जाती है। यह जड़ सड़न एवं उकठा रोग के लिए प्रतिरोधी मानी जाती है।

पी0एल0 406 - यह प्रभेद 140-145 दिन में तैयार होती है। इसमें रस्ट, विल्ट एवं अट रोग से लड़ने की क्षमता होती है।

एच0यू0एल0 57 - यह प्रजाति 120-125 दिन में परिपक्व हो जाती है तथा इसमें भी जड़ सड़न एवं उकठा रोग से लड़ने की क्षमता है।

बड़े दाने वाली प्रजातियाँ- मसूर की बुवाई की जाने वाली प्रमुख प्रजातियाँ जैसे की आई पी एल81 भी जम्मू क्षेत्र के लिए अनुशंसित है

बीज की मात्रा एवं बोने की बिधि

छोट दानो वाले प्रभेदो के लिए एक हेक्टेयर क्षेत्रफल में बुबाई के लिए 35-40 किलोग्राम बीच की जरूरत पड़ती है। जबकी बड़े दानों वाले किस्मों के लिए 50-55 किलोग्राम बीज की आवश्यकता होती है। बुवाई के समय किस्मों के आधार पर कतार से कतार एवं पौधे से पौधे की दूरी क्रमशः 25 से0मी0 और 10 से0मी रखनी चाहिए।

प्रारम्भिक अवस्था के रोगों से बचाने के लिए बुवाई से पहले मसूर के बीजों को सही उपचार करना जरूरी होता है। इसके लिए ट्राइकोडर्मा विरीडी 5 ग्राम प्रति किलों बीज या कार्बेन्डाजिन 2.0 ग्राम प्रति किलोग्राम बीज की दर से उपचारित करना चाहिए। बीजोपचार में सबसे पहले कवकनाशी तत्पश्चात् कीटनाशी एवं सबसे बाद में रहिज़ोबियम कल्चर से उपचारित करने का क्रम अनिवार्य होता है।

मुख्य सचिव ने विभिन्न योजनाओं के अंतर्गत विद्यालय अवसंरचना विकास की समीक्षा की

श्रीनगर 24 सितंबर। मुख्य सचिव अटल डुल्लू ने एक उच्च स्तरीय बैठक की अध्यक्षता की, जिसमें जम्मू-कश्मीर भर में विद्यालयों में चल रहे अवसंरचना विकास कार्यों की प्रगति की समीक्षा की गई।

बैठक में उच्च शिक्षा विभाग के एसीएस, लोक निर्माण विभाग के प्रधान सचिव स्कूल शिक्षा सचिव, कानून सचिव, समग्र शिक्षा के प्रबंध निदेशक, कश्मीर/जम्मू के स्कूल शिक्षा निदेशक, जेके बोर्ड ऑफ स्कूल एजुकेशन सचिव, आरएंडबी के मुख्य अभियंता सहित अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

मुख्य सचिव ने जोर देकर कहा कि कार्यान्वयन एजेंसियों को सभी प्रगतिशील परियोजनाओं को समयबद्ध तरीके से पूरा करना चाहिए और सख्त निगरानी तंत्र का पालन करना चाहिए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि शीघ्र पूर्ण होने वाली परियोजनाओं को वरीयता दी जाए ताकि उन्नत अवसंरचना का लाभ छात्र समुदाय को बिना देरी मिले।

पारदर्शिता के महत्व को रेखांकित करते हुए, मुख्य सचिव ने यह भी कहा कि संसाधनों का प्रभावी उपयोग सुनिश्चित किया जाए, और केंद्र शासित प्रदेश की कैपेक्स योजनाओं के अंतर्गत लिए गए प्रत्येक कार्य से सरकारी विद्यालयों में शिक्षण वातावरण के सु.ढ़ीकरण में योगदान हो।

बैठक के दौरान स्कूल शिक्षा विभाग के सचिव राम निवास शर्मा ने अब तक दर्ज वित्तीय और भौतिक उपलब्धियों पर विस्तृत प्रस्तुति दी।

यह जानकारी दी गई कि वित्तीय वर्ष 2024-25 के दौरान 185.67 करोड़ रुपये का आवंटन स्वीकृत किया गया था, जिसमें से 146.77 करोड़ रुपये उपलब्ध कराए गए। इसके विपरीत, 122.14 करोड़ रुपये व्यय किए गए, जिससे 83.21 प्रतिशत खर्च की उपलब्धि हासिल की गई।

वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए 180.50 करोड़ रुपये का आवंटन किया गया है, जिसमें से अब तक 90.25 करोड़ रुपये उपलब्ध कराए गए हैं। इसमें से अगस्त 2025 तक 25.06 करोड़ रुपये का व्यय दर्ज किया जा चुका है। भौतिक .ष्टि से, सचिव ने अवगत कराया कि 2024-25 में 2,716 कार्य लिए गए, जिनमें से 1,048 कार्य पूरे किए गए। इसी तरह, 2025-26 के लिए लगभग 2,356 कार्य लिए गए हैं, जिनमें से 1,779 कार्य पूरे करने का लक्ष्य है, जबकि अगस्त 2025 तक 10 कार्य पूरे हो चुके हैं। मुख्य सचिव को आगे बताया गया कि 2025-26 के लिए कैपेक्स कार्यों का जिला-वार सारांश तैयार किया गया है, जिसके तहत 1,089 कार्य (जम्मू संभाग में 540 और कश्मीर संभाग में 549) स्वीकृत किए गए हैं।

सतीश शर्मा ने तेल कंपनियों के साथ एलपीजी आपूर्ति की स्थिति की समीक्षा की

श्रीनगर 24 सितंबर। खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता मामले, सूचना प्रौद्योगिकी, परिवहन, युवा सेवा और खेल मंत्री सतीश शर्मा ने एचपीसीएल सहित प्रमुख तेल कंपनियों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक कर जम्मू-कश्मीर में सड़क अवरोधों के मद्देनज़र एलपीजी की उपलब्धता और आपूर्ति की समीक्षा की। बैठक के दौरान मंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि जम्मू-कश्मीर के उपभोक्ताओं तक एलपीजी सिलेंडरों की निर्बाध उपलब्धता सुनिश्चित की जाए। तेल कंपनियों के प्रतिनिधियों ने मंत्री को आश्वासन दिया कि आपूर्ति श्रृंखला प्रतिदिन बनाए रखी जा रही है और जनता को किसी भी असुविधा से बचाने के लिए हर संभव प्रयास किया जा रहा है।परिस्थितियों को देखते हुए विशेषकर घर-घर में एलपीजी की निरंतर आपूर्ति के महत्व को रेखांकित करते हुए

सतीश शर्मा ने तेल कंपनियों से आह्वान किया कि सिलेंडर लेकर जाने वाले ट्रकों को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाए और संबंधित अधिकारियों के साथ समन्वय स्थापित कर सुचारु आवाजाही सुनिश्चित की जाए। मंत्री ने यह भी कहा कि एलपीजी वितरण एजेंसियों के नेटवर्क को विस्तार देना आवश्यक है। उन्होंने ग्रामीण और सीमावर्ती क्षेत्रों में और अधिक दुकानें स्थापित करने की आवश्यकता पर जोर दिया ताकि दूरदराज़ क्षेत्रों में रहने वाले परिवार रसोई गैस से वंचित न हों। उन्होंने खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता मामले विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिया कि तेल कंपनियों के साथ मिलकर वितरण चैनलों को सुव्यवस्थित करें और किसी भी कमी से बचने के लिए स्टॉक की स्थिति की लगातार निगरानी करें। जनकल्याण के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता को दोहराते हुए सतीश शर्मा ने कहा कि एलपीजी सहित आवश्यक आपूर्ति सुनिश्चित करना सर्वोच्च प्राथमिकता है और उपभोक्ताओं के हितों की रक्षा के लिए हर आवश्यक कदम उठाए जा रहे हैं।

सरकार की शीर्ष प्राथमिकता ग्रामीण और दूरदराज़ क्षेत्रों में चिकित्सा अवसंरचना को सुधारना है :सकीना इत्तू

कुलगाम/अनंतनाग 24 सितंबर । स्वास्थ्य और चिकित्सा शिक्षा, समाज कल्याण और शिक्षा मंत्री सकीना इत्तू ने कहा कि उमर अब्दुल्ला के नेतृत्व वाली सरकार ने जम्मू-कश्मीर भर में विशेषकर ग्रामीण और दूरस्थ क्षेत्रों में स्वास्थ्य सुविधाओं को मजबूत करने को सर्वोच्च प्राथमिकता दी है।

मंत्री ने यह बात दक्षिण कश्मीर के कुलगाम और अनंतनाग जिलों के कई गांवों में विभिन्न स्वास्थ्य केंद्रों का उद्घाटन करते हुए कही।

अरवानी गांव में, स्वास्थ्य मंत्री ने 2.71 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत से निर्मित नए प्रकार के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र का उद्घाटन किया। इस अवसर पर विधायक बिजबिहाड़ा-श्रीगुफ्वाड़ा डॉ. बशीर अहमद वीरी, सीएमओ कुलगाम, बीएमओ क़ैमोह, अन्य वरिष्ठ अधिकारी और बड़ी संख्या में स्थानीय लोग उपस्थित रहे।

मंत्री ने इस अवसर पर कहा कि इन स्वास्थ्य सुविधाओं की स्थापना, सरकार की उस व्यापक .ष्टि का हिस्सा है जिसका उद्देश्य गुणवत्तापूर्ण, सुलभ और किफ़ायती स्वास्थ्य सेवाओं को जमीनी स्तर तक उपलब्ध कराना है।

उन्होंने बताया कि उमर अब्दुल्ला के नेतृत्व वाली सरकार जम्मू-कश्मीर भर में स्वास्थ्य सुविधाओं को उन्नत करने के लिए निरंतर प्रयासरत है। विशेषकर ग्रामीण और दूरस्थ क्षेत्रों में चिकित्सा अवसंरचना का सुधार सरकार की शीर्ष प्राथमिकता है ताकि सेवा वितरण में अंतर को पाटा जा सके और तृतीयक अस्पतालों पर बोझ को कम किया जा सके। विधायक बिजबिहाड़ा-श्रीगुफ्वाड़ा ने भी सभा को संबोधित किया और सरकार की हालिया उपलब्धियों पर प्रकाश डाला। बाद में, सकीना इत्तू ने फ्तेहपोरा अनंतनाग और ब्रिन्टी

अनंतनाग का दौरा किया और क्रमशः नए निर्मित एनटीपीएचसी और पीएचसी का उद्घाटन किया। इस अवसर पर विधायक अनंतनाग पश्चिम अब्दुल मजीद लारमी, एडीसी अनंतनाग, सीएमओ अनंतनाग, बीएमओ वेरीनाग, स्वास्थ्य विभाग के अन्य वरिष्ठ अधिकारी और बड़ी संख्या में स्थानीय लोग मौजूद रहे।

इन स्थानों पर उद्घाटनों के बाद विशाल सभाओं को संबोधित करते हुए स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि इन केंद्रों का उद्घाटन स्वास्थ्य सेवाओं को अधिक समावेशी और सुलभ बनाने के सरकार के संकल्प की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने कहा कि सरकार की प्रतिबद्धता है कि कोई भी मरीज़ बिना देखभाल के न रहे और प्रत्येक परिवार को अपने घर के निकट समय पर और उचित लागत पर उपचार उपलब्ध हो।

मंत्री ने कहा कि सरकार यह सुनिश्चित करने के लिए काम कर रही है कि जम्मू-कश्मीर के हर कोने में, विशेषकर ग्रामीण और दूरस्थ क्षेत्रों में, बेहतर चिकित्सा सुविधाएँ उपलब्ध हों। फ्नए स्वास्थ्य केंद्रों से लेकर एमआरआई और कैथ लैब तक, सरकार का ध्यान रोगी देखभाल को सुधारने और लोगों को उनके दरवाज़े पर सुविधाएँ उपलब्ध कराने पर है। उन्होंने आगे बताया कि इन स्वास्थ्य केंद्रों को आधुनिक डायग्नॉस्टिक सुविधाओं, आवश्यक दवाओं, मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सेवाओं और प्रशिक्षित चिकित्सा कर्मियों से सुसज्जित किया जाएगा ताकि स्थानीय समुदाय की निवारक और उपचार संबंधी ज़रूरतों को पूरा किया जा सके। विधायक अनंतनाग पश्चिम अब्दुल मजीद लारमी ने भी इन अवसरों पर संबोधन किया। इससे पहले, सकीना इत्तू ने फ्तेहपोरा अनंतनाग के सरकारी उच्चतर माध्यमिक विद्यालय का औचक निरीक्षण भी किया और संस्थान के शैक्षणिक मानकों की समीक्षा की। उन्होंने विद्यालय परिसर का विस्तृत निरीक्षण किया और संकाय तथा अन्य विद्यालय कर्मचारियों से बातचीत की। मंत्री ने छात्रों से भी संवाद किया और संस्थान में दी जा रही शिक्षा की गुणवत्ता के बारे में उनकी प्रतिक्रिया जानी।

बड़ी संख्या में भक्त पहुंच रहे माता वैष्णों देवी के दर्शनों के लिए

जम्मू, 24 सितंबर (हि.स.)। श्री माता वैष्णो देवी मंदिर में लंबी कतारों के बावजूद भक्त नवरात्रि के तीसरे दिन भी बड़ी संख्या में दर्शनों के लिए आ रहे हैं।

भक्तों द्वारा भजन-कीर्तन के साथ माहौल भक्तिमय बना हुआ है। श्राइन बोर्ड और स्थानीय प्रशासन ने बढ़ती संख्या में श्रद्धालुओं के आने-जाने के लिए विशेष व्यवस्था की है ताकि नौ दिनों तक चलने वाले शारदीय नवरात्रि समारोह के दौरान यात्रियों के लिए सुगम दर्शन और सुविधाएँ सुनिश्चित की जा सकें।

नवरात्रि जिसे शारदीय नवरात्रि के नाम से भी जाना जाता

है, पूरे भारत में मनाया जाने वाला एक जीवंत और व्यापक रूप से हिंदू त्योहार है। अश्विन माह में मनाया जाने वाला नौ रातों का यह उत्सव देवी दुर्गा और उनके नौ अवतारों को समर्पित है जिनमें से प्रत्येक शक्ति, ज्ञान और करुणा जैसे विशिष्ट गुणों का प्रतीक है।

इस उत्सव में दैनिक प्रार्थना, उपवास, भक्ति गीत और गरबा और डांडिया रास जैसे ऊर्जावान पारंपरिक नृत्य शामिल होते हैं।

भारी बारिश और भूस्खलन के कारण 22 दिनों तक स्थगित रहने के बाद वैष्णो देवी तीर्थयात्रा फिर से शुरू हो गई है।

देश भर से तीर्थयात्री पहुँचने लगे हैं और खुशी व्यक्त कर रहे हैं कि उनका लंबा इंतजार आखिरकार खत्म हुआ और अब वे पवित्र मंदिर में माता का आशीर्वाद ले सकेंगे।

26 अगस्त को हुए भूस्खलन के बाद वैष्णो देवी यात्रा स्थगित कर दी गई थी, जिसमें 34 लोग मारे गए थे और कई घायल हुए थे।

अध्यक्ष ने नागाम बडगाम में कारीगरों के लिए भव्य जागरूकता शिविर का उद्घाटन किया

बडगाम 24 सितंबर। जम्मू-कश्मीर विधानसभा अध्यक्ष अब्दुल रहीम राथर ने नागाम चडूरा में कारीगरों, बुनकरों और प्रशिक्षुओं के लिए एक दिवसीय भव्य जागरूकता शिविर सह संगोष्ठी का उद्घाटन किया।

यह जागरूकता शिविर हस्तशिल्प एवं हथकर्घा विभाग द्वारा आयोजित किया गया था।

शिविर में कारीगरों, बुनकरों और प्रशिक्षुओं के अलावा विभिन्न विभागों के अधिकारियों और कर्मचारियों ने सक्रिय भागीदारी की। अपने उद्घाटन संबोधन में अध्यक्ष ने कश्मीर की समृद्ध सांस.तिक धरोहर को संरक्षित करने में कारीगरों की भूमिका की सराहना की। उन्होंने कारीगरों से आह्वान किया कि वे अपनी कला को निष्ठा और समर्पण के साथ करते हुए नवाचार और बाज़ारोन्मुख दृष्टिकोण अपनाएं।

आत्मनिर्भरता की आवश्यकता पर बल देते हुए राथर ने कहा कि कारीगरों को नौकरी तलाशने वाले नहीं बल्कि नौकरी देने वाले बनने का प्रयास करना चाहिए। उन्होंने कारीगर समुदायों के सामाजिक-आर्थिक उत्थान के लिए उठाए जाने वाले प्रयासों को पूर्ण सहयोग देने का आश्वासन दिया। इस अवसर पर हस्तशिल्प एवं हथकर्घा बडगाम के सहायक निदेशक ने विभाग की उपलब्धियों और पहलों पर प्रकाश डाला, जिनका उद्देश्य हस्तशिल्प और हथकर्घा क्षेत्र को मजबूत बनाना है। उन्होंने कारीगरों से अपील की कि विभाग द्वारा लागू की जा रही कल्याणकारी योजनाओं और क्षमतावर्धन कार्यक्रमों का पूरा लाभ उठाएं।